सतगुरु अजायब सन्देश

भजन माला

संत साधुराम जी के भजनों का संग्रह

सतगुरु अजायब संदेश

भजन माला

संत साधुराम जी के भजनों का संग्रह

अजायब आश्रम	**दिल्ली में संपर्क का पता**
गाँव व डाकखाना :– 9 एल एम	अजायब आश्रम
तहसील :–अनूपगढ़ (335701)	एम़ –16 लाजपत नगर – 3
जिला :– श्रीगंगानगर (राजस्थान)	नई दिल्ली – 110024

www.ajaib.com

गुरु प्यारी साधसंगत जी गुरु–शब्दों को किताब का रूप देने में काफी गल्तियाँ अनजाने में हुई हैं, इसके वास्ते सतगुरु और साध संगत से माफी मांगते हैं

नाम जपा सुख पाया, जिसने नाम जपा

मात–पिता भाई सुत दारा, साथ ना कोई जायेगा
अंत समय में धन और दौलत, कुछ भी काम ना आएगा
यह संसार मीत मिथ्या है, मिथ्या इसकी माया
जिसने नाम जपा.....

उनकी गिनती कितनी होगी, परमेश्वर ही जाने
मिट्टी में मिल मिट्टी हो गये, अनगिन राज घरानें
राम भजन कर तरे पातकी, जग में नाम कमाया
जिसने नाम जपा.....

जिस पल याद किया भक्तों ने, अपनी सुध बिसराए
महा सिंहासन तज नंगे पैरों, राम प्रभु दौड़े आए
पलक झपकते पीड़ा हर ली, पल में कष्ट मिटाया
जिसने नाम जपा.....

मारे असुर संत जन तारे, झंडा ऊँचा किया धर्म का
जो प्रभु दे दे हंस कर ले ले, कर शुक्राना उसी का
किरपाल अजायब निभाने का, नाम से मेल कराया
जिसने नाम जपा.....

सन्त अजायब सिंह जी

सबसे पहले हमें शब्द से प्यार करना है
हमें अपने गुरु से प्यार करना है

जब हम सत्संग में आते है तों हमें अपने मन की गलतियों का पता चलता है किसी भी किताब से हमें कुछ नहीं देना, जो देना है वो गुरु ने देना हैं देह गुरु ने देना है।

जो कुछ संतो महात्माओं ने अंदर देखा वो किताबों में लिख दिया ये उन्होंने जीवों के फायदे के लिए किया हमारा फायदा ऐसे है कि जब हम गुरुओं की लेखनी पढ़ते हैं तों हमारे मन में गुरुभक्ति की भावना जागती हैं, हमारे अंदर भगवान से मिलने की उत्सुकता पैदा होती है, आत्मा में भी भगवान् से मिलने की इच्छा, लगन पैदा होती हैं संत किताबें नहीं पढ़ते वो अंदरुनी किताब पढ़ते हैं, वो शब्द नाम की किताब पढ़ते हैं वो यह छह फुट (शरीर) की किताब पढ़ते हैं।

संत अजायब सिंह जी महाराज ने कहा है "ऐ अखां पै गईयाँ होर हिसाबां नू, एह पै गईयाँ पढ़न किताबां नूं"

अलग अलग किताबें पढ़ के हम बहस में पड़ जाते हैं अगर किताबों ने ही हमें देना था तों संतों महात्माओं के पास जाने की क्या जरूरत थी? हमें ज्ञान घर बैठ कर ही मिल जाना था।

एक बच्चे के पास किताब है, क्या उसे एक शिक्षक की जरुरत नहीं?

संत साधुराम जी

भजन न०		पृष्ठ सख्या
28	अजब अनोखी तेरी माया	**33**
210	अन्दर तूं ऐं बाहर तूं ऐं	**224**
12	असीं उठदे–बहदें हर वेल	**17**
184	असीं मंग दे हाँ एहो	**192**
186	असीं गुनाहगार हाँ जी	**194**
4	असीं कुझ होर ना मंगदे जी	**9**
72	असॉ नैणा च वसाया ए बड़ा ही मन मोहणा	**79**
84	अपणा अवल्ला मन मोड़ ते सही	**91**
14	अमृत वेले उठ जाग प्यारयो	**19**
62	अमृत वेले जो सेवक	**67**
139	असीं बच्चे हां गुरू अजायब दे	**147**
110	अमृत वेला हो गया जी	**117**
63	आओ गुरू अजायब जी	**68**
95	आओ जी आओ, आओ जी	**102**
137	ओ मन मेरे गा लै गुरू दे गीत	**145**
116	आजो संगतो जी गुरॉ दा दिदार कर लो जी	**123**
89	आया जी दिन 11 सितम्बर	**96**
56	आवीं सतगुरू प्यारया मैं तकदी राहां	**61**
54	आजा वे अजायब जी	**59**
208	आजा वे हुण रह नहीं हुँदा	**221**
132	आजा सतगुरू प्यारे राहां तकदी खड़ी निमाणी	**140**
127	आ आके दातया तूं देजा वे दीदार	**135**
190	आजा दातया फेरा पाजा दातया	**198**
27	ओए तूं करया कर बंदेया	**32**
86	ओ साहॉ विच साह लैदां ए	**93**
165	आया सचखण्डो पुत्र प्यारा	**173**
171	आजा दातया वे दर्श दिखा ए अरजां ने मेरीयां	**179**
173	आओ जी रल के सब संगतों	**181**
177	आवेगा ज़रूर गुरू आस रखीऐ	**185**
175	आजा आजा वे अजायब जी मैं रो रो वाजां मारा	**183**
17	इक अरजोई मेरी सबनू ए प्यारयो	**22**
225	इक सोहणे यार दी खातिर	**243**
125	इस दम दा की भरवासा ए	**132**
158	इस कोझे नीच निमाणे ते	**166**

भजन न०		पृष्ठ सख्या
227	एह जग ए भवसागर बंदया	246
15	ऐसा मिले गुरू से ज्ञान	20
180	ऐना अखीयां विच सतगुरू वसदा	188
224	ऐनां तेरी याद ने रवाया सोहण्या	241
87	ऐसा पंज शब्दा ने सानूं तारया	94
21	किनां शब्दां विच ब्यान करा	26
66	करदा अरदास गुरू जी	71
122	करयो कबूल साडी बेनती गुरू जी	129
98	करी मंजूर दाता सेवक दी अर्जी	105
58	करां अरजां ऐहो ही, बार बार	63
202	कर रब्ब नाल बंदया प्यार किसे तों की लैणा	214
53	करदा सब ते दया है, दयालु गुरू	58
147	की करनी असां अमीरी	155
164	काल देश विच रूहां रोण दातया	172
13	गुरूजी तेरा प्यार सानूं मिलयां	18
16	गुरू द्वार चलो गुरू दवार चलो	21
30	गुरू जी में तेरे लड़ लगी हां	35
31	गुरू बिना ज्ञान नहीं मिलता है बन्दे	36
67	गुरू दर्शन को लोचे नैना	72
100	गुरू नूं अपणा बणा लै	107
104	गुरसिख दी ए खास निशानी	111
111	गुरू जी सानूं नाम शब्द नाल जोड	118
96	गुरू बिना गोविन्द दा मिलणा	103
44	गुण गावां गुरूजी तेरे	49
141	गुरू दाता दीनदयाल दया ही करदा ए	149
160	गुरू जी थ्वाडे दर्शन नूं	168
199	गुरु जेहा ना कोई जग विच	209
194	गुरु मेहरबां ने आके मेरी जिन्दगी बनाती	202
162	गुरू बिना ज्ञान नहीं	170
174	गुरू तो बगैर किसे पुछणी ना बात ओए	182
170	गुरू जेहा ना दाता कोई जो मंगीए सो देवे	178
145	गुरू अजायब जी सच दा हौका ला गये	153
39	गीत गुरू दे गा लयो जी	44
82	घट–घट दे विच बस रहा इको सतकरतार	89

भजन न०		पृष्ठ सख्या
226	चरणां दे नाल सदा लाई रखीं दातया	245
70	चल्लीयां जी चल्लीयां जी	76
71	चिट्ठिए नी चिट्ठिए हंजूआं नाल लिखीए	77
128	चेते करके गुरू जी तैनूं	136
129	चढ़ियां सतगुरू चढ़ियां	137
130	चरणां विच रख दातयां	138
37	छम छम रोंदे नैण मेरे	42
19	छड देश बेगाने नूं बन्दया	24
114	छड दुःखां दा देश ओ बंदया	121
222	जाग जा मुसाफिरा सफर कर लै	239
47	जागो होया अमृत वेला	52
24	जिनां प्रीत गुरू नाल पा लई ए	29
34	जिस दे सदके तूं है बंदेया	39
181	जिस हाल च रखें दाता तूं	189
90	जिस थां रखे दाता ओथे रहणा चाहीदा	97
77	जित्थे सतगुरू आप बसे ओत्थे कमी कोई ना होवे	84
2	जीवन है अनमोल रे प्यारे	7
11	जे कृपा हो जाये सतगुरू दी	16
92	जे गुरसिख नाम ध्यावे सतगुरू आऊंदा ए	99
75	जे मेहर करें तूं साईयॉ मैं वी तर जावां	82
81	जे सतगुरू नूं याद करे तूं	88
206	जे रब्ब नूं मिलणा ऐ प्यारया	218
135	जे सतगुरू नूं राजी करना	143
10	जो जन गुरू की शरणी लागे	15
20	जो मिला है तेरे द्वार से	25
213	जदों तक मैं नहीं मर दी	228
205	जदों टुट जाणी साहां वाली डोर बंदया	217
209	जदों दे गुरु जी मैनूं अजायब मिले ने	223
200	जो चरणा दे नाल ला रखया	211
32	जो भी दीन दुखिया, ओदे दर उत्ते आवे	37
161	जे सतगुरू मल्लाह ना हुंदा	169
167	जित्थे जित्थे वी मैं जावां वडयाई तेरी गावां	175
57	याद तेरी कीता बुरा हाल सोहणया	62
126	याद जदों वी गुरूजी तेरी आवे	133

भजन न०		पृष्ठ सख्या
40	यादां तेरीया गुरू जी मैनूं आईयां	45
187	रख गुरु ते भरोसा	195
214	रज्ज रज्ज गुरां दा दीदार कर लौ	229
215	रज्ज रज्ज वेखण दो	231
123	रहण दे गरीब पर दूर ना करीं	130
25	रहमत तेरी हुई गुरूजी	30
43	रहां चरणा तो दूर ए नी मैनूं मंजूर गुरूजी	48
140	रंग गुरूां दे प्यार वाला चढ़या	148
154	राहें जुदा जुदा हैं मंजिल एक है	162
168	रब्ब भुल जावे पर गुरू	176
35	रूलदे ही फिरदे सी ना कीते ढोई सी	40
80	लख–लख शुकर मनावां तेरे दातेया	87
136	लग गये गुरू दे चरणी	144
41	तन दे मकान विच बैठा भगवान	46
189	तेरा दर छड दातया	197
64	तन सड़ जावे भावें गल जावे	69
69	तन तेरा हरि मन्दिर बन्दया	75
212	तूं पिता मैं बालक तेरा	227
5	तूं सुख वेले शुकराना कर	10
91	तेरे चरणां दे विच रहणा सतगुरू	98
93	तेरी याद गुरू जी आई रोंदे नैण मेरे	100
36	तेरी रहमतों ने गुरूजी	41
131	तेरी दया नाल सारे कम्म होई जांदे ने	139
218	तेरी दया मेहर दाता डुबदे पत्थरां नूं तार दी	234
117	तेरी याद च सतगुरू साईयां अखियां भर आईयां	124
198	तूं बंदया कुझ ते सोच विचार	208
101	तूॅं दाता असीं मंगते तेरे	108
55	तेरे हुक्म दी करां उडीक	60
108	तीला–तीला होई सतगुरु	115
201	तेरे बिना मैं गुरू जी फिरदा सी रुल्दा	212
144	तेरे नाम दा अमृत मैं	152
153	तेरे दर का भिखारी हूॅं दाता	161
219	तेरे दर्शन कर कर जीवां	235
150	तेरे चरणां दे विच साडी थां दातया	158

भजन न०		पृष्ठ सख्या
157	तूं रोवेगां कुरलावेंगा	**165**
163	तेरे तो बलिहारे सतगुरू प्यारया	**171**
176	तेरी मौज दातया तेरी मौज दातया	**184**
216	देके नाम दी दवाई सानूं दातया	**232**
109	देके नाम गुरां ने संगतो हैं	**116**
204	दातया तेरीयाँ तूं जाणे	**216**
191	दया करो दया करो	**199**
169	दुःख हो चाहे सुख हो हरि यश गा ले रे बन्दे	**177**
51	दर्शन गुरां दा करके	**56**
49	नैणा दी जोत जगा बंदया	**54**
151	नाम जपो ते मुक्ति पावो	**159**
155	नाम दी कमाई कर	**163**
182	नित उठ रोज सवेर	**190**
42	ना लख चौरासी भोगां मै	**47**
18	सतगुरू मेरे हर था गावां मैं तेरी ही वडआई	**23**
220	सतगुरु मेहर करीं	**236**
22	सत्संग विच है ऐनी शक्ति	**27**
23	सतगुरू दी रहमत होइ	**28**
38	सतगुरू आखे सोई करीए	**43**
88	सतगुरु अजायब जी सांइयाँ वे	**95**
133	सतगुरू जी आये ने	**141**
112	सतगुरू–सतगुरू बोल प्यारया	**119**
48	सतगुरू दा दरबार	**53**
124	सईयो नी मै सतगुर वर पाया	**131**
99	संगतो भरोसा जिनां करया गुरू ते	**106**
217	संता ने दस्सी युक्ति	**233**
115	सचखण्डों गुरूजी अजायब चल आ गया	**122**
68	सत्संग दी ए महिमा संगतो	**73**
7	सिमरन भजन करावे मुक्ति	**12**
6	सब जूनां दा तू ही ऐ सरदार बंदया	**11**
78	सानूं इक तेरे नाम दा सहारा गुरूजी	**85**
105	साहमणे गुरूजी होवे तकदा रहां	**112**
102	सुणो बेनती गुरूजी इक मेरी	**109**
120	सेवकां दे कारज सवारदा	**127**

भजन न०		पृष्ठ सख्या
60	सिर ते मोत खड़ी ऐ	**65**
149	सचखण्ड चों गुरू जी आये	**157**
156	सतगुरू दा ढाड्डी हां	**164**
166	सच्चा है सतगुरू का नाम	**174**
159	सतगुरू दाते ने पति परमेशवर लड़ लाई	**167**
3	सेवक होवे सोई जिसचों महक गुरू दी आवे	**8**
196	साईं सबदे सिरां दे उत्ते हथ रखदा	**204**
197	सुत्ता सी मैनुं जगा गया	**206**
146	होया नाम जपण दा वेला	**154**
119	हर थां लाज रखीं मेरे दाता	**126**
9	पहलां आप बणावें, फेर आप ही तू ढावें	**14**
26	पाके चोला इंसानी	**31**
143	पंच तत्वां दा पूतला ए तूं	**151**
148	पी के गुरू कोलों नाम वाला जाम	**156**
179	प्यार गुरू नाल जिस जिस ने वी पाया ए	**187**
29	पा लया गुरूजी तेरे नाम वाला चोला	**34**
107	पल्ले इक नाम तेरा सतगुरू प्यारया	**114**
45	पलकां बंद कर लैंदा हां	**50**
195	पल्ला फड़या वे साइयां तेरा	**203**
59	फेरा पा जावीं सतगुरू प्रीतम प्यारे	**64**
1	बैठी तकदी गुरूजी तेरा राह	**6**
203	बड़ा सोहणा बड़ा ही मन मोहणा	**215**
192	बच्चे हाँ अनभोल दातया	**200**
188	बक्शो गुरु जी मै हाँ औगुणा दा भरया	**196**
211	बदल जाएगी तेरी ज़िंदगानी	**225**
183	बदियाँ तों मन मोड	**191**
83	बण वैद गुरूजी आजा मै बिमार हॉ	**90**
113	बेनती कबूल साडी कर लयो गुरूजी	**120**
134	बन्दया जुबानों सदा गुरू गुरू बोल	**142**
138	भावें माला गल पा लै	**146**
61	मन लै मना मेरी गल	**66**
121	मन भटक–भटक कर हार गया	**128**
74	मार मन मार बंदे मार मन मार	**81**
79	मैं सतगुरू मैला भांडा मैल उतारो जी	**86**

भजन न०		पृष्ठ सख्या
60	सिर ते मोत खड़ी ऐ	**65**
149	सचखण्ड चों गुरू जी आये	**157**
156	सतगुरू दा ढाड्डी हां	**164**
166	सच्चा है सतगुरू का नाम	**174**
159	सतगुरू दाते ने पति परमेशवर लड़ लाई	**167**
3	सेवक होवे सोई जिसचों महक गुरू दी आवे	**8**
196	साईं सबदे सिरां दे उत्ते हथ रखदा	**204**
197	सुत्ता सी मैनुं जगा गया	**206**
146	होया नाम जपण दा वेला	**154**
119	हर थां लाज रखीं मेरे दाता	**126**
9	पहलां आप बणावें, फेर आप ही तू ढावें	**14**
26	पाके चोला इंसानी	**31**
143	पंच तत्वां दा पूतला ए तूं	**151**
148	पी के गुरू कोलों नाम वाला जाम	**156**
179	प्यार गुरू नाल जिस जिस ने वी पाया ए	**187**
29	पा लया गुरूजी तेरे नाम वाला चोला	**34**
107	पल्ले इक नाम तेरा सतगुरू प्यारया	**114**
45	पलकां बंद कर लैंदा हां	**50**
195	पल्ला फड़या वे साइयां तेरा	**203**
59	फेरा पा जावीं सतगुरू प्रीतम प्यारे	**64**
1	बैठी तकदी गुरूजी तेरा राह	**6**
203	बड़ा सोहणा बड़ा ही मन मोहणा	**215**
192	बच्चे हाँ अनभोल दातया	**200**
188	बक्शो गुरु जी मै हाँ औगुणा दा भरया	**196**
211	बदल जाएगी तेरी ज़िंदगानी	**225**
183	बदियाँ तों मन मोड	**191**
83	बण वैद गुरूजी आजा मै बिमार हॉ	**90**
113	बेनती कबूल साडी कर लयो गुरूजी	**120**
134	बन्दया जुबानों सदा गुरू गुरू बोल	**142**
138	भावें माला गल पा लै	**146**
61	मन लै मना मेरी गल	**66**
121	मन भटक–भटक कर हार गया	**128**
74	मार मन मार बंदे मार मन मार	**81**
79	मैं सतगुरू मैला भांडा मैल उतारो जी	**86**

भजन न०		पृष्ठ सख्या
118	मैं तेरा हो गया सतगुरू ते	125
185	मैं तेरे रखण दी दातया	193
207	मैं ते मंगदा दीदार दाता तेरा	219
8	मैनूं नाम दे रंग विच रंग साईयां	13
73	मैनूं दया बक्श दो दाता मंगता दर आया	80
94	मैंनूं तन सोहणे दी लोड़ नहीं	101
103	मैनूं आपणे चरणा विच लाओ गुरूजी	110
106	मैनूं सतगुरू सबर दिता ते कदे डोला ना	113
142	मेरे विच मैं कदे ना आवे	150
172	मेरे हाल दा महरम तूं सतगुरू	180
33	मेरा तन मन चश्मा होवे करां दीदार मुरशद दा	38
52	मेरा सब कुछ तूहीं सतगुरू	57
221	मेरा सोहणा सतगुरु सांई	238
85	मेरे विच मेरा कुझ वी नही जो कुछ है सो तेरा	92
97	मेरा रूस्से ना सतगुरू प्यारा	104
223	मेरी जिंदगी गुरूजी तेरी अमानत है	240
178	मेरीयां ते दातेया तेरे ते डोरां ने	186
193	मिट्ठी दे खिलौनया वे टुट जावेंगा	201
46	वारे जावां वारे जावां	51
76	वे मैनूं गुरां दे दवारे जाके बहण दे	83
50	वैद गुरू गोविंदा	55
152	वेखण नूं ते बन्दा ही लगदा	160
65	26जनवरी दा दिन आया	70

सन्त साधुराम जी

बैठी तकदी गुरूजी तेरा राह

सन्त साधुराम

बैठी तकदी गुरूजी तेरा राह, आओ जी तुसीं पाओ फेरियां
रूह विछड़ी नूं चरणां नाल ला,
सुनो जी फरियादां मेरियां.........2

मन लोभी लालची ने, मैनूं भरमाया ए,
विष्यां विकारां वाले, जाल च फसाया ए.........2
मन लालची तों मैंनू लै बचा, सुनों जी फरियादां मेरियां
बैठी तकदी गुरूजी तेरा राह........

पंजा चोरां गुरूजी, मैंनूं ऐसा घेरिया,
नाम ना जपण देंदे, मुख ऐसा फेरया.......2
ऐहना चोरां कोलों, मैंनूं लै छुड़ा, सुनों जी फरियादां मेरियां
बैठी तकदी गुरूजी तेरा राह........

सिर उत्ते हथ रखो, मेरे तूं अजायब जी,
हर वेले जपांगी मैं, बस तेरा नाम जी.......2
साधुराम नू चरणां नाल ला, सुनों जी फरीयादां मेरियां
बैठी तकदी गुरूजी तेरा राह........

जीवन है अनमोल रे प्यारे

सन्त साधुराम

जीवन है अनमोल रे प्यारे, जीवन है अनमोल
लख चौरासी, भोग के मिला है, मिटटी में ना रोल
जीवन है अनमोल रे प्यारे........

मर—मर के तुझे, मिला है मौका, अबकी बार ना, खाना धोखा.....2
ध्यान लगाके सुन लै बन्दे, सतगुरू के ये बोल
जीवन है अनमोल रे प्यारे........

वक्त ना रूकता, चलता जाए, ये दोबारा, फिर ना आए.....2
फिर—फिर के थक जाएेगा, दुनियां में ना रोल
जीवन है अनमोल रे प्यारे........

सन्तों ने कही बात निराली, हाथ पसार के जाएेगा खाली.....2
मन माने या ना माने, सन्त कहें बजाके ढोल
जीवन है अनमोल रे प्यारे........

सतगुरू अजायब जी, हैं कुल मालिक,
हर इक जीव के हैं, वो प्रति पालक.....2
साधुराम कहे नाम सिमर के, घट के परदे खोल
जीवन है अनमोल रे प्यारे.......

सेवक होवे सोई जिसचों महक गुरू दी आवे

सन्त साधुराम

सेवक होवे सोई, जिसचों महक गुरू दी आवे
उठदा बहंदा हर वेले जो, सतगुरू–सतगुरू गावे
सेवक होवे सोई........

अपने सतगुरू दी खातिर, मीरा ज़हर प्याला पीता,
मति दास सिर आरा चलया, पर मुहों सी ना कीती.......2
चल्ली जावे आरा फिर वी, गुरू दा नाम ध्यावे
सेवक होवे सोई........

ज्यों ध्रुव भगत ने भगती कीती, जाणे ए जग सारा,
अज वी अम्बरां दे विच चमके, बनके ओ ध्रुव तारा.......2
पल विच ही जल थल कर देवे, जे कोई अजमावे
सेवक होवे सोई........

भागां वाला सेवक ओ, जो गुरू चरणां विच रहंदा,
अपने सतगुरू कोलों जो, इक पल वी दूर ना रहंदा.......2
जिवें गुरू अजायब दी महिमा, साधु राम है गावे
सेवक होवे सोई........

असीं कुझ होर ना मंगदे जी

सन्त साधुराम

असीं कुझ होर ना मंगदे जी, गुरूजी तेरे दर्शन दी लोड़
तेरा दित्ता सब कुझ कोले, ना कोई सानूं थोड़
असीं कुझ होर ना मंगदे जी.........

की करने ए महल मुनारे, इक दिन जो ढह जान सारे.....2
ना चाहीदा सोना–चांदी, ना मंगदे लख करोड़
असीं कुझ होर ना मंगदे जी.........

सतगुरू ना असीं मंगदे दातां, मिलीयां नाम दीयां सुगातां.....2
दर्शन कर रूह शीतल होवे ना कोई सानूं होड़
असीं कुझ होर ना मंगदे जी.........

दूरों–दूरों सगतां आईयां, सबने दर्शन दी आसां लाईयां.....2
गुरू अजायब जी साधुराम दी, बिनती है हथ जोड़
असीं कुझ होर ना मंगदे जी.........

तूं सुख वेले शुकराणा कर

सन्त साधुराम

तूं सुख वेले शुकराणा कर, ते दुख वेले अरदास
सत्गुरु तां बड़ा दयालु है, सब कारज करदा रास
तूं सुख वेले शुकराणा कर.........

पीड़ पवे जद सेवक ते, ओ पैर जुत्ती ना पावे,
हर थां होवे आप सहाई, पल वी देर ना लावे.......2
गुरू नूं अपने सेवक होंदे, सब तों ज्यादा खास
तूं सुख वेले शुकराणा कर.........

अटल भरोसा धन्ने कीता, पत्थर चों रब्ब पाया,
ज्यों प्रहलाद लई तत्ते थम ते, कीड़ी बणके आया.......2
अपने सेवक दी आप ही राखे, कदे ना तोड़े आस
तूं सुख वेले शुकराणा कर.........

भगती दा फल गुरू अजायब जी, झोली दे विच पाया,
ऐसे लई साधु राम दासां दा दास कहाया.......2
तैनूं वी मिल जावेगा, तूं रख पक्का विश्वास
तूं सुख वेले शुकराणा कर.........

सब जूनां दा तू ही ऐं सरदार बंदया

सन्त साधुराम

सब जूनां दा तूं ही ऐं सरदार बंदया
तेरा हर कोई करे सतकार बंदया
सब जूनां दा तूं ही ऐं.........

सब तों ही चंगा सब गुरूआं ने दसया,
ऐवें कातों विषयां विकारां दे विच फसया.......2
कड्ड अन्दर जो तेरे अंहकार बंदया
सब जूनां दा तूं ही ऐं.........

जिनां पिछे पाप दी कमाई फिरें करदा,
ऐत्थे कोई, किसे दा नी लेखा–जोखा भरदा.......2
घरों ओना ने ही कडणा ए बाहर बंदया
सब जूनां दा तूं ही ऐं.........

छड्ड दे तूं दुखीयां गरीबां नू सतौंणा ओए,
इक दिन लेखा तैंनूं पउगा चुकौणा ओए.......2
फेर किसे नई लैणी तेरी सार बंदया
सब जूनां दा तूं ही ऐं.........

सतगुरू अजायब जी दा सेवक तूं बण जा
झूठे संसार भव सागर तों तरजा.......2
जिन्हें साधुराम नूं लाया वेख पार बंदया
सब जूनां दा तूं ही ऐं.........

सिमरन भजन करावे मुक्ति

सन्त साधुराम

सिमरन भजन करावे मुक्ति, सतगुरू दस्सी ऐहो युक्ति
भव सागर तों पार उतारे, बस इको मालिक दी भक्ति
सिमरन भजन करावे मुक्ति...........

इक मन, इक चित होके करिए बस गुरू दा ध्यान
सतगुरू कोलों मिलया है, ए सानू वरदान.........2
आपने बच्चयां ते रखदा है, मेहर भरी दृष्टि
सिमरन भजन करावे मुक्ति..........

दुःख कलेश ए सिमरन मिटावे
मैला मन निर्मल हो जावे.........2
सब गुरूआं ने दस्सी ऐ बात, सच्चे नाम विच है, ऐनी शक्ति
सिमरन भजन करावे मुक्ति............

साधुराम ने पूर्ण गुरू अजायब दा नाम ध्याया,
ओनूं अपने हिरदे विच बसाया.........2
साजी है उस मालिक ने ही ए सारी सृष्टि
सिमरन भजन करावे मुक्ति..........

मैनूं नाम दे रंग विच रंग साईयां

सन्त साधुराम

मैनूं नाम दे रंग विच रंग साईयां......2
ऐही मंगदा तैत्थों मंग साईयां......2
मैनूं नाम दे रंग............

पक्का–गूढ़ा रंग चड़ादे, नाम जपण दा ढंग सिखादे......2
मैं होजां मस्त मलंग साईयां
मैनूं नाम दे रंग............

ऐसा नाम दे रंग विच रच्चां, पैरीं घुंघरू बनके नच्चां......2
भुल जा लोकां दा संग साईयां
मैनूं नाम दे रंग............

गुरू अजायब जी चढ़ जाए नाम दी मस्ती,
साधुराम कहे मिट जाए मेरी हस्ती......2
जेहड़ा वेखे रह जाए दंग साईयां
मैनूं नाम दे रंग............

पहलां आप बनावें फेर आप ही तूं ढावें

सन्त साधुराम

पहलां आप बणावें, फेर आप ही तूं ढावें
पहलां आप भेजदा एं, फेर आप ही लै जावें
माया तेरी अपरम्पार मालका, पाया ना किसेने तेरा भेद मालका

कोई है अमीर ऐत्थे कोई तां गरीब है,
दाता तूं सब नूं दित्ता, आपो–आपणा नसीब है.........2
सबदा है तूं ही पालन हार मालका
पाया ना किसेने तेरा......

तेरा ही बणाया बंदा तैनूं भुल जांदा ए,
झूठे संसार विच आके रूल जांदा ए.........2
खांदा ए जमा दी फेर मार मालका
पाया ना किसेने तेरा......

कोई ऐवें ऐत्थे ओंदा है ते कोई एत्थों जांदा ए,
कोई करे माल चार गुणा कोई मूल वी गवांदा है.........2
रचया केहो जहया संसार मालका
पाया ना किसेने तेरा......

सावन बन आया कदे बण आया किरपाल तूं,
कदे रब्ब अजायब जी बण, करे सब नू निहाल तूं.........2
साधुराम तेत्थों बलिहार मालका
पाया ना किसेने तेरा......

जो जन गुरू की शरणी लागे

सन्त साधुराम

जो जन गुरू की शरणी लागे, भाग उन्हीं के जागे.....2
गुरू की सार ना जानी जिसने, वो जन रहें अभागे
जो जन गुरू की...........

तन मन जिसने अर्पण कीना, सतगुरू उनको सब कुछ दीना.....2
काम, क्रोध, मोह, लोभ, अहंकार सारे जिसने त्यागे
जो जन गुरू की..........

जो जन हर पल सिमरन करते, उनके सब दुःख सतगुरू हरते.....2
वो जन गुरू की सत्संग में है, बैठे सबसे आगे
जो जन गुरू की..........

अजायब जी की सुन रे वाणी, भटक रहा है क्यों रे प्राणी.....2
कहे साधुराम, जिनका रक्षक है, मेरा सतगुरू
उनको ताती वाओ ना लागे
जो जन गुरू की..........

जे कृपा हो जाये सतगुरू दी

सन्त साधुराम

जे कृपा हो जाये सतगुरू दी, डुबदे पत्थर वी तर जान्दे ने
जेहड़े उलझे मसले मुद्‌दतां दे, इक पल विच ही हल हो जान्दे ने
जे कृपा हो जाये...........

सतगुरू सब अन्तरयामी ए, ओदा कण कण दे विच वास ए
जो आके चरणी लग जावे, ओ जांदा नहीं निराश ए
जद नजर मेहर दी हो जावे, तां झोली विच सुख पै जान्दे ने
जे कृपा हो जाये...........

की सोच विचारां करदां ए, क्यों नरकां दे दुःख भरदां ए
तेरा आणा जाणा मुक जावे, कदे जमदा एं कदे मरदा एं
जो गुरूआं दे लड़ लग जान्दे, इस भवसागर तों तर जान्दे ने
जे कृपा हो जाये..........

गुरू अजायब जी ए वचन सुणांदे, सब जीवां नूं समझौंदे ने
अनमोल मनुख दा जीवन है, ऐसे लई नाम जपौन्दे ने
साधुराम जो सिमरन करण, सिध्धे सचखण्ड दे विच जान्दे ने
जे कृपा हो जाये..........

12

असीं उठदे–बहंदे हर वेले

सन्त साधुराम

असीं उठदे–बहंदे हर वेले गुरू जी तेरा ही यश गौणा ए
मेरे वरगे कमले रमले नू अजायब जी गल नाल लौणा ए
असीं उठदे बहंदे हर वेले.......

साईयां तूं मिलया ता रब्ब मिलया,
सानू बिन मंगया ही सब मिलया......2
रखीं मेहर सदा ही साड्डे ते, तैनूं रब्ब दे वांग ध्यौंणा ए
असीं उठदे बहंदे हर वेले........

तेरे नाम दी माला पा लई ए, नैणा विच जोत जगा लई ए,
असी अपणे मन मन्दिर दे विच सतगुरू मूरत तेरी ला लई ए.....2
की होर किसे तों लैना ए, तैनूं इक पल नहीं भुलाउणा ए
असीं उठदे बहंदे हर वेले.......

तेरा नाम अमृत दा सागर ए, मैं अजायब जी अमृत पीणा ए,
मन मैले नूं निर्मल करके, तेरे चरणां दे विच रहणा ए.....2
साधुराम ने नौकर बण साईयां, तेरे दर जीवन बिताउणा ए
असीं उठदे बहंदे हर वेले.......

गुरूजी तेरा प्यार सानूं मिलया

सन्त साधुराम

गुरूजी तेरा प्यार सानूं मिलया, असां दुनियां तों होर की लैणा.....2
करीं ना दूर चरणां तों, असां तेरे कोल ही रहणा
गुरूजी तेरा प्यार...........

करां तैनूं मैं अरजोई, तेरे बिन ना साडा कोई.....2
तूं सब कुछ जाणदा ए, असां तैनूं होर की कहणा
गुरूजी तेरा प्यार...........

सबब नाल मेल होया, बड़ा चिर हनेरा ढोया.....2
जिनां चिर स्वास ने सतगुरू, तेरी महिमा नूं ही गौणा
गुरूजी तेरा प्यार...........

अजायब जी आसरा तेरा, साधुराम सेवक है तेरा.....2
बड़े दुःख सह लए पहलां, तेरी दया नाल होर नहीं सहणा
गुरूजी तेरा प्यार...........

.

14

अमृत वेले उठ जाग प्यारयो

सन्त साधुराम

अमृत वेले उठ जाग प्यारयो
जपया करो गुरू दा नाम प्यारयो.....2
अमृत वेले उठ जाग.........

अन्त वेले, नाम ने ही होणा, फेर सहाई ए,
सारे दुखां दी इक, नाम ही दवाई ए.....2
गुरू कोलों पीके, अमृत जाम प्यारयो
जपया करो, गुरू दा, नाम प्यारयो
अमृत वेले उठ जाग.........

सेवकां दे सदा गुरू, अंग संग रहंदा ए,
आपे ही ओ सारे काज, रास कर देंदा ए.....2
सारे करे ओ ही, इन्तजाम प्यारयो
जपया करो, गुरू दा नाम, प्यारयो
अमृत वेले उठ जाग.........

विच दरगाह दे लाज, गुरू अजायब जी ने रखणी,
ओस बगैर बात, किसे नईयों पुछणी.....2
साधुराम करे ओनूं, प्रणाम प्यारयो
जपया करो, गुरू दा, नाम प्यारयो
अमृत वेले उठ जाग.........

ऐसा मिले गुरू से ज्ञान

सन्त साधुराम

ऐसा मिले गुरू से ज्ञान, रब्ब से मिलना हो आसान.....2
ऐसा मिले गुरू से ज्ञान.........

सही रास्ता गुरू दिखाए, कागां से जो हंस बनाए.....2
सतगुरू ऐसा गुणी निधान
ऐसा मिले गुरू से ज्ञान...........

जाऊं सतगुरू ते बलिहारी, महिमां उसकी सबसे न्यारी.....2
करे जीव का जो कल्याण
ऐसा मिले गुरू से ज्ञान.........

अजायब जी जैसा गुरू पाया, साधुराम को दास बनाया.....2
गुरू का रूतबा बड़ा महान
ऐसा मिले गुरू से ज्ञान.........

16

गुरू द्वार चलो गुरू द्वार चलो

सन्त साधुराम

गुरू द्वार चलो, गुरू द्वार चलो
सब ते करे ओ मेहरबानीयां.........2
तर गईयां ओस दरों लखां जिंदगानीयां
गुरू द्वार चलो...........

बड़ा दयालु सतगुरू साहिब, सबदे कष्ट मिटौउंदा ए,
दर ते जो वी आऊंदा सवाली, झोली खैर पौंदा ए........2
गुरू दे द्वार दीयां मौजां मस्तानीयां
तर गईयां ओस दरों, लखां जिंदगानीयां
गुरू द्वार चलो..........

बल्ख बुखारा, कारू वरगे, उस दर ने ही तारे ने,
मांवां नू जिवें पुत्तर प्यारे, रब्ब नू भगत प्यारे ने........2
युगां युगां तक रहण ओना, दीयां कहाणियां
तर गईयां ओस दरों, लखां जिंदगानीयां
गुरू द्वार चलो.........

मालक दे ही भेजे होए, सन्त जहां विच औंदे ने,
अजायब जी वरगे परम सन्त, बड़े मुश्किल नाल थ्योंदे ने......2
साधुराम करे बेनती, छड्डो काल दीयां गुलामियां
तर गईयां ओस दरों, लखां जिंदगानीयां
गुरू द्वार चलो...........

इक अरजोई मेरी सबनू ए प्यारियो

सन्त साधुराम

इक अरजोई मेरी, सबनू ए प्यारयो,
कदे वी ना मन विचों, नाम नूं विसारयो.........2
कदे वी ना मन विचों, गुरू नूं विसारयो
इक अरजोई मेरी...............

जिन्दगी विच बड़ीयां, मुसीबतां ने औंदीयां,
देके तसीहे, मन नूं डुलोंदीयां.......2
गुरू दे मुरीद, बण जायो प्यारयो
कदे वी ना मन विचों...........

तर गये ने कई, ऐत्थे कई तर जाणगे,
धूड़ गुरू चरणां दी, जो वी मत्थे लाणगे.......2
गुरू मरयादा विच, रहना सदा प्यारयो
कदे वी ना मन विचों...........

अजायब जी ने मेहर कीती, भर गईयां झोलीयां,
वड्डीयां ऐ दातां, नाम दियां अनमोलियां.......2
साधुराम वांगु, पल्ला भर लियो प्यारयो
कदे वी ना मन विचों...........

18

सतगुरू मेरे हर थां गावां मैं तेरी ही वडयाई

सन्त साधुराम

सतगुरू मेरे, हर थां गावां, मैं तेरी ही वडयाई
मैं की जाणा साहिब मैंनूं, ऐसी की तूं पढ़त पढ़ाई
सतगुरू मेरे हर थां...........

मैं निर्बल नूं, तै बल दीना,
हर मुशकिल नूं, हल कर दीना.........2
सतगुरू मेरे हर थां...........

मेरा मुझमें, कुछ भी नाहीं,
जो कुछ है, सो सतगुरू तेरा.......2
सतगुरू मेरे हर थां...........

तेरी ही बाणी अजायब जी बोलां,
जद तूं आखे तां मुंह खोला.........2
साधुराम ते दास है तेरा, मेरी तुझमें सुरत समाई.........2
सतगुरू मेरे हर थां...........

छड देश बेगाने नूं बन्दया

सन्त साधुराम

छड देश बेगाने नूं बन्दया, मुड़ चल वतन प्यारे
ए महल चूना दे जो ऐत्थे रह जाणे ने सारे
छड देश बेगाने नूं...........

ऐत्थे कुझ वी नहीं तेरा है, इक जोगी वाला फेरा है,
उस देश च चानण है, ऐस जग घूप हनेरा है.........2
आखर नूं छुप जांदे, अम्बरी चमकण जेड़े तारे
छड देश बेगाने नूं..........

भरमां विच फसया ए, मारदा फिरें नहले ते दहला,
इक दिन पछतावेंगा, जदों तेरे हत्थों खुंजुगा वेला.........2
बस सच्चा सतगुरू ही, सबनू लौंदा पार किनारे
छड देश बेगाने नूं..........

क्यों रूलदा फिरदा ए बंदया, मिलया तैनूं मौका ए,
जाग नींदो मनमुखा, अजायब जी देंदे तैनूं होका ने.........2
लग चरणी गुरूआं दे, बोल ए साधुराम उचारे
छड देश बेगाने नूं.........

जो मिला है तेरे द्वार से

सन्त साधुराम

जो मिला है तेरे द्वार से, कहीं और ना मिला
मुरझाया फूल हूं मैं तेरे दर पे आ खिला
जो मिला है तेरे द्वार से..........

मेरी उजड़ी बसाई बस्ती, वरना क्या थी मेरी हस्ती,
तेरे नाम में लहर है, इक अजब सी है मस्ती.........2
हौमे की आग में सतगुरू, अब तक था मैं जला
जो मिला है तेरे द्वार से..........

तुम ही रहीम हो राम हो, मेरे लिए भगवान हो,
लगते ही पांव श्रीराम के, जैसे तर गयी शिला.........2
जो शरण तेरी आ गया, क्यों ना उसका बिगड़ा काम हो
जो मिला है तेरे द्वार से...........

किस मुख से अजायब जी, मैं करूं शुक्रिया अदा,
हर वक्त चाहो तुम, हर जीव का भला.........2
साधुराम तों तेरे, चरणों की धूल है सदा
जो मिला है तेरे द्वार से..........

किनां शब्दां विच ब्यान करां

सन्त साधुराम

किनां शब्दां विच ब्यान करां, तारीफ गुरूजी तेरी
अवगुण हारे नूं लड़ लाया, तूं बदली किस्मत मेरी
किनां शब्दां विच...........

रूलदा रूलांदा मैं मर जांदा, दर दर फिरदा धक्के खांदा
नहीं सी मैंनूं किसे वी पुछणा, जे ना तूं चरणां नाल लाऊंदा
मेरा सब कुछ लुट के लै जांदी, काल दी ए हनेरी
किनां शब्दां विच..........

देण नहीं दे सकदा तेरा, तूं मालिक मैं नौकर तेरा
तूं ही चानण कित्ता साईयां, कर दित्ता ऐ दूर हनेरा
तैं दित्ती जो नाम दी माला, हरदम जावां फेरी
किनां शब्दां विच...........

अजायब जी तेरीयां तूं ही जाणे, असी हां तेरे बाल निमाणे
तैनूं ऐसी परख ए सतगुरू, चंगा मंदा आप पछाणे
तैत्थों बिन साधुराम सी, अज तक जिवें मिट्टी दी ढेरी
किनां शब्दां विच...........

22

सत्संग विच है ऐनी शक्ति

सन्त साधुराम

सत्संग विच है ऐनी शक्ति, सारे बुरे कर्म छुड़ा देवे,
जो वी भुल्या भटकया आ जावे, ओनू सिध्धे राहे पा देवे.........2
सत्संग विच है ऐनी...........

कम्म ओखा ए पर मुश्किल नहीं, थोड़ा मन नू समझा बंदया,
दो बेड़ीयां वाला नहीं तरदा, लै इक ते पैर टिका बंदया.........2
बड़ी महिमा इसदी न्यारी ए, सतगुरू नाल मेल करा देवे
सत्संग विच है ऐनी...........

नेकी दा रस्ता फड़ बन्दया,
ना काल दी अग विच सड़ बंदया.........2
जो सत्संग सुणदा ऐ, गुरू नीचो ऊंच बणा देवे
सत्संग विच है ऐनी...........

जे अजायब गुरू जी, तैनूं ना मिलदा,
साधुराम सी कोडी दे, मुल दा.........2
तेरी रक्षा सतगुरू आप करू, भव सागर पार लगा देवे
सत्संग विच है ऐनी...........

सतगुरू दी रहमत होई

सन्त साधुराम

सतगुरू दी रहमत होई, जागी ए किस्मत सोई,
डुबदे नूं लाया मैनूं पार, मिलया ए सतकरतार.........2
सतगुरू दी रहमत होइ...........

उसदे ही मैं गुण गावां, इक पल ना मनो भुलावां,
रहंदा ए अंग संग मेरे, बनके मेरा परछावां.........2
इक बस ओ ही निरंकार, मिलया ए सतकरतार
सतगुरू दी रहमत होइ...........

होवे आप सहाई, सेवक दे काज सवारे,
कर दे जद नजर दया दी, हो जांदे कम्म सारे.........2
भुलया फिरे मन विच लई हंकार,
जद तक नहीं मिलया सतकरतार
सतगुरू दी रहमत होइ...........

छडके सब दुनियादारी, संगता विच उमर गुजारी,
कर गया नजर शब्द मेहर दी,
गुरू ऐसा अजायब जी पर उपकारी.........2
साधुराम करे ओदा सतकार, मिलया है सतकरतार
सतगुरू दी रहमत होइ.............

24

जिनां प्रीत गुरू नाल पा लई ए

सन्त साधुराम

जिनां प्रीत गुरू नाल पा लई ए, ओनां समझो मंजिल पा लई ए......2
ते जिन्दगी सफल बणा लई ए
जिनां प्रीत गुरू नाल.........

जिनां हिरदे विच उसनूं वसाया ए, हर पल ही उसनूं ध्याया ए......2
बस उसदा ही गुण गाया ए, मन लगन नाम दी ला लईए
जिनां प्रीत गुरू नाल..........

मन सब विषयां तों मोड़ लिया, सतगुरू नाल नाता जोड़ लिया......2
झूठे जग तों नाता तोड़ लिया ते शरण गुरू दी पा लईए
जिनां प्रीत गुरू नाल.........

भवसागर तरया नहीं जाणा, सतगुरू ने माझी बन जाणा......2
लैके इक तेरा आसरा अजायब जी, साधुराम ने बाजी ला लईए
जिनां प्रीत गुरू नाल..........

रहमत तेरी हुई गुरूजी

सन्त साधुराम

रहमत तेरी हुई गुरूजी, सफल हुए सब काम
आठ पहर चौंसठ घड़ी मैं, सिमरू तेरो नाम, गुरूजी सिमरू तेरो नाम

इससे पहले खोया ही खोया, अब जा कर कुछ पाया,
अब तक कुछ मालूम नहीं था, जीना मुझे सिखाया.........2
मैं तों तेरी करूं बंदगी, हर पल सुबह शाम
आठ पहर चौंसठ घड़ी मैं, सिमरू तेरो नाम, गुरूजी सिमरू तेरो नाम

मेरे जीवन की है गुरूजी, तेरे हाथों डोर,
उसी दिशा मे मैं तों जाउं, तूं खींचे जिस ओर.........2
इससे पहले हर कोशिश थी, तेरे बिन नाकाम
आठ पहर चौंसठ घड़ी मैं, सिमरू तेरो नाम, गुरूजी सिमरू तेरो नाम

मुद्दत बाद मिला है अजायब जी, तेरा पावन द्वारा,
तूंने दिया सहारा मुझको, साधुराम था बेसहारा.........2
खाली झोली में सेवक के, खुशीयां दी तमाम
आठ पहर चौंसठ घड़ी मैं, सिमरू तेरो नाम, गुरूजी सिमरू तेरो नाम

पाके चोला इंसानी

सन्त साधुराम

पाके चोला इंसानी, कम्म करें तूं शैतानी
ना कोई वेखें चंगा मंदा, बंदे करें मनमानी
जदों पूछया धर्मराज, ना कोई जवाब आऊंदा ए
जा के विच दरगाहां दे, हिसाब हुंदा ए

होणियां उजागर जो, मारियां तैं ठग्गीयां,
किन्ने बेगुनाहां दियां, गर्दना तैं वड्डियां.........2
जदों पापां वाली खोल ओह, किताब देंदा ए
जा के विच दरगाहां दे......

घेरना जमां ने जदों, पोणी तैं दुहाई ए,
ओदों तेरे नाल होणा, किसे ना सहाई ए.........2
दुःख नरकां दा बड़ा, बेहिसाब हुंदा ए
जा के विच दरगाहां दे......

अजे वी है वेला साधुराम, लग जा अजायब चरणी,
विच दरगाहां ओसे ने, रक्षा है करनी.........2
जो भी मंगीए गुरू तों, आपे आप देंदा है
जा के विच दरगाहां दे......

ओए तूं करया कर बंदया

सन्त साधुराम

ओए तूं करया कर बंदया बंदगी रब्ब दी, बंदगी रब्ब दी
ऐत्थे सब नूं फिकर है अपनी ओहनूं फिकर है सब दी
ओए तूं करया कर बंदया..........

कच्चे ढाह ढाह, पक्के ऐत्थे पाई जाना ए,
ऐह मेरा ओह मेरा, आसां लाई जानां ऐ.........2
सब कुछ ऐत्थे रह जाना, ऐवें फिरदी दुनियां खपदी
ओए तूं करया कर बंदया..........

आत्मा विच परमात्मा है, वसदा वेख जरा तूं टोह के,
मन मैले नू निर्मल कर लै, नाम शब्द नाल धो के.........2
नरकां दे दुःख सहंदी है, जो जिंद नाम नहीं जपदी
ओए तूं करया कर बंदया..........

अजायब जी ऐह आखण बंदया, गुरू शरण विच आजा,
नाम शब्द दी करके कमाई, जीवन सफल बणाजा.........2
साधुराम कहे मोह माया छड, नहीं ते जून पावेंगा सप्प दी
ओए तूं करया कर बंदया..........

28

अजब अनोखी तेरी माया

सन्त साधुराम

अजब अनोखी तेरी माया वेख गुरूजी मन हर्षाया
जिधर वी तकदे नैण मेरे मैंनूं नजरीं आया तूं
तू ही तूं, तू ही तूं, तू ही तूं

उठदे बैहंदे शाम सवेरे तेरा ही नाम लैंदा हां मैं,
चड़ गई नाम खुमारी मैनूं हर पल खिलया रहंदा हां मैं.......2
अज्ज तों पहलां अनजान सी मैं हुण आई मैनूं सूं
तू ही तूं, तू ही तूं, तू ही तूं

चंगा हां या मंदा हां मैं, पर तेरा ही बंदा हां मैं,
तेरी बोली सतगुरू मेरे, सत्संग दे विच कंहदा हां मैं.......2
मेरे रोम–रोम विच वास तेरा जिवें कपड़ दे विच रूं
तू ही तूं, तू ही तूं, तू ही तूं

भवसागर चों पार लंघाई, डुबदी सी जद किश्ती मेरी,
अजायब जी ऐह तेरी कृपा वरना की सी हस्ती मेरी.....2
साधुराम की बोलण जोगा सी, तूं विच आप करे हूं हूं
तू ही तूं, तू ही तूं, तू ही तूं

पा लया गुरूजी तेरे नाम वाला चोला

सन्त साधुराम

मैं प्रीत गुरूजी जिस दिन तों, तेरे चरणां दे नाल लाई ए
जद वी तकदा तेरी सूरत नूं, मैनूं औंदी नजर खुदाई ए

पा लया गुरूजी, तेरे नाम वाला चोला,
जग लगे झूठा, तेरा नाम अनमोला.........2
पा लया गुरूजी, तेरे नाम वाला चोला......

तेरी कृपा नाल, काम ते क्रोध उत्ते पा लाई ए मैं जित जी,
लोभ मोह अहंकार विच्च हुण जांदा नहीयों चित जी.........2
हार गया मैत्थों, पंजा चोरा वाला टोला
पा लया गुरूजी, तेरे नाम वाला चोला.......

तेरे नाम दीयां रहन चढ़ियां खुमारियां,
बाकी गल्ला सब मैं तां दिल चों विसारियां.........2
दुखां ते कलेशां वाला, मुक गया रौला
पा लया गुरूजी, तेरे नाम वाला चोला........

स्वर्गां तों वद्ध, तेरा अजायब जी द्वारा ए,
साधुराम तेरे दर, करदा गुजारा ए........2
सच सच आखां, ऐदे विच ना कोई ओला
पा लया गुरूजी, तेरे नाम वाला चोला.......

30

गुरू जी मैं तेरे लड़ लगी हां

सन्त साधुराम

गुरू जी मैं तेरे लड़ लगी हां, मेरे तों गम परे रहंदे
मेरी आसां उम्मीदां दे, सदा बूट्टे हरे रहंदे
गुरू जी मैं तेरे लड़ लगी..........

कदे वी लोड़ नहीं पैंदी, मैनुं दर–दर तों मंगणे दी,
मैं अजायब गुरू दी मंगती हां, मेरे पल्ले भरे रहंदे.......2
गुरू जी मैं तेरे लड़ लगी..........

दुआवां रल करो सईयों, मेरा किते गुरू ना रूस जावे,
जिन्हां दे गुरू रूस जांदे, ओ जिओंदे जी मरे रहदें.......2
गुरू जी मैं तेरे लड़ लगी..........

अजायब जी मैनूं डर काहदा, साधुराम दे सिर हथ तेरा,
जेहड़े गुरूआं दे हो जांदे, ओ खुशी रब्ब दी लै लैंदे.......2
गुरू जी मैं तेरे लड़ लगी..........

गुरू बिना ज्ञान नहीं मिलता है बन्दे

सन्त साधुराम

गुरू गोबिन्द दोनों खड़े, तों किसके लागूं पांव,
गोबिन्द से गुरू बड़ा, जो असल दिखाये धाम
बिन गुरू के किसने भला, है ये गोबिन्द पाया
गुरू ने ही गोबिन्द से, है ये मिलन कराया

गुरू बिना ज्ञान नहीं, मिलता है बन्दे,
मुर्शिद नहीं, जिनका वो ज्ञानी भी अन्धे.........2
गुरू बिना ज्ञान नहीं...........

गुरू ही गोबिन्द से मिलन कराये,
भक्ति से मुक्ति का रस्ता दिखाये.........2
बाकी तों दुनिया के हैं, झूठे ये धन्धे
गुरू बिना ज्ञान नहीं...........

बिन गुरू के रहता है नगुरा,
जिन गुरू पाया हो गया सगुरा.........2
रस्ता कठिन बड़े सफर हैं लम्बे
गुरू बिना ज्ञान नहीं.......

साधुराम गुरू अजायब जी पाया,
जिसने हैं सोया भाग जगाया.........2
तूं भी बना ले गुरू, कर्म छोड़ मन्दे
गुरू बिना ज्ञान नहीं..........

जो भी दीन दुखिया ओदे दर उत्ते आवे

सन्त साधुराम

सावन बन सावन जी बरसें, कृपा करे कृपाल
अजब माया अजायब जी दी, होये साधुराम निहाल

जो भी दीन दुखिया, ओदे दर उत्ते आवे,
उसनूं गुरू जी मेरा, चरणां नाल लावे.........2
दुखड़े जो दुखिया, कोई आण के सुणावे
गुरू जी कृपा कर, उसदे दुखड़े मिटावे.........

मेहर करो ऐसी, कट, दियो ए चौरासी नूं,
आपे हत्थीं कड्ढ देवो, काल वाली फांसी नूं.........2
जन्म मरण दा ऐहे, चक्कर मिटावे
उसनूं गुरू जी तुसीं.........

जिसदा कोई ना ऐत्थे, उसदा सहारा ए,
हर वेले खुल्ला रहंदा, सतगुरू दा द्वारा ए.........2
मिट्टी तों ए सोना, मेरा सतगुरू बणावे
सब नूं गुरू जी तुसीं.........

सब तों निराला, गुरूजी तेरा सत्संग ए,
सुणदा है जेहड़ा ओनू, चड़ जावे रंग ए.........2
साधुराम आखे संगता विच, अजायब जी फेरा तुसीं पावो
सब नूं गुरू जी तुसीं........

मेरा तन मन चश्मा होवे करां दीदार मुरश्द दा

सन्त साधुराम

जिनिया लगीयां तन मेरे नूं, मेरा सच्चा सतगुरू जाणे
कामिल मुरशद्, मिल जावे तां, रूह पोहंचे असल ठिकाने

मेरा तन मन चश्मा होवे, करां दीदार मुरशद् दा,
ना मरके वी भुलांगा ऐ उपकार मुरशद् दा.......2
मेरा तन मन चश्मा होवे..........

उसनु वेख वेख नां रज्जां, दीद ओदी मैनु लखां हज्जां,
मै नीवां होके करना ऐ, सतकार मुरशद् दा......2
मेरा तन मन चश्मा होवे..........

जिस लई ऐ जिंद रोगी होई, मेरे दिल दियां जाणे सोई,
इस मर्ज दी दवा ना कोई, मैं बीमार मुरशद् दा 2
मेरा तन मन चश्मा होवे..........

अखियां विच ना नीन्दर ओंदी, याद गुरू दी बहुत सतोंदी,
ऐनां दो नैणा नूं अज वी है, इंतजार मुरशद् दा......2
मेरा तन मन चश्मा होवे..........

अन्त सहाई अजायब जी होना, साधुराम नूं ओने पार लंगोणा,
ना अखियों ओले होवे, ऐ दरबार मुरशद् दा......2
मेरा तन मन चश्मा होवे..........

जिस दे सदके तूं है बंदया

सन्त साधुराम

जिस दे सदके तूं है बंदया ऐस जगत विच आया
अंत सहाई जिसने होणा, क्यों तूं मनो भुलाया

रब्ब वसदा ऐ सबनी थाईं, सब दे सिर हथ रखदा सांई,
मै अपने मुहों कुछ नहीं कैहंदा, गुरूबाणी ऐ कहंदी.........2
कृपा मालक दी, हर जी उत्ते रहंदी
कृपा सतगुरू दी, हर जी उत्ते रहंदी

वस बंदे दे होवे तां, ना जीण किसे नूं देवे,
आपे ही रब्ब बण के बैह जाये, ते आप फैसले देवे.........2
पर जद तक ओ वसदा, सांई ना पार किसे दी पैंदी
कृपा मालक दी, हर जी उत्ते रहंदी
कृपा सतगुरू दी, हर जी उत्ते रहंदी

पत्थर विच जीवां नूं, जो आप देंदा, ऐ दाणा,
उसनु सब दा फिकर, है, रहंदा की राजा की राणा.........2
फरशों चुक के अरश, बिठावे जद नजर ओसदी पैंदी
कृपा मालक दी, हर जी उत्ते रहंदी
कृपा सतगुरू दी, हर जी उत्ते रहंदी

सारी संगत हथ जोड़ के, करदी है अरदासां,
सच्चे सतगुरू पूरीयां कीतीयां, अज जिनां दी आसां.........2
ऐसी कृपा कित्ती अजायब जी, सुख दी गंगा बैंदी
कृपा मालक दी हर जी उत्ते रहंदी
कृपा सतगुरू दी हर जी उत्ते रहंदी

रूलदे ही फिरदे सी ना कीते ढोई सी

सन्त साधुराम

रूलदे ही फिरदे सी, ना कीते ढोई सी
भरी इस दुनिया विच, ना साडा कोई सी
अज जा के मिलया सहारा
मल्लया जदों दा तेरा द्वारा
गुरूजी गुरूजी गुरूजी

सिर उत्ते हथ रख, प्यार ना जताया किसे,
रोंदया होयां नू सानूं, गल ना लाया किसे.........2
डुबयां नू मिलया किनारा
मल्लया जदों दा तेरा द्वारा
गुरूजी गुरूजी गुरूजी

वड्डीयां मुसीबतां सी, अज तक जरीयां,
हुण जां नसीब होईयां, सुखां दियां घड़ीयां.........2
भुल गया सानूं, दुख सारा
मल्लया जदों दा तेरा द्वारा
गुरूजी गुरूजी गुरूजी

साधुराम नूं तां तेरे नाम वाली ओट ए,
मिलया सब कुछ किसे गल्ल दी ना टोट ए.........2
अजायब जी कृपा तेरी अपार ए
मल्लया जदों दा तेरा द्वारा
गुरूजी गुरूजी गुरूजी

तेरी रहमतों ने गुरूजी

सन्त साधुराम

तेरी रहमतों ने गुरूजी, मेरा जीवन बना दिया,
मिट्टी को छू कर तूनें, सोना बना दिया.........2
तेरी रहमतों ने गुरूजी..........

जब–जब भी खाई ठोकरें, मैं गिरा जमीन पर,
देकर सहारा तूनें, मुझको उठा दिया.........2
तेरी रहमतों ने गुरूजी..........

कल तक ना कोई थी, मेरी पहचान जहान में,
इक आज शोहरतों का, सिर ताज रख दिया़.........2
तेरी रहमतों ने गुरूजी..........

जो दे ना सका कोई मुझे, अजायब जी वो तूंने दे दिया,
साधुराम पे दया करके, चरणों में लगा लिया.........2
तेरी रहमतों ने गुरूजी..........

छम छम रोंदे नैण मेरे

सन्त साधुराम

छम छम रोंदे, नैण मेरे, जदों याद गुरूजी तेरी आवे
मुद्दतां होइयां, दीद ना होई, रूह साईयां कुरलावे
छम छम रोंदे, नैण मेरे, जदों याद गुरूजी तेरी आवे

तेरे बिन ना कोई दींदा, किसनू दुःख सुणावां,
तेरे दर नू छडके सतगुरू, मै केहड़े दर जावां........2
तिप–तिप हर पल, वरसण अखीयां, केहड़ा आण बरावे
छम छम रोंदे, नैण मेरे.........

खोरै कद तुसी, फेरा पाउणा, लंगीयां बहुत तरीकां,
नैणा दे दरवाजे खुल्ले, तेरीयां रहण उडीकां.........2
बूहे दे वल, भज–भज जावां, बिड़क कोई जद आवे
छम छम रोंदे, नैण मेरे..........

तेरे बाजों कक्खां वरगा, ना कोई कीमत मेरी,
बंजर धरती वांगू सतगुरू, कदर ना कोई मेरी.........2
तैनूं अजायब जी, दिल दे दुखड़े, साधुराम सुणावे
छम छम रोंदे, नैण मेरे.........

सतगुरू आखे सोई करीए

सन्त साधुराम

सतगुरू आखे सोई करीए लोक लाज तों कदे ना डरीए
इक दिन ते मरना ही पैणा क्यों ना फिर जिउंदे ही मरीए

जिन्ना मनया, गुरू दा कहणा, ओ सुख पौंदे ने.........2
जो अमृत वेले उठके नाम ध्याउंदे ने
जिन्ना मनया, गुरू दा..........

सुख वेले शुकराना करदा, दुख वेले अरदासां,
सतगुरू आपे पूरीयां करदा, हुंदीया ने जो आसां.........2
जो मन लोभी दे, लालच, विच ना आउंदे ने
जिन्ना मनया, गुरू दा..........

ऐ दुनियां तां है रंग बिरंगी, कुझ मंदी, ते कुझ है चंगी,
सुख वेले सब बणदे साथी, दुःख वेले ना कोई संगी.........2
जो हर वेले ही महिमा गुरू दी गौंदे ने
जिन्ना मनया, गुरू दा..........

सतगुरू अजायब जी दा मनके कहणा,
सिखया उसदी रजा च रहणा,
सतगुरू ही सच्चा साथी ए, होर किसे तों दस की लैणा.........2
साधुराम जो रखण भरोसा, ओही पौंदे ने
जिन्ना मनया गुरू दा..........

गीत गुरू दे गा लयो जी

सन्त साधुराम

गीत गुरू दे गा लयो जी, जीवन सफल बना लयो जी
गीत गुरू दे गा लयो जी........

बनके गुरू विचोला संगतो, रब्ब नाल मेल करांउदा,
सारे मंदे कम छुड़ाके, सिध्दे रस्ते पौदां.........2
गुरू दे दस्से रस्ते, मंजिल नूं तुसीं पा लयो जी
गीत गुरू दे गा लयो जी..........

अन्तरयामी आप स्वामी, घट–घट दी ओ जाणे,
हर इक चंगे–मंदे नूं ओ, सतगुरू आप पछाणें.........2
दुनियां वल्लों ध्यान हटा के, गुरू चरणां विच ला लयो जी
गीत गुरू दे गा लयो जी..........

आप बनावें आपे ढावें, सतगुरू पुरख विधाता,
ऐस जगत विच सब तों वधके, गुरू सेवक जिहा नाता.........2
घेर–घार के मन अपणे नूं बंदगी, दे विच ला लयो जी
गीत गुरू दे गा लयो जी..........

सचखण्ड विचों चलके अजायब जी, संगता दे विच आया,
लाधुराम नूं दे सरनावां, साधुराम बनाया.........2
ऐहो जहे पूरे सतगुरू दी महिमा, रल मिल गा लयो जी
गीत गुरू दे गा लयो जी..........

यादां तेरीयां गुरू जी मैंनूं आईयां

सन्त साधुराम

यादां तेरीयां, गुरू जी, मैंनूं आईयां, अखीयां चों मींह, वरदा.........2
रूह रो–रो के पाउंदी ए, दुहाईयां अखीयां चों मींह, वरदा
यादां तेरीयां, गुरू जी..........

जिंदड़ी ए मेरी बस, तेरी ही मुरीद ए,
पता नईयों कदों मैंनूं, होणी तेरी दीद ए.........2
मैं कोई पेश ना करदा, सफाईयां
अखीयां चों मींह, वरदा
यादां तेरीयां गुरू जी..........

छड्ड के गरीब नूं तूं, दूर किते जावीं ना,
पल दा बिछोड़ा सतगुरू, मैथों पावी ना.........2
तैनूं दिल दीयां, हाल सुणाईयां
अखीयां चों मींह, वरदा
यादां तेरीयां, गुरू जी..........

कित्थे जाके बैह गया, अजायब जी प्यारया,
साधुराम कोलों जावे ना, इक पल गुजारया.........2
हथ जोड़ तैनूं, अरजां लाईयां
अखीयां चों मींह, वरदा
यादां तेरीयां, गुरू जी..........

तन दे मकान विच बैठा भगवान

सन्त साधुराम

तन दे मकान विच, बैठा भगवान
कर लै तूं बंदया, ओए ओस दी पछाण
तन दे मकान विच..........

मन्दरां–मसीतां विचों, रब्ब नईयों मिलदा,
अन्दरे चिराग रखीं, जोत वाला जगदा.........2
हुंदी तलवार, जिवें विच ए मयान
तन दे मकान विच..........

जिसने वी पाया रब्ब, अन्दरों ही पाया ए,
लभया बथेरयां ने, कितों ना थ्याया ए.........2
केहड़ी गल्लों होया ए, तूं ऐना परेशान
तन दे मकान विच..........

गुरू वाला बन, कोई पूरा गुरू लब लै,
लबया अजायब जिवें, साधुराम तूं वी लब लै.........2
हर वेले ओस दा ही, करे गुणगान
तन दे मकान विच..........

42

ना लख चौरासी भोगां मैं

सन्त साधुराम

ना लख चौरासी भोगां मैं, मेरा औणा जाणा मुक जावे
इक नजर मेहर दी कर सतगुरू, मेरी रूह सिध्धी सचखण्ड जावे

रूह बिछड़ी मुद्दतां तों, मैंनूं चरणी ला साईयां,
मैंनूं कोजी कमली नूं, कदे कोल बिठा साईयां.........2
रूह बिछड़ी मुद्दतां तों..........

तैनूं हथ जोड़ साईयां वे, मैं अरजां लाउनीयां,
बार–बार जन्म लैके, बड़े दुःख उठाउनीयां.........2
खैरां मंगदी तेरे तों, कुझ झोली पा साईयां
रूह बिछड़ी मुद्दतां तों..........

मत्थों ना नरकां दे, ए तसीहे झल होणे,
मै किवें सहारांगी जो, सीने सल होणे.........2
बड़ा वक्त कीमती ए, ना देरी ला साईयां
रूह बिछड़ी मुद्दतां तों..........

मन्जूर करीं दाता, साधुराम दी अर्जी ए,
मै जिन्द निमाणी हां, अजायब जी तेरी मर्जी ए.........2
बड़े चिर दी रूलदी हां, ना होर रूला साईयां
रूह बिछड़ी मुद्दतां तों...........

रहां चरणा तों दूर ए नी मैनूं मंजूर गुरूजी

सन्त साधुराम

रहां चरणां तों दूर, ए नी मैंनूं मंजूर गुरूजी,
जे कोई होया मैत्थों, बख्शों कसूर गुरूजी.........2
मैंनूं चरणां तों करयो, ना दूर गुरूजी
रहां चरणां तों दूर........

मसां–मसां सेवा दा, है मौका मैंनूं मिलया,
लबदा जेहड़ा मैं, प्यार मैंनूं मिलया.........2
कदे भुलके वी आवे, ना गरूर गुरूजी
मैंनूं चरणां तों करयो, ना दूर गुरूजी
रहां चरणां तों दूर........

पाणी बिना मछली दा, जीणा हुंदा की ए,
तेरे बाजों साईयां किते, लगदा ना जी ए.........2
ऐना दिल हथों होईयां, मजबूर गुरूजी
मैंनूं चरणां तों करयो, ना दूर गुरूजी
रहां चरणां तों दूर........

हथ जोड़ गुरू अजायब जी, ए विनती मैं करदा,
साधुराम दा ना, तेरे बिना पल सरदा.........2
तेरे नाम वाला रहंदा, ए सरूर गुरूजी
मैंनूं चरणां तों करयो, ना दूर गुरूजी
रहां चरणां तों दूर........

गुण गावां गुरू जी तेरे

सन्त साधुराम

गुण गावां, गुरू जी तेरे, गुण गावां.........2
तपदी रूह ते तूंही सतगुरू कित्तीयां ठंडीया छावां.........2
गुण गावां, गुरू जी..........

जे ना मैंनूं, गल लौंदा तां, मैं रूल जाणा सी.........2
इक मिट्टी दी, ढेरी वांगू, मैं खुर जाणा सी.........2
तेरे ए उपकार मालका, कदे वी ना भुलावां
गुण गावां, गुरू जी..........

छडके कित्थे, जावां सतगुरू, चौखट तेरी नूं.........2
मेरे सिर तों, डकया झुलदी, काल हनेरी नूं.........2
अगं–संग रहना, नाल मेरे, तूं बन मेरा परछावां
गुण गावां, गुरू जी..........

मन के बैठा, सतगुरू, तेरे मिठे भाणे नूं.........2
कक्खों–लख, बणाया सतगुरू, साधुराम निमाणे नूं........2
अपने चरणी, दित्तीयां अजायब जी, तै गरीब नूं थावां
गुण गावां, गुरू जी..........

पलकां बंद कर लैंदा हां

सन्त साधुराम

पलकां बंद कर, लैंदा हां, सतगुरू तेरा दीदार
रहमत ऐसी होई तेरी, दाता अपरम्पार
पलकां बंद कर, लैंदा हां..........

जद दी मैं तेरे नाल लाई, हर थां होवें आप सहाई.........2
रोम–रोम विच ऐसा वसया तूंहीं सतकरतार
पलकां बंद कर, लैंदा हां..........

सारे कम्म सवारें आप, तूं ही माई, तूं ही बाप.........2
तेरी प्रीत हैं, सच्ची सतगुरू, झूठा सब संसार
पलकां बंद कर, लैंदा हां..........

कम्म धन्धयां तों होके वेल्ला, सिमरां तेरा नाम सुहेला.........2
अमृत वेले उठके, तेरा करदा हां सतकार
पलकां बंद कर, लैंदा हां..........

चड़ गई नाम खुमारी मैंनूं, हिरदे विच वसाया तैंनूं........2
साधुराम तां जावे अजायब जी, तेरे तों बलिहार
पलकां बंद कर लैंदा हां..........

वारे जावां वारे जावां

सन्त साधुराम

वारे जावां, वारे जावां, वारे जावां,
सतगुरू अजायब जी दे, वारे जावां.........2
कीत्ता ए उपकार गुरू ने, उसदा शुक्र मनावां
वारे जावां, वारे जावां........

महिमा उसदी गौणा संगतो, मेरे बस दा रोग नहीं,
ऐ है सतगुरू दी बख्शीश, मै तां किसे वी योग नहीं.........2
जो वी आप बुलावे, मैं बस ओ ही बोली जावां
वारे जावां, वारे जावां........

दया मेहर है कीती जो, चरणां नाल लाया ए,
कन्नो फड़ के दास नूं, अपणा नाम जपाया ए.........2
नाले लाड लड़ाया ओवें, जिवें लडाउंदीयां मांवां
वारे जावां, वारे जावां........

इक तिनके नूं चुक के, अजायब जी अर्श बिठाया ए,
कक्खां दी सी जिंदड़ी, लखां दा मुल पाया ए.........2
लाधुराम तों बदल के, रखया साधुराम सिरनावां
वारे जावां, वारे जावां.......

बाबा सावन सिंह जी महाराज

सन्त किरपाल सिंह जी महाराज

जागो होया अमृत वेला

सन्त साधुराम

जागो होया अमृत वेला,
है सतगुरू दा नाम सुहेला

हर का नाम जपो सुख पावो.........2
जन्म अमोलक मिलया हीरा, ना मिट्टी विच रूलावो
हर का नाम जपो सुख पावो........

पूरे गुरू की शरणी जाईए, पूरा पाईए पूरा ध्याईए.........2
पूरे के गुण गावो
हर का नाम जपो सुख पावो.........

श्वास–श्वास सिमरो गोविन्द, मन मैले की उतरे चिंत.........2
हिरदे विच वसावो
हर का नाम जपो सुख पावो.........

गुरू अजायब जी ऐसा, आख सुणाया, साधुराम जिवें, नाम ध्याया.........2
शब्द में जीवित ही मर जावो
हर का नाम जपो सुख पावो.........

48

सतगुरू दा दरबार

सन्त साधुराम

सतगुरू दा दरबार, ते सब तों सोहणा ए
ऐहो जेहा दर ना कोई होणा ए
सतगुरू दा दरबार..........

भुलयां नू जो सिध्दे, रस्ते पौंदा ए
विछड़ी रूह नूं मालक, नाल मिलौंदा ए.........2
आवो जिहने जीवन, सफल बणौणा ए
सतगुरू दा दरबार..........

गलीयां दे कूड़े नूं, लेखे लाया ए
मै नीवें नू उच्चयां, ने गल लाया ए.........2
ऐहो जेहा सतगुरू, नहीं थिओणा ए
सतगुरू दा दरबार..........

नजर मेहर दी अजायब जी, ने है कर दित्ती
साधुराम दी खाली झोली, है भर दित्ती.........2
दित्तीयां ने जो दातां, नहीयों खोणा ए
सतगुरू दा दरबार..........

नैणा दी जोत जगा बंदया

सन्त साधुराम

नैणा दी जोत जगा बंदया, सतगुरू दा ध्यान लगा बंदया.........2
सत्संग सुरमे दी शीशी ए, लै सोच सलाई पा बंदया
नैणा दी जोत जगा बंदया.......

अखीयां हुंदयां वी अन्ना ए, तैनूं नजरी कुझ वी ना आवे.....2
जिहनूं बाहर लबदा फिरदा ए, जे अन्दर तैनूं मिल जावे.........2
क्यों दर–दर भटकदा फिरदा ए, तेरे अन्दर रहया समा बंदया
नैणा दी जोत जगा बंदया.......

तेरी वेखण वाली अख नहीं, ओ सतगुरू, तैत्थों वख नहीं.........2
हौमे दा भरया फिरदा ए, लै मैं नू मार मुका बंदया
नैणा दी जोत, जगा बंदया.......

जे सतगुरू अजायब जी पौंणा ए,
पैणा हर पल नाम, ध्यौंणा ए.........2
तूं वी ओवें गुण गाया कर, जिवें साधुराम रिहा गा बंदया
नैणा दी जोत जगा बंदया.......

वैद गुरू गोविंदा

सन्त साधुराम

वैद गुरू गोविंदा ऐसे देवे सबे दुःख निवार
सब दुःखां तों देके मुक्ति करे भवसागर तों पार
सब दुःखां दी नाम दवाई, सतगुरू देवे लै लो भाई......2
सब दुःखां तों देके मुक्ति करे भवसागर तों पार

जन्म जन्म दे रोगी जेहड़े, आजो सब सतगुरू दे नेड़े......2
नाड़ी नबज ना देखे कोई
सब दुःखां तों देके मुक्ति करे भवसागर तों पार

बार–बार नहीं मिलणा मौका, सतगुरू देवे जाई होका......2
ना कोई लगदा पैसा पाई
सब दुःखां तों देके मुक्ति करे भवसागर तों पार

वैद अजायब जी वरगा पाया, साधुराम दी रोगी काया......2
कंचन करती राई–राई
सब दुःखां तों देके मुक्ति करे भवसागर तों पार

दर्शन गुरां दा करके

सन्त साधुराम

दर्शन गुरां दा करके ए रूह शीतल हो जांदी
जे ना सतगुरू मिलदा तां ए रूलदी मर जांदी
दर्शन गुरां दा करके ए रूह शीतल हो जांदी

दुःखां करे चलाणे, सुखां फेरे पाए ने,
मैं ततड़ी दे वेहड़े चरण गुरां ने पाऐ ने.........2
नाम दी दौलत मिल गयी, करने की सोने चांदी
दर्शन गुरां दा करके ए.........

नरकां दी अग्ग दे विच, मैंनूं सड़ना पैणा सी,
पंज चोरां दे टोले दे, नाल लड़ना पैणा सी.........2
जे किरपा ना हुंदी, तां मैं रोंदी मर जांदी
दर्शन गुरां दा करके, ए.........

गुरू अजायब जी दया है कीती, खाली झोली भर गई ए,
साधुराम दी डुबदी, बेड़ी भवसागर तर गई ए.........2
जे फरियाद ना सुणदा, दर–दर रूलदी मर जांदी
दर्शन गुरां दा करके, ए.........

मेरा सब कुछ तूंहीं सतगुरू

सन्त साधुराम

मेरा सब कुछ तूंहीं सतगुरू, मेरा होर ना कोई,
सदा रखीं अपने चरणां विच, होर किते ना ढोई.........2

तेरी रहमत सदके होवे, सतगुरू मेरा गुजारा.........2
तेरे बिना ना अपना कोई, तूंहीं मेरा सहारा.........2
दिल दी हालत दस्सी तैनूं, ना कोई गल लकोई
मेरा सब कुछ तूंहीं सतगुरू.........

ज्यों पाणी बिन मछली तड़फे, ओही हालत मेरी.........2
मेरे कोल कुझ नहीं मेरा, जिंद अमानत तेरी.........2
तेरी याद च अखीयां विचों, हर पल बारिश होई
मेरा सब कुछ तूंहीं सतगुरू........

तेरी ओट आसरा तेरा, गुरू अजायब प्यारे.........2
बाकी रिश्ते कखां वरगे, साधुराम लई सारे.........2
कदे ना तैत्थों बेमुख होवां, बस ऐहो अरजोई
मेरा सब कुछ तूंहीं सतगुरू.........

करदा सब ते दया है दयालु गुरू

सन्त साधुराम

करदा सब ते दया है, दयालु गुरू
मंगके वेखो ते सही, सब दी झोली भरू
करदा सब ते दया है दयालु गुरू......

मंगो तां दया ही मंगो, सब कुछ ही मिल जाणा,
दुख होवे जां सुख होवे, मन्निए सतगुरू दा भाणा.........2
लगके चरणी करो, नवीं जिंदगी शुरू
करदा सब ते दया है दयालु गुरू......

दातां तो की लैणा ए, जद दाता होवे कोले,
पूरा सतगुरू मिलया फिर, क्यों कोई जिंदगी रोले.........2
शरणी जो वी पवे, ओ कदे ना डरू
करदा सब ते दया है दयालु गुरू......

नाम दा बेड़ा लैके गुरू अजायब, सचखण्ड विचों आया,
ना लगणा कोई पैसा–पाई, साधुराम ने हौका लाया.........2
जो वी चड़ जावेगा, ओ भवसागर तरू
करदा सब ते दया है दयालु गुरू......

आजा वे अजायब जी

सन्त साधुराम

आजा वे अजायब जी, जग देया वालिया,
तेरे बिना कोन साड्डी, करे रख वालिया.......2
आजा वे अजायब जी........

तेरे लाए बूटे, तेरे बिना जाण सुकदे,
दिन रात जाण, तेरे फिकरां च मुकदे.........2
पाणी पादे आके तूंहीं, बाग देया मालीया
आजा वे अजायब जी........

लंगीया तरीकां कई, लंग गऐ ने साल वे,
अपणयां बच्चया नूं, आके संभाल वे.........2
काहतों ऐनी दूर तुसीं, डेरा जाके ला लया
आजा वे अजायब जी.........

तेरा ए विछोड़ा साथों, जांदा नईयों झलया,
रो रो के साधुराम हाल की बना लिया.........2
तेरे बाजों कोन सानू, देवेगा तसल्लियां
आजा वे अजायब जी.........

तेरे हुक्म दी करां उडीक

सन्त साधुराम

तेरे हुक्म दी करां उडीक, सतगुरू हुक्म करो
दर झोली आण फलाई, सतगुरू दया करो
तेरे हुक्म दी करां उडीक..........

गूंगा सी तैं आप बुलाया,
इक पापी नू चरणी लाया.........2
इस पापी अपराधी दे, सतगुरू पाप हरो
तेरे हुक्म दी करां उडीक.........

तेरे दासां दा दास कहावां,
महिमा तेरी हर थां गावां.........2
बिन तेरे मैं फिरां अधूरा, पूरा आप करो
तेरे हुक्म दी करां उडीक..........

गुरू अजायब जी तूं हीं बख्शणहारा,
साधुराम दा तूंही सहारा.........2
इस बच्चे दे सिर ते, सतगुरू मेहर दा हथ धरो
तेरे हुक्म दी करां उडीक...........

आवीं सतगुरू प्यारया मैं तकदी राहां

सन्त साधुराम

आवीं सतगुरू प्यारया, मैं तकदी राहां,
आवी गुरू अजायब जी, मैं तकदी राहां.........2
तेरे दर नू छडके, होर कित्थे जावां
आवीं सतगुरू प्यारया, मैं तकदी राहां.......

हर दम खुल्ले रखदी, नैणा दे बूहे.........2
तेरी याद च तड़पदी ए, मेरी रूह ए.........2
तपदी रूह ते कर दियो, आ ठंडीया छांवा
आवीं सतगुरू प्यारया, मैं तकदी राहां.......

मै तेरे चरणां दी रझ, तूं मेरा सांई.........2
नंगी सिर तों मै फिरां, सिर कज के जांई.........2
दुखड़ा सुण लयो आण के, जिवें सुणदीयां मांवा
आवीं सतगुरू प्यारया, मैं तकदी राहां........

बिनती गुरू अजायब जी, हुण देर ना लावीं.........2
बड़े चिरां दी विछड़ी, आ चरणी लावीं.........2
साधुराम दे दिल दियां, सुन लयो सदावां
आवीं सतगुरू प्यारया, मैं तकदी राहां.......

याद तेरी कीता बुरा हाल सोहणया

सन्त साधुराम

याद तेरी कीता, बुरा हाल सोहणया,
मिल जा अजायब, आके मन मोहणया.........2
याद तेरी कीता, बुरा हाल सोहणया.....

तेरे बिना कुझ मैंनूं, चंगा नईयों लगदा,
रहंदा ए चिराग तेरे प्यार वाला जगदा.........2
नाम दे के तार दियो, मैंनूं सोहणया
याद तेरी कीता, बुरा हाल सोहणया......

हर वेले तेरा ही, ख्याल मैंनूं रहंदा ए,
तेरा ही भुलेखा मैंनूं, चारे पासे पैदां ए.........2
लारयां च हुण ना वे, टाल सोहणया
याद तेरी कीता, बुरा हाल सोहणया......

फिकरां तेरे मैं गुरू, अजायब जावां मुकदा,
सुकयां रूखा दे वांगू, साधुराम सुकदा.......2
इक वारी ला लै, गल नाल सोहणया
याद तेरी कीता, बुरा हाल सोहणया......

58

करां अरजां ऐहो ही बार बार

सन्त साधुराम

करां अरजां ऐहो ही, बार बार,
मैंनूं रख लो गुरूजी, सेवादार.......2
करां अरजा ऐहो ही.........

संगत तेरी दे रहां, जोड़या नू झाड़दा,
तेरे दर रहां सदा, झाडू पोचा मारदा.........2
आई संगत दा, करां सतकार,
करां अरजा ऐहो ही..........

हथ जोड़ सबनूं ही, जी आया आखां जी,
नीवां बन रहां सदा, ना उच्चा कदे झाकां जी.........2
कर दयो तुसीं, ऐना उपकार,
करां अरजां ऐहो ही..........

संगत तेरी नू आप लंगर छकावां जी,
जूठे भांडे मांजां, सेवा लेखे विच लावो जी.........2
किते मेरा वी जे, हो जावे उद्धार,
करां अरजां ऐहो ही..........

सतगुरू अजायब जी नहीं, होर कुझ मगंदा,
रंग दयो चोला मेरा, नाम वाले रंग दा.........2
साधुराम तेरा, मंगदा दीदार,
करां अरजां ऐहो ही..........

फेरा पा जांवी सतगुरू प्रीतम प्यारे

सन्त साधुराम

फेरा पा जांवी, सतगुरू प्रीतम प्यारे,
दर्श विखा जावीं, गुरू अजायब प्यारे
फेरा पा जांवी..........

रो रो के मैं वाजां मारां,
कौण लवे तैत्थों बिन सारां.........2
झलक विखा जावीं, गुरू अजायब प्यारे
फेरा पा जांवी..........

कखां वांगू फिरदा रूलदा,
किते वी तेरा पता नहीं मिलदा.........2
हुण ना तड़फावीं गुरू अजायब प्यारे
फेरा पा जांवी...........

अपना नहीं कोई विच जमाने,
चारे पासे पैंदें ताने.........2
आस बना जांवी, सतगुरू अजायब प्यारे
फेरा पा जांवी..........

ऐ सारी दुनियां बेदर्दी
साधुराम दा तूं हीं हमदर्दी.........2
दर्द मिटा जावी, सतगुरू अजायब प्यारे
फेरा पा जांवी..........

सिर ते मौत खड़ी ए

सन्त साधुराम

सिर ते मौत खड़ी ऐ फिर वी, रब्ब ना याद करें
वेख जमां दे टोले नू हुण, काहतों दस डरें
सिर ते मौत खड़ी ऐ फिर वी, रब्ब ना याद करें

जे तूं नाम ध्याया हुंदा, हाल तेरा अज ए ना हुंदा.........2
अपनी करनी भरनी दा फल बंदया, आपे आप भरें
काहतों दस डरें...........

धीयां पुत्तरां दा मोह बंदया, तेरे अन्दर वसया.........2
ए मीठा सी, जहर जो तेरी, नस नस दे विच रचया
देही विच, जख्म हजारां, दुखड़े आप जरें
काहतों दस डरें...........

आप जिनां, ने वी मर जाणा, तैनूं किवें, बचावणगे.........2
जिनां पिछे सतगुरू नू भुलया, नाल तेरे ना जावणगे
साधुराम कहे, गुरू अजायब दा, क्यों ना ध्यान धरें
काहतों दस डरें...........

मन लै मना मेरी गल

सन्त साधुराम

मन लै मना मेरी गल वे, चल सत्संग चलीए
सत्संगीया दे संग वे, चल सत्संग चलीए
मन लै मना मेरी गल वे.........

आप तूं भटकें, मैंनूं भटकावें, मैत्थों मन्दे कम करावें.........2
दोवें चोला रंग लईए वे, चल सत्संग चलीए
मन लै मना मेरी गल वे..........

सत्संग सुनके तर जांवेगा, गुरू दर्शन कर ठर जांवेगा.........2
मैं वी अपने घर जांवागी, तूं वी अपने घर जांवेगा
चढ़ जाये गुरां दा रंगवे, चल सत्संग चलीए
मन लै मना मेरी गल वे..........

लग जाईए गुरू अजायब दे चरणी,
साधुराम वांगू होवे कोई डर नहीं.........2
नाम दा अमृत पीके, दोवें उडीए जिवें पतंग वे
मन लै मना मेरी गल वे..........

अमृत वेले जो सेवक

सन्त साधुराम

अमृत वेले जो सेवक, याद गुरू नूं करदा
दया मेहर नाल खाली झोली, ओहदी सत्गुरू संगतो भरदा
अमृत वेले जो सेवक..........

दसवें द्वार च जाके ध्यान लगावो जी,
दुनियां दे विच फैलया ख्याल हटावो जी.........2
भुल्ले होए जीव नूं दसदा, पता ओ अपने घर दा
अमृत वेले जो सेवक..........

रूप गुरू दा धारके ही रब्ब, ऐस जग विच आवे,
जन्म–जन्म तों सुत्तीयां रूहां, आके आप जगावे.........2
अपने सेवक दी पत राखे, आपे रखदा पर्दा
अमृत वेले जो सेवक..........

रब्ब नूं पौण दे तिन तरीके, गुरू नानक करे वखान,
सिमरन, भजन, विचार, ते संगतो करो सतगुरू दा गुणगान.....2
जिवें गुरू अजायब दी महिमा मुख चों, साधुराम है करदा
अमृत वेले जो सेवक..........

आओ गुरू अजायब जी

सन्त साधुराम

आओ गुरू अजायब जी, मेरे गरीब खाने में
नाम दा अमृत बरसाओ, आके इस आशियाने में
आओ गुरू अजायब जी........

पलकें बिछा के बैठा हूं, राहों में आपके,
मैने खुद–खुदा को देखा है, निगाहों में आपके.........2
तेरे नाम में जो नशा है, वो नशा नहीं मयखाने में
आओ गुरू अजायब जी........

मेरे दो नैनों में वस गई, सतगुरू तेरी मूरत,
और ना कुछ मैं तुझसे मॉगू, मुझको तेरी जरूरत.........2
मात–पिता गुरूदेव से बढ़कर, कोई देव नही जमाने में
आओ गुरू अजायब जी........

आओगे तुम जरूर, ये यकीन है मुझे,
हर–पल रहूं पुकारता, अजायब जी तुझे.........2
आप आओ तो बहार आए, साधुराम के इस वीराने में
आओ गुरू अजायब जी........

तन सड़ जावे भावें गल जावे

सन्त साधुराम

तन सड़ जावे, भावें गल जावे, पर रहन सलामत नैण
दीद गुरू दी वासते, हरदम खुले रहन

सतगुरू तेरी याद च रोंदे मेरे ए दो नैण,
दीद गुरां दी करनी ऐ, बस ऐहो ही गल कहन........2
दीद गुरू दी वासते..........

हर पल तेरी याद सतौंदी, अखीयां विच ना नींदर औंदी.........2
कोई कमला, कोई झल्ला, लोकी मैंनूं कहण
दीद गुरू दी वासते.........

भुल्लया मैंनूं खाना–पीणा, बिन दिलबर तों काहदा जीणा.........2
ए दुनीयां सब लगे डरौंणी, जिवें होवे कोई डैण
दीद गुरू दी वासते..........

तेरे बिना सतगुरू अजायब जी, साधु किसनूं अपना आखे.........2
मुंह हत्थां विच लैके रोवां, देवे कौण दिलासे
इश्क, मुश्क ते चोरी यारी, कदे ना गुज्जे रहन
दीद गुरू दी वासते..........

26 जनवरी दा दिन आया

सन्त साधुराम

26 जनवरी दा दिन आया
संगतो खुशीयां लैके आया.........2
कुल मालिक घर आया
सब फुल बरसावो जी, सतगुरू आया, सतगुरू आया
सब मंगल गावो जी, अजायब जी आया, अजायब जी आया

ओही रंग ए ओही ढंग ए, नाले सत्संगीया दा संग ए......2
ओही चोला पाया, सतगुरू आया, सतगुरू आया
सब फुल बरसावो जी...........

नूरी मुखड़ा चमकां मारे, चमकण ज्यों लक्खां चंद–तारे.........2
होया नूर सवाया, सतगुरू आया, सतगुरू आया
सब फुल बरसावो जी...........

गुरू अजायब जी वचन निभाया, लाधु तों साधु बणाया.........2
सेवक दा मान वधाया, सतगुरू आया, सतगुरू आया
सब फुल बरसावो जी...........

करदा अरदास गुरू जी

सन्त साधुराम

करदा अरदास गुरू जी, छडके ना जाओ जी,
झलया नयी जाना मैंत्थो, बिछोड़ा ना पावो जी.........2
करदा अरदास..........

झूठे सब रिश्ते नाते, दर्दी ना कोई जी,
सतगुरू इक तेरे बाजों, मिलणी ना ढोइ जी.........2
मंगता बण आया दर ते, झोली कुझ पाओ जी
करदा अरदास..........

मतलब दी दुनीयां सारी, कोई ना बेली जी,
दुःखां दी गठरी दाता, तेरे कोल फोली जी.........2
लाई ए अरजी थ्वानूं, गौर फरमाओ जी
करदा अरदास.........

तैत्थों बिन गुरू अजायब जी, सिर ते हथ रखू केहड़ा,
लगना ए साधुराम नूं, सुन्ना ए वेहड़ा जी.........2
बिनती है सेवक करदा लेखे विच लाओ जी
करदा अरदास..........

गुरू दर्शन को लोचे नैना

सन्त साधुराम

गुरू दर्शन को लोचे नैना, गुरू दर्शन को लोचे नैना
दर्श बिना ना आवे चैना, दर्श बिना ना आए चैना
गुरू दर्शन को लोचे नैना.........

गुरू दर्शन वडभागी पावे, मैला मन निर्मल हो जावे.........2
गुरू बिना, कुछ वी, कहीं ना
गुरू दर्शन को लोचे नैना..........

सतगुरू पे जाउं बलहारे, भवसागर से पार उतारे.........2
इक थोड़ी झलक दिखादे, जागूं सारी रैना
गुरू दर्शन को लोचे नैना..........

अजायब गुरू जी, तेरा हूं दीवाना,
तुम भी मुझ को, छोड़ ना जाना.........2
तेरी जुदाई, साधुराम से, और, सही जाए ना
गुरू दर्शन को लोचे नैना..........

सत्संग दी ए महिमा संगतो

सन्त साधुराम

सत्संग दी ए महिमा संगतो, बड़ी ही अपरम्पार,
जित्थे होवे सत्संग, ओत्थे वसदा सतकरतार.........2
गल ना होवे फरेब दी, जित्थे सत दा होवे संग.........2

पंज शब्दां नू जोड़ बणाइ, सतगुरू ने सत्संग,
भव तो पार उतारण वाली, सतगुरू दी सत्संग.........2
गल ना होवे फरेब दी, जित्थे सत दा होवे संग.........2

करमां भागां वाला जीव ही, आके सत्संग सुणदा,
अपने प्रीतम नू मिलन दा, रस्ता है ओ चुणदा.........2
इस रस्ते ते चल के औंदी, जीवन विच उमंग
गल ना होवे फरेब दी, जित्थे सत दा होवे संग.........2

सत्संग दे विच आके, मैला मन निर्मल हो जावे,
चंचल मन वी आके ऐत्थे, बैरागी हो जावे.........2
सत्संग सुणके जीव दे, अन्दरों उठदी इक तंरग
गल ना होवे फरेब दी, जित्थे सत दा होवे संग.........2

सत्संग दे विच अमृत वरसे, तपदीयां रूहां ठारे,
सत्संग सुणके ही कई रूहां, लगीयां पार किनारे.........2
सच्चा–सुच्चा जीवन जीण दा, मिलदा ऐत्थों ढंग
गल ना होवे फरेब दी, जित्थे सत दा होवे संग.........2

हर दीन, दुःखी नूं तारण, ओ सचखण्ड वासी आया,
पूरे सतगुरू अजायब जी ने, जद सत्संग आप सुणाया.........2
सुन–सुन सत्संग चड़या ए, जिवें साधुराम नूं रंग
गल ना होवे फरेब दी, जित्थे सत दा होवे संग........2

तन तेरा हरि मन्दिर बन्दया

सन्त साधुराम

तन तेरा हरि मन्दिर बन्दया, तन तेरा हरि मन्दिर
बैठा सतगुरू अन्दर बन्दया, बैठा सतगुरू अन्दर
बाहरों तैनूं कुझ नही लभणा, सब कुछ तेरे अन्दर बन्दया
तन तेरा हरि मन्दिर........

इट्टां–पत्थरां दे मन्दिरां विच्च, झाड़ू पोचा लावें,
टल्लीयां–शंख बजावें नित तूं, धूफां ला महकावें.........2
बाहर नावण करें की फायदा, अन्दर बहे समन्दर बन्दया
तन तेरा हरि मन्दिर........

वेद पुराण ग्रन्थ पढ़े पर, कदे अमल ना कीता,
उसदी रमज पछाणी ओना, जिना मन जीता जग जीता.......2
सारी दुनियां जित लई फिर वी, खाली गया सिकन्दर बन्दया
तन तेरा हरि मन्दिर........

सतगुरू अजायब दा नाम ध्याया, आई नजर खुदाई,
अमृत वेले उठ के साधुराम, अन्दर डुबकी लाई........2
तन मन ऐसा निर्मल होया, हो गया मस्त कलन्दर बन्दया
तन तेरा हरि मन्दिर........

चल्लीयां जी चल्लीयां जी

सन्त साधुराम

चल्लीयां जी चल्लीयां जी, चल्लीयां जी चल्लीयां जी,
काल देश छडके, दयाल देश चलीयां.........2
भागां वालीयां जो रूहां, गुरां संग रलीयां
चल्लीयां जी चल्लीयां जी......

रूहां दा व्यापारी बन, आप गुरू आ गया,
कखां दीयां जो सी, ते लखां दा मुल पा गया.........2
आप लैके चलया ते, आप ही सी घलया
चल्लीयां जी चल्लीयां जी......

काल दी गुलामी वाला, कटता जंजाल जी,
करती दया गुरू, होके दयाल जी.........2
जिनां जिनां सेवका ने, रखीयां तसल्लियां
चल्लीयां जी चल्लीयां जी......

काल काले कां वागूं वेखदा ही रह गया,
कोयल बन गुरू अजायब जी, रूहां नूं आप लै गया.........2
साधुराम, काल दियां, इक वी ना चलीयां
चल्लीयां जी चल्लीयां जी......

71

चिट्ठिए नी चिट्ठिए हंजूआं नाल लिखीए

सन्त साधुराम

चिट्ठिए नी चिट्ठिए, हंजूआं नाल लिखीए
काल देश विच बड़ा बुरा हाल
आखीं जा गुरू अजायब नूं, रूहां आपणीया आके तूं संभाल......2
चिट्ठिए नी चिट्ठिए......

चारे पासे मची होई अज, हाहाकार जी,
दुनिया च होई जावे, बड़ा अत्याचार जी.......2
दुखी दिलां दा ए तैनूं ही सवाल
आखीं जा गुरू अजायब नूं, रूहां आपणीया आके तूं संभाल.......2
चिट्ठिए नी चिट्ठिए........

धर्मा दे पिच्छे सारे लोक पए लड़दे,
भाईयां दा ही भाई है कत्ल ऐत्थे करदे.........2
होई 47 वांगू धरती वी खून नाल लाल
आखीं जा गुरू अजायब नूं, रूहां आपणीया आके तूं संभाल.......2
चिट्ठिए नी चिट्ठिए........

पाप दीयां चारे पासे झुलीयां हनेरियां,
दिनों दिन काल दीयां वध्धीया दलेरियां.........2
ए सारी काल दी ही, चल्ली होई चाल
आखीं जा गुरू अजायब नूं, रूहां आपणीया आके तूं संभाल.......2
चिट्ठिए नी चिट्ठिए........

भुलयां जीवां नूं आके आप समझा दियो,
करना प्रेम इक दूजे नाल सिखा दियो.........2
भैड़ा मन वी ए काल दा दलाल
आखीं जा गुरू अजायब नूं, रूहां आपणीया आके तूं संभाल.......2
चिट्ठिए नी चिट्ठिए........

बेनती अजायब जी नूं, सुणाई साधुराम दी,
वरखा करे ओ आके सच्चे, सुच्चे नाम दी.........2
सुक्की फसल नूं करे खुशहाल
आखीं जा गुरू अजायब नूं, रूहां आपणीया आके तूं संभाल.......2
चिट्ठिए नी चिट्ठिए........

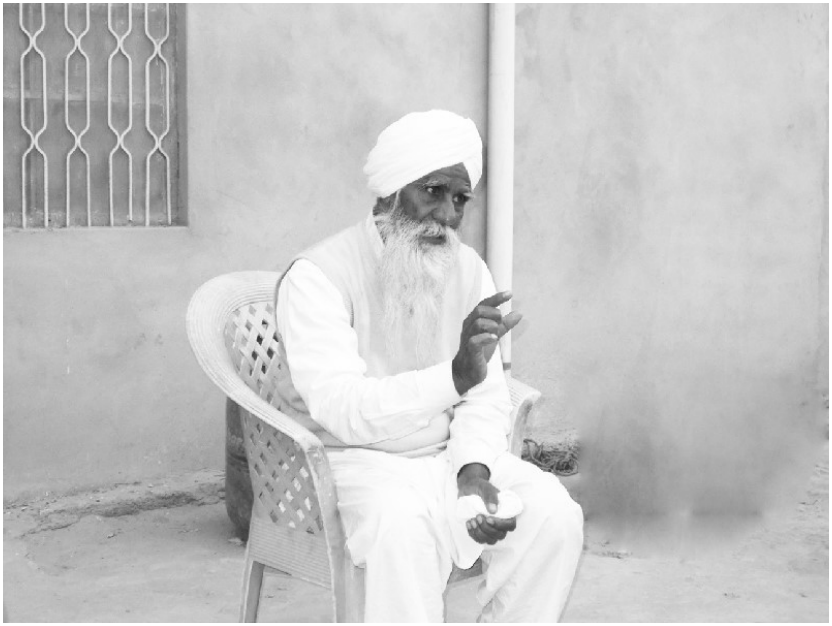

असॉ नैणा च वसाया ए बड़ा ही मन मोहणा

सन्त साधुराम

असॉ नैणा च वसाया, ए बड़ा ही मन मोहणा
मेरे सतगुरू तों सोहणा, कोई नी होणा
गुरू अजायब जी तों सोहणा, कोई नी होणा
असॉ नैणा च वसाया........

सचखण्डो चल आई, रब्बी जोत ए निराली,
नूरी मुखड़े चों पैंदी, किवें, डुल–डुल लाली......2
रखां नजरा टिका के, ते ध्यान नी हटौणा
मेरे सतगुरू तों सोहणा, कोई नी होणा
असॉ नैणा च वसाया.........

पंड पापां वाली सिरां, उतों लाऊण आया ए,
कई नवीयॉ रूहां नू, ओ जगाऊण आया ए......2
जिन्ना कीता विश्वास, फायदा ओना ही उठाऊणा
गुरू अजायब जी तों सोहणा कोई नी होणा......
असॉ नैणा च वसाया.........

की–की सिफत सुणावां, वाली संसार दा,
दया करदा दयालू, डुबे बेड़े तार दा......2
असां–मर–मर पाया, साधुराम ने नहीं खोणा
मेरे सतगुरू तों सोहणा कोई नी होणा......
असॉ नैणा च वसाया.........

मैंनूं दया बक्श दो दाता मंगता दर आया

सन्त साधुराम

मैंनूं दया बक्श दो दाता, मंगता दर आया,
इक भुलया होया राही, अपणे घरे आया......2
मैंनूं दया बक्श दो दाता..........

लैके हत्थ विच खाली कासां, तेरे उत्ते रखी आसा,
खैर गरीब दी झोली पावीं, मुड़ ना जावां किते निराशा......2
अज गुरू रूप विच मेरे, रब्ब नजरी आया
मैंनूं दया बक्श दो दाता..........

हुण तक फिरदा रहा अधूरा, अज जा पाया सतगुरू पूरा,
तेरे सारे वचन निभावां–कोई वी ना रहे अधूरा......2
जिस–जिस वी नाम ध्याया, तिन ही प्रभ पाया
मैंनूं दया बक्श दो दाता..........

अजायब गुरू जी तूंही रब्ब मेरा, रहे तेरे चरणां विच बसेरा......2
साधुराम ने तन मन धन, तेरे लेखी लाया
मैंनूं दया बक्श दो दाता..........

मार मन मार बंदे मार मन मार

सन्त साधुराम

मार मन मार बंदे, मार मन मार
जगत सरां विच, रहणा दिन चार
मार मन मार बंदे, मार मन मार

नाम वाला तीर जदों, बार–बार वजदा,
तां जाके मन ऐहे, सिध्दे राहे लगदा......2
नाम बिना खाणी पैंदी, जमा दी ए मार
मार मन मार बंदे..........

मन तैनूं भरम भुलेखियां, च पावेगा,
पक्का हो के रहीं, बार–बार ए डुलावेगा......2
हर वेले जप नाम, मनो ना विसार
मार मन मार बंदे...........

सुख वेले यार बेली, लखां तेरे होणगे,
दुःख वेले कोई तेरे, कोल ना खलोणगे......2
गुरू ने ही लाऊणा तैनूं, बाहो फड़ पार
मार मन मार बंदे..........

लखां ही ठगाए, ऐस मन दगेबाज ने,
जाल च फसाए कई, ऐस जालसाज ने......2
बच के रही तूं, ऐहे बड़ा होशियार
मार मन मार बंदे..........

सतगुरू अजायब जी, दा पल्ला जदो फड़या,
तॉ जाके ऐस भैड़े, मन नाल लड़या.....2
साधुराम आखे बस, नाम ही आधार
मार मन मार बंदे...........

जे मेहर करें तूं साईयॉ मैं वी तर जावां

सन्त साधुराम

जे मेहर करें तूं साईयॉ, मै वी तर जावां,
इस काल दी नगरी विच ना, रूलके मर जावां......2
जे मेहर करें तूं साईयॉ..........

जिसनू आप करे तूं पूरा,
ओ ना रहँदा कदे अधूरा......2
मै भूलया होया राही, अपने घर जावां
जे मेहर करें तूं साईयॉ..........

तेरे तारे लखां तरगे,
सज्जन, कोड्डा, सदने वरगे......2
तेरे नाम जहाज विच बहके, सिधे सचखण्ड जावां
जे मेहर करें तूं साईयॉ..........

गुरू अजायब जी, तेरी शान निराली,
साधुराम दा, तूं ही वाली.......2
तेरी संगत दे कर दर्शन, तेरे गुण गावां
जे मेहर करें तूं साईयॉ..........

वे मैंनूं गुरा दे दवारे जाके बहण दे

सन्त साधुराम

वे मैंनूं गुरां दे दवारे जाके बहण दे, तूं अड़ीयां ना कर मन वे......2
सत संगत कर गुरू दी सुख लैणदे, तूं अड़ीयां ना कर मन वे

मैं मेरी दे विच फसाया, रसां कसां दा चस्का लाया......2
वे मैंनूं नाम वाला रस चख लैणदे, तूं अड़ीयां ना कर मन वे
वे मैंनूं गुरां दे दवारे जाके बहण दे......

तूं भुलयॉ ए असल टिकाणा, काल ने बुणया ताणा–बाणा.....2
वे मैंनूं गुरू दे दिदार कर लैणदे, तूं अड़ीयां ना कर मन वे
वे मैंनूं गुरां दे दवारे जाके बहण दे......

तेरीयां गल्लां मन्नीयॉ लखां, हुण जा खुलीयां मेरीयां अखॉ......2
वे लाहा मानस जामे दा खट लैणदे, तूं अड़ीयां ना कर मन वे
वे मैंनूं गुरां दे दवारे जाके बहण दे......

चल तूं वी भुलॉ बक्शा लै, सत्संग सुण कोई अम्ल कमा लै......2
कंहदी दुनिया जो, ऐनूं कह लैणदे तूं अड़ीयां ना कर मन वे
वे मैंनूं गुरां दे दवारे जाके बहण दे......

काल दी करनी, छड गुलामी, सतगुरू पूरा अन्तरयामी......2
ओही तरदे जो, जो गुरू दे होके रहण वे, तूं अड़ीयां ना कर मन वे
वे मैंनूं गुरां दे दवारे जाके बहण दे......

गुरू अजायब जी दसदे युक्ती, नाम बिना नही होणी मुक्ती......2
साधुराम वांगू गुण ओदे गौणदे, तूं अड़ीयां ना कर मन वे
वे मैंनूं गुरां दे दवारे जाके बहण दे......

जित्थे सतगुरू आप वसे ओत्थे कमी कोई ना होवे

सन्त साधुराम

जित्थे सतगुरू आप वसे, ओत्थे कमी कोई ना होवे,
अपणे हर सेवक दे अजायब जी, अंग–संग आप खलोवे......2
जित्थे सतगुरू आप वसे..........

प्रहलाद बुलाया सी, कीड़ी बण आया सी,
डोले होए सेवक दा आ, धीर बणाया सी......2
जद सेवक रोंदा ए, ओदो सतगुरू तों रह ना होवे
जित्थे सतगुरू आप वसे..........

सतगुरू ने दित्ती ऐ संगतो, थ्वॉणू नाम दवाई,
श्रद्वा नाल लै लैणा, होजू कंचन राई–राई......2
ओ काहदा सेवक ए, जो नां विच मर्यादा होवे
जित्थे सतगुरू आप वसे..........

सुत्ते होए लाधु नूं, गुरां आण जगाया सी,
गुरू अजायब दयालू ने, चरणां नाल लाया सी......2
सतगुरू दी वडआई, साधु तों कह ना होवे
जित्थे सतगुरू आप वसे..........

सानूं इक तेरे नाम दा सहारा गुरूजी

सन्त साधुराम

सानूं इक तेरे नाम, दा सहारा गुरूजी,
असी छडणा नी तेरा, ए दवारा गुरूजी......2
सानूं इक तेरे नाम..........

भोग–भोग जूनां दाता, असीं थक गऐ हॉ,
बार–बार औणा–जाणा, बहुते अक गऐ हॉ......2
ऐसे जन्म च ला दियो, किनारा गुरूजी
सानूं इक तेरे नाम..........

दया दी नजर, इक, साडे उत्ते मार देओ,
बच्चयां निमाणयां दा, जीवन सवार देओ......2
सानूं थ्वाडे ते भरोसा, बड़ा सारा गुरूजी
सानूं इक तेरे नाम..........

सतगुरू अजायब जी, ऐ बेड़ा बन्ने ला देओ,
अपणे प्यारयॉ नू, सचखण्ड पुचा देओ......2
हथ जोड़ साधु, आखदा विचारा गुरूजी
सानूं इक तेरे नाम..........

मैं सतगुरू मैला भांडा मैल उतारो जी

सन्त साधुराम

मैं सतगुरू मैला भांडा, मैल उतारो जी
हां कोज्जा, नीच, निमाणा, पार उतारो जी
मैं सतगुरू मैला भांडा, मैल उतारो जी......

नाम जपां तेरे गुण गावां,
इक पल वी ना मनों भुलावां......2
इस तपदी रूह नूं, सतगुरू आप ही ठारो जी
मैं सतगुरू मैला भांडा, मैल उतारो जी......

इस भांडे नूं, ऐसा चमका देओ,
मॅुह विचों दी, वेखण ला देओ......2
दुध दा दुध ते पाणी दा पाणी, आप नितारो जी
मैं सतगुरू मैला भांडा, मैल उतारो जी......

तेरे नाम दी करां कमाई,
जोड़ लवां मैं पाई–पाई......2
गुरू अजायब जी साधुराम नूं ना कदे विसारो जी,
मैं सतगुरू मैला भांडा, मैल उतारो जी......

लख–लख शुकर मनावां तेरे दातेया

सन्त साधुराम

लख–लख शुकर, मनावां तेरे दातेया,
सुत्ते भाग जगाए, मेरे दातेया......2
लख–लख शुकर..........

मेरी की औकात सी, जे तूं मिलदा ना,
ए मुरझाया फुल, कदे वी खिलदा ना......2
तूं ही ए महकाया, मेरे दातेया
लख–लख शुकर..........

जित्थे जावां महक, तेरे नाम दी ही औंदी ए,
गुरू–गुरू रूह मेरी, हर वेले ही गौंदी ए......2
जांदे नहीं उपकार, गिणाए दातेया
लख–लख शुकर..........

गुरू अजायब जी, सदा रहे सिर ते हथ तेरा,
साधुराम गुण गावे, सदा ही तेरा......2
खैर दया दी पावीं, झोली दातेया
लख–लख शुकर.........

जे सतगुरू नूं याद करें तूं

सन्त साधुराम

जे सतगुरू नूं याद करें तूं, तैनूं ओवी याद करूगा,
तेरी विरानी दुनियॉ नूं, ओही आबाद करूगा......2
जे सतगुरू नूं याद करें तूं..........

जे सतगुरू लई सेवक रोवे, गुरू कोलो वी रह ना होवे,
इक दूजे दा दर्द विछोड़ा, दोवां कोलो झल ना होवे......2
ओही हंजू पूंजण वाला ए, ओही सिर ते हथ धरूगा
जे सतगुरू नूं याद करें तूं...........

सतगुरू नूं ए सबतो वधके, अपणा सेवक प्यारा,
जिसनूं ना कोई गुरू मिले, ओ है परमेश्वर मारा......2
ओ सब दुःख टालण वाला ए, तेरे सबे दुःख हरूगा
जे सतगुरू नूं याद करें तूं..........

सच्चे मनों गुरू अजायब जी नूं, याद जदों सी कीता,
साधुराम नूं गल नाल लाके, तन मन शीतल कीता 2
ऐत्थे वी ते ओत्थे वी, तेरी रक्षा आप करूगा
जे सतगुरू नूं याद करें तूं...........

घट–घट दे विच बस रिहा इको सतकरतार

सन्त साधुराम

घट–घट दे विच बस रिहा, इको सतकरतार,
सबदे अन्दर वसदा सतगुरू क्यों लबदे हो बाहर......2
घट–घट दे विच बस रिहा..........

सबना जीयॉ दा, इक दाता,
सच खण्ड वासी, पुरख विधाता......2
हर थां सर्वव्यापी ओही इक निरंकार
घट–घट दे विच वस रिहा...........

उसदी रमज ना, कोई जाणे,
ओ दाता, सबनूं पछाणे......2
उसदी माया अजब निराली, पाया किसे ना पार
घट–घट दे विच वस रिहा..........

जिधर वेखां, नजरी आऊंदा,
साधुराम गुण, उसदे गौंदा......2
गुरू अजायब जी, डुबदी बेड़ी, आपे लाई पार
घट–घट दे विच वस रिहा..........

बण वैद गुरूजी आजा मैं बिमार हॉ

सन्त साधुराम

बण वैद गुरूजी आजा मैं बिमार हॉ
कद आवेंगा हर वेले करदा इन्तजार हॉ
बण वैद गुरूजी आजा मैं बिमारी हॉ......

वद ना जावे, ए बिमारी,
हालत वेख मेरी, इक वारी......2
हुण चल–फिर वी नही सकदा, बड़ा लाचार हॉ
बण वैद गुरूजी आजा, मैं बिमारी हॉ......

किसनूं अपणा, दुःख सुनावां,
कर–कर चेते, रोई जावां.......2
कुझ होर ना मंगा, सतगुरू मंगदा दीदार हॉ
बण वैद गुरूजी आजा, मैं बिमारी हॉ.....

इक वारी आ, दर्श विखा दे,
इस मिटटी नूं, लेखे ला दे 2
बेड़ी डुबदी बन्ने लादे, अद विचकार हॉ
बण वैद गुरूजी, आजा मैं बिमारी हॉ.....

गुरू अजायब जी, बिनती मेरी,
साधुराम राह, तकदा तेरी......2
फेर मुक जावण साह भांवे, मैं तैयार हॉ
बण वैद गुरूजी आजा मैं बिमारी हॉ.....

अपणा अवल्ला मन मोड़ ते सही

सन्त साधुराम

अपणा अवल्ला मन, मोड़ ते सही,
गुरू नाल नाता, बंदे जोड़ ते सही......2
नाम दियां सागरॉ च, लाऊणीया जे तारीयां
गुरू वाला बण, बाकी छड गलां सारियॉ......2
अपणा अवल्ला मन, मोड़ ते सही......

बीत जावे पल जेहड़ा, मुड़के ओ आवे ना......2
जोड़ां–तोड़ॉ विच किते, वेला लंग जावे ना......2
सोचां वाले अम्बरा च, मार ना उडारीयॉ
गुरू वाला बण, बाकी छड गलां सारियॉ......2
अपणा अवल्ला मन, मोड़ ते सही......

सच्चे दिलों कित्ता कदे, बंदया तूं चारा ना......2
ऐसा रंग चाड़ देवे, उतरे दुबारा ना......2
गुरू कोले हुंदीया ने, नेमता न्यारीयॉ
गुरू वाला बण, बाकी छड गलां सारियॉ......2
अपणा अवल्ला मन, मोड़ ते सही......

कदरा पवाईयॉ, उच्चे रूतबे, नू पा लया......2
साधुराम जिहने गुरू, मन च बसा लया......2
नाम दे अजायब गुरू, लखां रूहां तारीयॉ
गुरू वाला बण, बाकी छड गलां सारियॉ......2
अपणा अवल्ला मन, मोड़ ते सही......

मेरे विच मेरा कुझ वी नहीं जो कुछ है सो तेरा

सन्त साधुराम

मेरे विच मेरा कुझ वी नहीं, जो कुछ है सो तेरा......2
मै तेरे चरणां दा चाकर, मात–पिता तूं मेरा
मेरे विच मेरा कुझ वी नहीं..........

दर तेरे आया दाता, लाज रखीं तूं मेरी,
नजर करम दी करदे दाता, बण जाए जिन्दगी मेरी.....2
अन्दर जोत जगा दे ऐसी, होजे दूर हनेरा
मेरे विच मेरा कुझ वी नहीं..........

इस निरगुण विच गुण ना कोई, दाता है गुणी निधान,
तूं सब जाणी जाण गुरूजी, मै ते हॉ अनजान......2
दुःख कलेश मिटा के सतगुरू, कर दयो नवां सवेरा
मेरे विच मेरा कुझ वी नहीं..........

गुरू अजायब जी ए जिन्दगी, ते तेरी ही अमानत,
साधु दे साहॉ दी डोरी, तेरे हथ सलामत......2
हथ जोड़ के हरदम, शुकर मनावां तेरा
मेरे विच मेरा कुझ वी नहीं..........

ओ साहॉ विच साह लैदां ए

सन्त साधुराम

ओ साहॉ विच साह लैदां ए,
हर शै दे विच ओ रहंदा ए......2
अन्दरे धुनकारां दिंदा ए, संगतो भरोसा करो
महसूस करो, महसूस करो

रब्ब बन्दे दी जात इको, जिवें विच कपड़े दे रूँ,
आप बुलावे ते आप ही बोले, विच आप करे हूँ हूँ......2
दोवें अखॉ दे विचकार, आके ध्यान धरो
महसूस करो, महसूस करो

श्रद्वा ते विश्वास नाल जो, सिमरन गुरू दा करदा,
ओही भागां वाला है, इस भवसागर तो तरदा...........2
यार दी गली चों जेकर लंगणा, सिर धर तली मरो
महसूस करो, महसूस करो

गुरू अजायब दे पूरनिया ते, साधुराम सी चलया,
कठिन कमाई करी नाम दी, तां जाके फल मिलया......2
सब सन्ता एहो केहा ए, आओ देखो करो
महसूस करो, महसूस करो

ऐसा पंज शब्दा ने सानूं तारया

सन्त साधुराम

ऐसा पंज शब्दा ने सानूं तारया, सदा तेरे गुण गाईए
धन–धन गुर अजायब प्यारया, तेरा शुकर मनाइए
ऐसा पंज शब्दा ने सानूं तारया..........

अमृत वेले उठ रोज ही सिमर दे
नाम तेरा खोले दाता अन्दर दे परदे......2
साडा जीवण गुरूजी सवारया, तैत्थो वारे–वारे जाइए
ऐसा पंज शब्दा ने सानूं तारया.........

नाम तेरा देवे सब दुःखां तो निजात जी
सेवकां दी जिन्दगी च होई परभात जी......2
दुःख पाऊण ओहो, जिना ने विसारया, इक पल ना भुलाईए
ऐसा पंजा शब्दा सानूं तारया.........

पंज शब्दा दी करी कमाई
जोड़ लई ए पाई–पाई......2
साधुराम ऐहो मुख चौं उचारया, सदा तेरे गुण गाईए
ऐसा पंजा शब्दा सानूं तारया.........

88

सतगुरु अजायब जी सांइयाँ

सन्त साधुराम

सतगुरु अजायब जी सांइयाँ, वे गावां तेरियां ही वडियाईयाँ,
तेरे जन्म दिहाड़े दियां देवां, सब नूं लख लख वधाईयां......2
भागां वाली धरती ओह, तूं जिस धरती ते आया,
राजस्थान दे टिब्बयां दे विच, आके डेरा लाया......2
चारे पासे नाम दियां तूं महकां ऑन खिंडाईयां
सतगुरु अजायब जी सांइयाँ........

सावन ते किरपाल गुरु दा, लाडला बन के आया,
जिसने कित्ते दर्शन तेरे, जीवन सफल बनाया......2
तेरी मनमोहनी सूरत चों, औंदियां नज़र खुदाईयां
सतगुरु अजायब जी सांइयाँ.........

धन धन मां हरनाम कौर जी, जिसने तैंनुं जाया,
लाल सिंह घर जन्म लिया ते, नाम अजायब रखाया......2
नचन गावण ख़ुशी मनावण, अरशां तों परियां आईंयाँ
सतगुरु अजायब जी सांइयाँ.........

अज ख़ुशी विच साधु राम वी, फुलया नहीं समाउंदा,
धन धन तुस्सी अजायब गुरु जी, एहो मुंह चों गौउंदा......2
हथ जोड़ के सब संगतां नू देंदा फिरे वधाईयां
सतगुरु अजायब जी सांइयाँ.........

आया जी दिन 11 सितम्बर

सन्त साधुराम

आया जी दिन 11 सितम्बर, अम्बरों फुल बरसाये अम्बर......2
चारे पासे नूर इलाही, अड़ियो ऐसा छा गया,
सईयो नी रब्ब, अजायब, धरती ते आ गया......2
चम चम चमके नूरी मुखड़ा, मत्थे ते जोत निराली,
सब दे कष्ट निवारण आया, कुल दुनियाँ दा वाली......2
सावन ते किरपाल दा, बेटा बण के आ गया।
सईयो नी, रब्ब अजायब, धरती ते आ गया......2
आया जी दिन 11 सितम्बर......

घर घर दे विच ख़ुशियां होईयां, गीत ख़ुशी दे गाये,
जंगलां दे विच मंगल आके, सतगुरु ने है लाये...........2
हर इक दीन दुःखी दा अड़ियो, मसीहा बन के आ गया......2
सईयो नी, रब्ब अजायब, धरती ते आ गया......2
आया जी दिन 11 सितम्बर.....

लाल सिंह घर लाल निराला, जोत रूप विच आया,
माता जी हरनाम कौर दी, कुख नूं भाग लगाया......2
धरती नची अम्बर नच्चया, आलम ख़ुशियां दा छा गया
सईयो नी, रब्ब अजायब, धरती ते आ गया......2
आया जी दिन 11 सितम्बर.....

सब नूं देवे वधाई नाले, गुर वडयाई गावे,
ऐसे पूरे सतगुर नूं, निंव निंव के सीस झुकावे......2
साधु राम दे रोम रोम विच, उस दा ही नाम समा गया
सईयो नी रब्ब अजायब धरती ते आ गया......2
आया जी दिन 11 सितम्बर......

जिस थां रखे दाता, ओत्थे रहणा चाहीदा

सन्त साधुराम

जिस थां रखे दाता, ओत्थे रहणा चाहीदा,
हर वेले ही नाम गुरू दा, लैणा चाहीदा......2
जिस थां रखे दाता, ओत्थे रहणा चाहीदा

पता नहीं कद नजर, सवल्ली हो जावे,
कखों होला जेहड़ा, लखां दा हो जावे......2
रूखी–मिसी खा के, शुकर मनाऊणा चाहीदा
जिस थां रखे दाता......

विच रजा दे रहणा, जेहड़ा सिख लैंदा,
हर इक सुख–दुःख ओ, हसके सह लैंदा......2
मैं मैं छडके, तूं ही तूं, बस कहणा चाहीदा
जिस थां रखे दाता......

कम हजारां छड के, नाम ध्याइए जी,
सौ कम छड के सत्संग, विच जाईए जी......2
मानस जामा मिलया, लाहा लैणा चाहीदा
जिस थां रखे दाता......

लंगया वेला हथ कदे ना आऊंदा ए,
हथ जोड़ ऐ साधुराम फरमाऊंदा ए......2
भाणा गुरू अजायब दा मनदे, रहणा चाहीदा
जिस थां रखे दाता......

तेरे चरणां दे विच रहणा सतगुरू

सन्त साधुराम

तेरे चरणां दे विच रहणा सतगुरू
गुर सेवक दा कहणा सतगुरू........2
दास तेरे दा ए कहणा सतगुरू
तेरे चरणां दे विच रहणा सतगुरू

श्वास–श्वास तेरा नाम जपां, ना इक पल मनो भुलावां,
गुरू–गुरू सदा मुख चों बोलां, जद तक चलण सावॉ......2
तूं जित्थे रखें ओसे थां ते, सिख लवा मैं रहणा सतगुरू
तेरे चरणां दे विच रहणा सतगुरू......

जो तिस भावे मेरे लई ते, ओही गल ए चंगी,
इस दुनिया तो मैं की लैणा, ऐ ते रंग बिरंगी......2
की करणे ए महल मुनारे, जिनां ने है ढहणा सतगुरू
तेरे चरणां दे विच रहणा सतगुरू......

नाम बिना है मुक्ती नाहीं, ऐ सब सन्ता दा कहणा,
गुरू अजायब जी साधुराम, तेरे नाम दे वेड़े विच बहणा......2
भव सागर तो तर जावां, नहीं जन्मा दुःख सहणा सतगुरू
तेरे चरणां दे विच रहणा सतगुरू......

जे गुरसिख नाम ध्यावे सतगुरू आऊंदा ए

सन्त साधुराम

जे गुरसिख नाम ध्यावे, सतगुरू आऊंदा ए......2
हर रोज ही अमृत वेले, ओ फेरा पाऊंदा ए
जे गुरसिख नाम ध्यावे, सतगुरू आऊंदा ए

जिंऊदे जी ही मरना पैंदा,
सीस तली ते धरना पैंदा.....2
फिर तां जाके थोड़ी जेही, झलक विखाऊंदा ए
जे गुरसिख नाम ध्यावे, सतगुरू आऊंदा ए......

रख भरोसा जो बह जावे,
उसदा दिता, ही बस खावे......2
ओही गुरसेवक जाणो, जो हर पल ध्याऊंदा ए
जे गुरसिख नाम ध्यावे, सतगुरू आऊंदा ए......

प्रेम दिया जीना पाईया डोरां,
हरदम चड़ीया रहदीयॉ लोरां......2
सुण सेवक दी अरदास, ते ओ दर्श विखाऊंदा ए
जे गुरमुख नाम ध्यावे, सतगुरू आऊंदा ए.....

शरद्धा ते विश्वास नाल जे, गुरू दा नाम ध्याइए,
सबर सन्तोख सुहागा चले, ता जाके फल पाइए......2
फिर सतगुरू आपे, हर कम विच, बरकता पाऊंदा ए
जे गुरसिख नाम ध्यावे, सतगुरू आऊंदा ए......

गुरू याद विच, रोण जो अखियॉ,
साधुराम ओही, प्रीता सच्चीयॉ......2
ओदों गुरू अजायब जी आके, आप वराऊंदा ए
जे गुरसिख नाम ध्यावे, सतगुरू आऊंदा ए......

लोरां—मस्ती

तेरी याद गुरू जी आई रोंदे नैण मेरे

सन्त साधुराम

तेरी याद गुरू जी आई, रोंदे नैण मेरे,
मै रो–रो तरले पांवा, सुण लै वैण मेरे......2
तेरी याद गुरू जी आई......

सुणके आजा हाल दुहाई,
तेत्थों बिन मै होई पराई......2
तेरे बाजों केहड़े कम दे, ए सुख चैन मेरे
तेरी याद गुरू जी आई......

ना मै जिंऊदी, ना मैं मोई,
हरदम रहंदी, खोई–खोई.....2
आसां दे महल मुनारे, लग पऐ ढहण मेरे
तेरी याद गुरू जी आई......

सतगुरू–सतगुरू, हर दम कूकां,
दुखीए दिल चों, उठदीयॉ हूकां......2
सदा रहण वासते, पांऊदे ए नैण मेरे
तेरी याद गुरू जी आई......

गुरू अजायब जी, गल नाल लांवी,
साधुराम दा, धीर बनावीं......2
सदा अखीओं तिप–तिप हंजू बहंदे रहण मेरे
तेरी याद गुरू जी आई......

मैंनूं तन सोहणे दी लोड़ नहीं

सन्त साधुराम

मैंनूं तन सोहणे दी लोड़ नहीं, ए मन हो जावे सोहणा......2
जन्म–जन्म तों मैला होया, गुरूजी नाम शब्द नाल धोणा
मैंनूं तन सोहणे दी लोड़ नहीं...........

ए मन काल दी करे गुलामी, उड़दा फिरदा विच असमानी......2
ए मन भूलयां घर अपणे नूं, सीधे राह पौणा
मैंनूं तन सोहणे दी लोड़ नहीं...........

नाम शब्द दा साबुन ही बस, मन दी मैल उतारे......2
ओदों ही सोहणा होवे जद, गुरू पूरा नजरां मारे
सत्संग विच दो घड़ियां आके, सिख लवे ए बहणा
मैंनूं तन सोहणे दी लोड़ नहीं...........

ऐ मन होया फिरे बेकाबू, सबते करदा अपणा जादू......2
ओही अकुॅश लावे इसते, मिल जावे जे पूरा साधु
चॅचल मन कल युग दे विच, औखा बड़ा टिकौणा
मैंनूं तन सोहणे दी लोड़ नहीं...........

गुरू अजायब जी मेहरॉ बरसावो, सिमरन भजन दी आदत पाओ....2
सदा रहे तेरे चरणी लगया, ए साधुराम दा कहणा
मैंनूं तन सोहणे दी लोड़ नहीं...........

आओ जी आओ आओ जी

सन्त साधुराम

आओ जी, आओ, आओ जी–आओ,
रल–मिल गीत गुरू दे गाईए......2
गुरू चरणां दे विच सीस झुकाइए......2
आओ जी, आओ, आओ जी–आओ......

करमां–भागां वालयां नूं ही, प्यार गुरू दा मिलदा,
जे ना होवे उसदी मरजी, पत्ता वी नहीं हिलदा......2
रसना करो पवित्र सारे, गुरू वडयाई गाईए
आओ जी, आओ, आओ जी–आओ......

गीत गुरू दे गौणा वी ते, इक तरां दी बंदगी,
हर पल उसदे लेखे लाके, सफल बणाइए जिंदगी......2
ए मन पावे भरम भुलेखे, किते डोल ना जाइए
आओ जी, आओ, आओ जी–आओ......

अपणे गुरू अजायब दी महिमा, ज्यों साधुराम ने गाई,
साध संगत दी सेवा करके, कीती सफल कमाई......2
गुर दे दसे रस्ते चलके, आपां तर जाइए
आओ जी, आओ, आओ जी–आओ......

गुरू बिना गोविन्द दा मिलणा

सन्त साधुराम

गुरू बिना गोविन्द दा, मिलणा मुश्किल है प्यारे,
जे गुरू रास्ता दस देवे, तां खुल जांदे दवारे......2
गुरू बिना गोविन्द दा..........

मिलया मेल करा देवे, ते पढ़या देवे पढ़ा,
पूरे सतगुरू तो बिन, केहड़ा पावे सिधे राह......2
कच्चयॉ दे लड़ लगण वाले, डुबदे अध विचकारे
गुरू बिना गोविन्द दा.........

धूड़ गुरू चरणां दी संगतो, चुक–चुक मत्थे लाइए,
हरि विसर जावे भावें, पर गुरू ना मनों भुलाइए......2
गुरू अपणे दे अगे, हरदम अरज गुजारे
गुरू बिना गोविन्द दा..........

गुरू रूप विच आके ही रब्ब, हर सेवक नूं मिलदा,
ध्यान धरे जद तीजे तिल दा, सहस कमल नूर खिलदा......2
नूरी चरण गुरू अजायब दे, तक के ,साधुराम बलहारे
गुरू बिना गोविन्द दा..........

मेरा रूस्से ना सतगुरू प्यारा

सन्त साधुराम

मेरा रूस्से ना सतगुरू प्यारा, जग भावें सारा रूस जाए,
ओदे नाम वाली पूँजी रहे कोले, बाकी भावें सब खुस जाए.....2
मेरा रूस्से ना सतगुरू प्यारा.........

गुरू मेरे कोल भला, मैंनूं काहदी थोड़ ए,
नाम दा खजाना ए, बड़ा ही अनमोल ए......2
गुर सेवक रिश्ता निराला, किते ना ए नाता टुट जाए
मेरा रूस्से ना सतगुरू प्यारा.........

तिप–तिप अखीयॉ चो, बहंदा जदों नीर सी,
ओसे ही बनाया आके, टुटया होया धीर सी......2
बांह फड़ लई गुरू ने मेरी, ना हथॉ विचों हथ छुट जाए
मेरा रूस्से ना सतगुरू प्यारा.........

तारया गरीब नूं अजायब दे ही नाम ने,
रब्ब वागूँ पूजया ए गुरू साधुराम ने......2
मसां डुबदे नूं मिलया किनारा, किते ना किनारा छुट जाए
मेरा रूस्से ना सतगुरू प्यारा..........

करीं मंजूर दाता सेवक दी अजी

सन्त साधुराम

करीं मंजूर दाता, सेवक दी अर्जी
चरणां च रख लवीं, अगे थ्वाडी मर्जी......2
करीं मंजूर दाता, सेवक दी अर्जी......

काम ते क्रोध वाली, अग तो बचा लवीं
मेरे ओगुणा ते दाता, परदा तूं पा दवीं......2
लुटया ना जावे मेरा, चोरां तो ए घर जी
करीं मंजूर दाता, सेवक दी अर्जी......

लोभ विच आके किते, लोभी बण जावां ना
किसे दा पराया हक, भुल के वी खावां ना......2
मन विच रहे मेरे, सदा तेरा डर जी
करीं मंजूर दाता, सेवक दी अर्जी......

माया मन मोहणी मैनूं, डंग लवे मार ना
मिलणा नी मौका दाता, ऐहे वार–वार ना......2
बंदगी करां मैं बस, इक थ्वाडी हर पल जी
करीं मंजूर दाता, सेवक दी अर्जी......

आके अंहकार विच, गुरू भुल जावां ना
गलीयां दे कखां वांगू, किते रूल जावां ना......2
दिल दी आवाज साईयॉ, गल नहीं ए फर्जी
करीं मंजूर दाता, सेवक दी अर्जी......

सतगुरू अजायब जी, खैर पा दियो गरीब नॅू
तरसदा साधुराम बस तेरी दीद नॅू......2
तेरे बिना कौण ऐस, दुःखीए दा दर्दी
करीं मंजूर दाता, सेवक दी अर्जी......

संगतो भरोसा जिनां करया गुरू ते

सन्त साधुराम

संगतो भरोसा जिनां, करया गुरू ते,
प्यारयो भरोसा जिनां, करया गुरू ते......2
सच खण्ड छड आया, रब्ब इस जूह ते
संगतो भरोसा जिनां.........

करया भरोसा धन्ने, पत्थर चों पा लया,
नाम देव कोल सी, स्वान बन आ गया......2
गुरू–गुरू सदा कहणा, करलो जुबान ते
संगतो भरोसा जिनां..........

बिना अखां वालयां ने, बंदा ही जाणया,
किसे भागां वाले ने ही, गुरू नू पछाणया......2
करण दया आया, हर इक रूह ते
संगतो भरोसा जिनां..........

सावन वी आप है ते, आप कृपाल जी,
आ गया अजायब गुरू, होके दयाल जी......2
साधुराम सच गल्लां, आखदा ए मुॅह ते
संगतो भरोसा जिनां..........

स्वान–कुत्ता

गुरू नूं अपणा बणा लै

सन्त साधुराम

गुरू नूं अपणा बणा लै, जा आप गुरू दा हो जा,
दो पासे तैनूं कुझ नहीं मिलणा, इक पासे दा होजा......2
गुरू नूं अपणा बणा लै..........

दो खस्मा वाली नई वसदी, तूं इक नू खस्म बणा लै,
इक दे नाम दी मेंहदी ऐना हथां उते ला लै......2
इक नाल सच्ची प्रीत लगाके, इश्क ओ दे विच खो जा
गुरू नूं अपणा बणा लै.........

इक दा जेहड़ा हो जांदा ए, मालिक दे नाल मिल जांदा ए,
रहमत सतगुरू दी जद होवे फुलॉ वांगु खिल जांदा ए......2
नाम ही मन दी मैल उतारे, पाक पवित्र हो जा
गुरू नूं अपणा बणा लै..........

इक थां जिस ने ख्याल टिकाया, दसवें दवार च सतगुर पाया,
सच्चे मन नाल कीती भगती, तन मन गुर दे लेखे लाया......2
लग के गुरू अजायब दे चरणी, साधुराम करे ज्यों मौजां
गुरू नूं अपणा बणा लै.........

तूं दाता असी मंगते तेरे

सन्त साधुराम

तूं दाता असी मंगते तेरे, खैरां झोली पाओ जी,
दर–दर तो ठुकाराए हॉ, सानू चरणां दे नाल लायो जी......2
तूं दाता असी मंगते तेरे..........

साडियां तां बस ऐहो मंगा, रंग देवी विच नाम दे रंगा,
कई जन्मा दे सुत्ते होए, सानूं आण जगाओ जी......2
तूं दाता असी मंगते तेरे.........

कर्म–काण्ड ते जप–तप कीते, कुझ ना हासिल होया,
धुर दरगाहों कलम भिड़ी जद, मेल गुरू नाल होया......2
तूं दाता असी मंगते तेरे.........

भुल्लीयॉ होइयां रूहां आके, चरणां दे विच ढह गईयां,
साधुराम संग हथ जोड़ के, साईयां, तैनूं कह रईयां......2
गुरू अजायब जी, बक्श के सानू, मेहरां दा मींह बरसाओ जी
तूं दाता असी मंगते तेरे..........

102

सुणो बेनती गुरूजी इक मेरी

सन्त साधुराम

सुणो बेनती गुरूजी इक मेरी, ते कदे वी ना जायो छडके
खैरां मंगदा गरीब दर तेरे, हथ जोड़ पल्ला अडके
सुणो बेनती गुरूजी इक मेरी.........

मैं ते पतंग दाता तेरे हथ डोर जी,
तेरे बिना दुनियां च, ना मेरा कोई होर जी......2
गुडडी अम्बरी चढ़ाके मेरी, ते प्यार वाली डोर बणके
सुणो बेनती गुरूजी इक मेरी..........

तेरे बिना दुःख दाता, किस नूं सुणावांगा,
बिछड़ के साईयां तैथों, मैं ते मर जावांगा......2
अग दर्द बिछोड़े वाली, लैजे ना कलेजा कढके
सुणो बेनती गुरूजी इक मेरी..........

तेरा भरोसा बस इक साधुराम नॅू,
रटदा अजायब जी मैं, तेरे दित्ते नाम नॅू......2
होर ढा लईयां मैं साईयां सबे ढेरियां, तेरे ना दी ढेरी छडके
सुणो बेनती गुरूजी इक मेरी..........

सन्त अजायब सिंह जी महाराज

सन्त साधुराम जी

मैंनूं आपणे चरणा विच लाओ गुरूजी

सन्त साधुराम

मैंनू आपणे चरणां विच, लाओ गुरूजी
चिरां तो ए दूरी, मिटाओ गुरूजी
मैंनूं आपणे चरणां विच..........

मैं सेवक, गुरूजी तुसीं मेरे ठाकुर,
सदा ही रहांगा मैं, बण तेरा चाकर......2
सुत्ती होई किस्मत, जगाओ गुरूजी
मैंनूं आपणे चरणां विच..........

जिधर वी मैं वेखां, नजर तूंही आवे,
दिखा के झलक जो, भुलेखे क्यों पावे......2
हुण ते ए परदा, हटाओ गुरूजी
मैंनूं आपणे चरणां विच..........

सतगुरू अजायब जी, बिनती ए मेरी,
साधुराम वेखे हरदम ही राह तेरी......2
फेरा मेरे घर वी, आ पाओ गुरूजी
मैंनूं आपणे चरणां विच..........

गुरसिख दी ए खास निशानी

सन्त साधुराम

गुरसिख दी ए खास निशानी
गुरू दे नाम करे जिन्दगानी
गुरसिख दी ए खास निशानी........

जो गुरू आखे सोई करीए,
मरनो कदे मूल ना डरीए......2
इक पल भुलणा वी नादानी
गुरसिख दी ए खास निशानी........

मन लैणा सतगुरू दा भाणा,
रहणा बण के नीच निमाणा......2
ठण्डा–पतला ज्यों होवे पानी
गुरसिख दी ए खास निशानी........

ज्यों गुरू नानक लई सी लहणा,
साधुराम ओवें मन गुरू अजायब दा कहणा......2
सीस चढ़ा के मिलदी सिखी, कर कोई कुर्बानी
गुरसिख दी ए खास निशानी........

साम्मणे गुरूजी होवे तकदा रहां

सन्त साधुराम

साम्मणे गुरूजी होवे, तकदा रहां,
तकदा रहां मुहों, कुझ ना कहॉ......2
साम्मणे गुरूजी होवे..........

तक–तक रज्जण, ना अखीयां ए मेरीयां,
सब मिट जाण, आपे भूखां तेहां मेरीयां......2
गुरू दा विछोड़ा, इक पल ना सहां
साम्मणे गुरूजी होवे..........

चन जहे मुखड़े ते, इक वखरा ही नूर ए,
सतगुरू मेरा, आप हाजिर–हजूर ए......2
दास ऐदे चरणां, दा बणके रहां
साम्मणे गुरूजी होवे..........

करती दया पल्ले, की सी साधुराम दे,
सदा गुण गाऊंदा ए, अजायब जी दे नाम दे......2
सच्चा सुच्चा रब्ब, ऐही सब नूं कहां
साम्मणे गुरूजी होवे..........

मैंनूं सतगुरू सबर दित्ता ते कदे डोलां ना

सन्त साधुराम

मैंनूं सतगुरू सबर दित्ता, ते कदे डोलां ना,
ओने आपे ही दे देणा, ते मुंह खोला ना......2
मैंनूं सतगुरू सबर दित्ता..........

बिन बोले ओ सब कुछ जाणे,
चंगा–मंदा आप पछाणे......2
जद आप बुलौंदा ए, ते क्यों बोलां ना
मैंनूं सतगुरू सबर दित्ता..........

कण–कण दे विच आप विराजे,
जो सारी दुनिया नूं साजे......2
अन्दर ही बसदा ए, बाहर टोहलां ना
मैंनूं सतगुरू सबर दित्ता..........

मन के गुरू अजायब दा कहणा,
साधुराम सिख लिया, रज़ा च रहणा......2
मिलया सच्चा सौदा, क्यों तेरहां तेरहां तोलां ना
मैंनूं सतगुरू सबर दित्ता.........

पल्ले इक नाम तेरा सतगुरू प्यारया

सन्त साधुराम

पल्ले इक नाम तेरा, सतगुरू प्यारया,
तेरे हां जी तेरे असीं, अजायब जी प्यारया......2
पल्ले इक नाम तेरा..........

चरणां नाल लाई रखीं, मेहर बरसाई रखीं,
लड़ तेरे लगे हां जी, इज्जतां बणाई रखीं......2
सेवकां दे घर फेरे पावीं, गुरू प्यारया
पल्ले इक नाम तेरा..........

रूखी मिसी दोवें डंगी, अपणे रंगा च रंगी,
जग देया महलां नालो, तेरी दहलीज चंगी......2
तेरे नाल खुशीयां दे, खेड़े गुरू प्यारया
पल्ले इक नाम तेरा..........

नाम तेरा ध्याई जाईए, दरशन पाई जाईए,
साधुराम वांगूं गुण, अजायब जी दे गाई जाईए......2
दर तेरे बहणा, डेरे लाके गुरू प्यारया
पल्ले इक नाम तेरा..........

तीला–तीला होई सतगुरु

सन्त साधुराम

तीला–तीला होई सतगुरु, मेरी जिंद निमाणी
तैत्थों बिन मैं ओवें तड़फा, ज्यों मछली बिन पाणी......2
तीला–तीला होई सतगुरु..........

दरशण नूं ए नैण प्यासे, ततड़ी नूं दे आण दिलासे......2
तेरे बाजों सुणदा केहड़ा, मेरी दर्द कहाणी
तीला–तीला होई सतगुरु..........

हरदम करदी आं अरदासां, पूरीयां करदे सतगुरू आसां......2
बख्शण हारा तूं बक्श दे मैंनू, हो जावां मैं स्याणी
तीला–तीला होई सतगुरु..........

ना कुझ खावां, ना कुझ पीवां, दर्श बिना मै किद्धां जीवां......2
मरना वी मन्जूर ए मैनूं, ए ही मन विच ठाणी
तीला–तीला होई सतगुरु..........

औखे झलणे दर्द बिछोड़े, जिन्दगी दे दिन साईयां थोड़े......2
हरपल–हरदम वड–वड खावे, याद तेरी मरजाणी
तीला–तीला होई सतगुरु...........

आ नैणा दे बूहे बह जा, मैं रूह तेरी, नाले लै जा......2
गुरू अजायब जी, साधुराम ते, जयों ए बुलबुला पाणी
तीला–तीला होई सतगुरु..........

देके नाम गुरां ने संगतो है

सन्त साधुराम

देके नाम गुरां ने संगतो, है पहचान बणा दित्ती,
काल दे पंजयो जिदंगी ए, आजाद करा दित्ती......2
देके नाम गुरां ने संगतो..........

प्रेमी–प्रेमी हर कोई कहदां, करना प्रेम सिखाया,
हर इक सेवक दी झोली विच, मिठड़ा मेवा पाया......2
सी ए कखों हौली जिन्दगी, लखां कीमत पा दित्ती
देके नाम गुरां ने संगतो..........

काल दे कोलों हुण क्यों डरना, पै गऐ हॉ सतगुरू दी शरणा,
नाम शब्द दी दात मिली ए, हुण क्यों दण्ड यमा दा भरना......2
मन लोभी नाल लड़न लई, हथ करपान फड़ा दित्ती
देके नाम गुरा ने संगतो..........

आओ गीत गुरू दे गाईए, श्वास–श्वास ओदा नाम ध्याइए,
ए संसार दुःखां दी नगरी, भवसागर आपां तर जाइए......2
साधुराम ते गुरू अजायब जी, ऐसी किरपा कर दित्ती
देके नाम गुरां ने संगतो..........

अमृत वेला हो गया जी

सन्त साधुराम

अमृत वेला हो गया जी, अमृत वेला हो गया......2
सब संगता नूं हथ जोड़ के हौका सेवादार दा
अमृत वेला हो गया जी..........

उठ सतगुरू दा नाम ध्यावो, जीवन सफल बणावो जी......2
झोली दे विच दया पवालो, (2) सबनूं वाजां मार दा
अमृत वेला हो गया जी..........

सुतयां नूं कदे कुछ नहीं मिलदा, जो जागे सो पावे जी......2
फेरा पावण आया संगतो, (2) कुल मालिक संसार दा
अमृत वेला हो गया जी..........

पंछी वी सब शुकर मनाऊदे, गुण सच्चे सतगुरू दे गौंदे......2
जिस–जिस ते वी नजरां मारे, (2) सबनू जावे तारदा
अमृत वेला हो गया जी..........

जाग–जाग के रातां नूं, साधुराम ने, नाम ध्याया ऐ......2
साध–संगत दी सेवा दा, (2) सतगुरू ने जुम्मा लाया ए
गुरू अजायब जी बड़ा दयालू, (2) भवसागर पार उतारदा
अमृत वेला हो गया जी..........

गुरू जी सानूं नाम शब्द नाल जोड़

सन्त साधुराम

गुरू जी सानूं, नाम शब्द नाल जोड़......2
ना मंगदे असीं सोना चांदी, ना मंगदे लख करोड़......2
गुरू जी सानूं, नाम शब्द नाल जोड़......

नाम शब्द दी दात गुरूजी, झोली दे विच पादे,
भूले भटके राही सतगुरू, सिध्धे राहे पादे......2
सच दी राह चलावीं दाता, बदीयां तो मन मोड़
गुरू जी सानूं, नाम शब्द नाल जोड़......

दसां नोहां दी किरत कमाईए, ऐसी सोच बणादे,
ऐस कमाई विचों थोड़ा, परमार्थ विच लवा दे......2
ए धन होवे दूण सवाया, आवे ना कदे थोड़
गुरू जी सानूं, नाम शब्द नाल जोड़......

करीए गुरू अजायब जी, तेरा हर वेले शुक्रराना,
साधुराम गुण गावे तेरे, जद तक रहे जमाना......2
करे बेनती सतगुरू तैनूं, सेवक ए हथ जोड़
गुरू जी सानूं, नाम शब्द नाल जोड......

सतगुरू–सतगुरू बोल प्यारया

सन्त साधुराम

सतगुरू–सतगुरू बोल प्यारया,
सतगुरू नाम अनमोल प्यारया......2
दुःखां विच जिन्दगी ना रोल प्यारया
सतगुरू–सतगुरू बोल प्यारया......

अज जोवी माण रिहा, ओसे दे ही सुख ने,
सारी कायनात ओदी, ओसे लाए रूख ने......2
बदीयां तो मन नूं लै, मोड़ प्यारया
सतगुरू–सतगुरू बोल प्यारया......

नाम दी ही महिमा सारी, गुरबाणी दसदी,
फेर वी क्यों नी तैनूं, गल ऐहे जचदी......2
सब सन्तां बजाए, कहके ढोल प्यारया
सतगुरू–सतगुरू बोल प्यारया......

नाम विच सुख, कदे आऊंदा, नईयो दुःख जी,
जन्मा–जन्मा दी ए, मिट जांदी भुख जी......2
गुरू–गुरू रट, ना तूं, डोल प्यारया
सतगुरू–सतगुरू बोल प्यारया.....

सतगुरू अजायब जी दी, आऊंदी जदों याद सी,
गुरू वाली याद विच, रोया साधुराम सी......2
डुबदा सी मैंनूं, ओसे ने ही तारया
सतगुरू–सतगुरू बोल प्यारया......

बेनती कबूल साडी कर लयो गुरूजी

सन्त साधुराम

बेनती कबूल साडी कर लयो गुरूजी,
बच्चे अनजाण माफ कर दो गुरूजी......2
बेनती कबूल साडी.........

तेरे तों बगैर माफ, सानूं किहने करना,
तैत्थों दूर रहके दाता, पल वी नहीं सरना......2
रोगीयां दे सारे, दुःख हर दो गुरूजी
बेनती कबूल साडी..........

भूले होए जीव असीं, रास्ता दिखाओ जी,
पापी अपराधियां नूं, चरणां नाल लाओ जी......2
इक वारी सिर हथ, धर दो गुरूजी
बेनती कबूल साडी..........

मंगते हॉ तेरे दाता, तेरे कोलो मंगदे,
नाम वाले रंग विच, सानूं साईया रंग दे......2
खाली भांडयां नू, आप भर दो गुरू जी
बेनती कबूल साडी..........

औगुणा दे भरे होए, असी गुनाहगार जी,
ऐसे लई चल आए, गुरू तेरे दवार जी......2
बख्श लयो जी सानूं, आप ही गुरू जी
बेनती कबूल साडी..........

शंहनशाह दा शंहनशाह तूं, असी तेरे लाल जी,
सतगुरू अजायब जी तूं, बड़ा ही दयाल जी..........2
साधुराम आखे दया, कर दो गुरूजी......
बेनती कबूल साडी..........

छड दुःखां दा देश ओ बंदया

सन्त साधुराम

छड दुःखां दा देश ओ बंदया छड दुःखां दा देश
तुर चल सचखण्ड देश ओ बंदया तुर चल सचखण्ड
ओ सुखां देश ए बदंया, ना कोई दुःख कलेश
छड दुःखां दा देश ओ बंदया......

साध संगत विच जाया कर तूं,
यश सतगुर दा गाया कर तूं......2
नीचो–ऊंच करे ओ सतगुरु, बण जा तूं दरवेश
छड दुःखां दा देश ओ बंदया......

कदे किसे दा दिल ना दुःखावीं,
दसां नोहां दी करके खावीं.....2
मन सतगुरू दा कहणा बन्दया, अन्दर कर प्रवेश
छड दुःखां दा देश ओ बंदया......

चल लग गुरू अजायब दे चरणी,
मुक जावे तेरी करनी–भरनी......2
सतगुरू दे गुण गाऊंदा ए, जिवे साधुराम हमेश
छड दुःखां दा देश ओ बंदया......

सचखण्डों गुरूजी अजायब चल आ गया

सन्त साधुराम

सचखण्डों गुरूजी, अजायब चल आ गया,
प्यासिंया रूहां नूं, नाम दा अमृत पिया गया......2
सचखण्डों गुरूजी, अजायब चल आ गया......

कई जन्मा तों रूहां, जो सी निरभागणा,
चरणां च लग सब, हो गईयां सुहागणा......2
लावां लैण आप ही ओ, लाड़ा बण आ गया
सचखण्डों गुरूजी, अजायब चल आ गया......

नाम तों बगैर बंदा, नईयो किसे कम्म दा,
भैड़ियां जूनां दे विच, जमदा ते मरदा......2
आपणे प्यारयां नूं, आके समझा गया
सचखण्डों गुरूजी, अजायब चल आ गया......

लाए जेहड़े बूटे, करे आप ही संभाल जी,
आपणे प्यारयां दे, रहंदा नाल–नाल जी......2
माली बण बूटयां नूं, पाणी आप पा गया
सचखण्डों गुरूजी, अजायब चल आ गया......

गुरां ने चला के रखी, सदा ओई रीत जी,
सेवकां दा रिहा सदा, बणके ओ मीत जी......2
ओही सेवा फेर, साधुराम नूं सभाल गया
सचखण्डों गुरूजी अजायब चल आ गया......

आजो संगतो जी गुरॉ दा दिदार कर लो जी

सन्त साधुराम

आजो संगतो जी गुरॉ दा दिदार कर लो जी, आजो संगतो
वंडे नाम दे खजाने झोलियां नूं भर लो जी, आजो संगतो......2
आजो संगतो जी गुरॉ दा..........

साडे लई छड आया महल अते माड़ियां,
ला लिया ए डेरा ओने, आके विच झाड़ियॉ......2
लगे जिंदड़ी नूं जेहड़े दुःख, सब हर लो जी
आजो संगतो जी गुरॉ दा..........

सच्चे सुच्चे नाम दा जो दे रहा पैगाम जी,
इस नूं ध्याइए हर रोज सुबह शाम जी......2
रब्ब धरती ते आया एतबार कर लो जी
आजो संगतो जी गुरॉ दा..........

सावन दे वांगू ही रूहां नूं आप ठारदा,
साधुराम आखे ऐही, रूप किरपाल दा......2
गुरू आ गया अजायब सत्कार कर लो जी
आजो संगतो जी गुरॉ दा..........

तेरी याद च सतगुरू साईयां अखियां भर आईयां

सन्त साधुराम

तेरी याद च सतगुरू साईयां, अखियां भर आईयां......2
राह तकदी, वांग शुदाईयां, अखियां भर आईयां......2
तेरी याद च सतगुरू साईयां..........

रोज बनेरियो, काग उडौंदी, कंधा ते मैं, लीकां पौंदी......2
वे तूं कदों मिलेगा, साईयां अखियां भर आईयां
तेरी याद च सतगुरू साईयां..........

हरपल तेरी, याद सतावे, अखियां विच, ना निदंर आवे......2
मेरी जान उत्ते, बण आईयां, अखियां भर आईयां
तेरी याद च सतगुरू साईयां..........

गिण–गिण लंगीयॉ, बहुत तरीकां, साधुराम करे, तेरीयां उडीकां......2
गुरू अजायब जी, दर्श तेरे दीयां, मन विच आसॉ लाईयां
तेरी याद च सतगुरू साईयां..........

मैं तेरा हो गया सतगुरू ते की औकात सी मेरी

सन्त साधुराम

किनां शब्दां विच ब्यान करां, तारीफ गुरूजी तेरी
इस कमले–रमले साधु ते, ऐसी रहमत होई तेरी

मैं तेरा, हो गया सतगुरू, ते की औकात सी मेरी,
अजायब जी, हो गया तेरा, ते की औकात, सी मेरी......2
तूं चन बण आ गिया, साईयां, ए जिन्दगी रात, सी मेरी......2
मैं तेरा, हो गया सतगुरू.........

इस मोए नूँ, आप जिवाया, नाम शब्द दा, साह विच पाया......2
रखागां सांभ के, सतगुरू, मिली सौगात, जो तेरी
मैं तेरा, हो गया सतगुरू..........

तैत्थों दस की, लुकाया जी, छुपावां ते, छुपावां की......2
के हुण तक, उड वी जाणी सी, सिवे दी राख, सी मेरी
मैं तेरा, हो गया सतगुरू.........

जद दुःखां दा, बदल छाया, सुख दा साया, बण के आया......2
सुत्ते नू आ जगाया सी, ते पा प्रभात, सी फेरी
मैं तेरा, हो गया सतगुरू.........

हुण मैंत्थों ना, बिछुड़ जावीं, साधुराम नू, ना तड़फावीं......2
तैत्थों बिन किहने, पुछणी ए, अजायब जी बात, ए मेरी
मैं तेरा, हो गया सतगुरू..........

हर थां लाज रखीं मेरे दाता

सन्त साधुराम

हर थां लाज रखीं मेरे दाता, ए अरदास है मेरी,
तेरे बाजों दास निमाणा, जिवें मिटटी दी ढेरी......2
हर थां लाज रखीं मेरे दाता.........

जद तक तन विच श्वास रहण, मैं तेरे ही गुण गावां,
ऐनी दया करी सतगुर, इक पल वी, ना मनो भुलावां......2
तेरे चरणां विच गुजर जाए, सारी ऊमर ए मेरी
हर थां लाज रखीं मेरे दाता..........

जित्थे जावां नाल रही तूं, बण मेरा परछावां,
सिर ते हथ मेहर दा रखी, ना ततीयां लगण हवावां......2
बिन तेरे हा कखां वरगा, ना कोई कीमत मेरी
हर थां लाज रखीं मेरे दाता.........

दसां नोहां दी किरत करां, ना हक पराया खावां,
अपणी नेक कमाई विचों, कुझ सेवा दे विच लावां......2
मेरे कोले कुझ नहीं मेरा, जिंद अमानत तेरी
हर थां लाज रखीं मेरे दाता.........

ऐत्थे वी ते ओत्थे वी, गुरू अजायब जी तेरा सहारा,
लख–लख शुकर मनावे तेरा, साधुराम विचारा......2
तूंही मेरा परम पिता ते, मै हां आत्मा तेरी
हर थां लाज रखीं मेरे दाता..........

120

सेवकां दे कारज सवारदा

सन्त साधुराम

सेवकां दे कारज सवारदा,
गुरू मेहर दी नजर जदों मारदा......2
सेवकां दे कारज सवारदा......

जिसनूं वी सांई इक वार तक लैंदा ए,
चक्कर चौरासी वाला आप कट देंदा ए......2
बूहा खोल देवे सचखण्ड दवार दा
गुरू मेहर दी नजर जदों मारदा......

दीन दयाल दाता सदा ही दया करदा,
हर थां सहाई हो के लाज आप रखदा......2
आओ शुकर मनाईए ए दातार दा
गुरू मेहर दी नजर जदों मारदा......

जो वी दर चल आवे खाली नईयों मोड़दा,
नाम शब्द दे के रब्ब नाल जोड़दा......2
भवसागर तों पार उतारदा
गुरू मेहर दी नजर जदों मारदा......

चरणां नाल लाया साधुराम जहे गरीब नूं,
पलां विच फेर दित्ता दास दे नसीब नूं......2
बेटा बणया गुरू अजायब सरदार दा
गुरू मेहर दी नजर जदों मारदा.......

मन भटक–भटक कर हार गया

सन्त साधुराम

मन भटक–भटक कर हार गया, अब आ ही गया टिकाने पे......2
सतगुरू ने ऐसा नाम का तीर दिया, जो जाके लगा निशाने पे
मन भटक–भटक कर हार गया..........

नाम शब्द का तीर लगा जब, हो गया ये मन घायल,
रहा ठिकाना नही खुशी का खनकी आत्मा की पायल......2
लाख बार समझाया इसको, मान गया समझाने पे
मन भटक–भटक कर हार गया..........

पहले तो इस चंचल मन ने, एक बात नहीं मानी,
धीरे–धीरे आ गया काबू, जब माया सतगुरू की जानी......2
अब नाम के नशे मे चूर रहे, पहले जाता था मयखाने पे
मन भटक–भटक कर हार गया..........

छोड़ दिये हठ सारे इसने, अब नाजुक हालत इसकी,
फिर उसको भाई डर कैसा, बांह सतगुरू पकड़ी जिसकी......2
जब गुरू अजायब जी साथ तेरे, साधुराम लेना क्या जमाने से
मन भटक–भटक कर हार गया.........

122

करयो कबूल साडी बेनती गुरू जी

सन्त साधुराम

करयो कबूल साडी, बेनती गुरू जी,
तूंही ए सहारा होर, कोई ना गुरूजी......2
साथों मरया नही जाणा, बार–बार गुरूजी
सानूं पापीयां नूं लाओ, भव पार गुरूजी
करयो कबूल साडी.........

जूनीयां दा दुःख साथों, भोगिया नहीं जाणा,
कट दिओ साडा तुसी, औणा अते जाणा......2
जूनां भोग–भोग गऐ, असी हार गुरूजी
करयो कबूल साडी..........

डिक–डोले खांदी साडी, जिन्दगी दी किश्ती,
तेरे तो बगैर दाता, की ए साडी हस्ती......2
अंसी डुबदे हा अध–विच कार गुरूजी
करयो कबूल साडी.........

सतगुरू अजायब जी, आओ बणके मल्लाह जी,
सारी ही संगत रही, वासते ए पा जी......2
साधुराम रिहा, अरजां गुजार गुरूजी
करयो कबूल साडी..........

रहण दे गरीब पर दूर ना करीं

सन्त साधुराम

रहण दे गरीब, पर दूर ना करीं,
विछड़ जा तैथों, मजबूर ना करीं......2
रहण दे गरीब, पर दूर ना करीं......

महलां अत्ते माड़ियॉ दी, मैंनूं कोई लोड़ ना,
जे तूं मेरे कोल किसे, गल दी वी थोड़ ना......2
सदा ए गरीब सिर, हथ तूं धरीं
रहण दे गरीब पर, दूर ना करीं......

दिल च तड़फ, सदा रखी, तेरे प्यार दी,
हर वेले रूह रवे, वाजां तैनूं मार दी......2
जदों याद करा, आण कोल तूं खड़ी
रहण दे गरीब, पर दूर ना करीं......

अजायब जी दीदार तेरा, साधुराम मंगदा,
होया मस्ताना तेरे, नाम वाले रंग दा......2
तेरा बण रहां, ऐसी दया तूं करीं
रहण दे गरीब, पर दूर ना करीं......

सईयो नी मैं सतगुर वर पाया

सन्त साधुराम

सईयो नी मैं, सतगुर वर पाया
सखीयो नी मैं, सतगुर वर पाया
जद दा वरया, सोहणे नूं मेरा, हो गया रूप सवाया
सईयो नी मैं, सतगुर वर पाया...........

ऐसे वर दा, की वरना जो, जन्मे ते मर जावे......2
ऐहो जया, वर वरीए नी जो, धुर तक साथ निभावे......2
ओही असल सुहागण, जिसने हृदय विच वसाया
सईयो नी मैं, सतगुर वर पाया...........

दिल दा महरम, बण के मेरे, सारे दुःखड़े सुणदा......2
जन्म जन्म दा, रिश्ता सी ए, रिश्ता नहीं कोई हुण दा........2
कई जन्मा दी, सुत्ती नूं मैंनूं नीदों आण जगाया
सईयो नी मैं, सतगुर वर पाया...........

अजायब जी मेरे, दिल दा जानी, नाम शब्द, दे गया निशानी.....2
जपदी–जपदी, हो गई अड़ीयो, ततड़ी रूह मस्तानी......2
ऐसे लई मैंनूं, ओसे ने ही अज, साधुराम मिलाया
सईयो नी मैं, सतगुर वर पाया...........

इस दम दा की भरवासा ए

सन्त साधुराम

इस दम दा की भरवासा ए, दम आया, आया ना आया.....2
इस दम दा की भरवासा ए......

क्यों मेरी–मेरी करदा ऐ, ऐवें कुफर दी बेड़ी चड़दा ऐं......2
दो गज दा टोटा कफन तेरा......2
हथ आया, आया ना आया
इस दम दा की भरवासा ए......

ऐ साह दा की परवासा ए, ऐ दुनिया दम दा वासा ए......2
दम–दम इक दम दिलासा ए......2
इस दम दा की भरवासा ए......

आखर बंदया मर जाणा ए, जा मिट्टी विच समाणा ए......2
ए दम इक दम दा झांसा ए......2
इस दम दा की भरवासा ए......

हर दम नाम धया बंदया, गुरू अजायब जी दसदा राह बंदया......2
साधुराम तां ऐहो कहंदा ए ओ कुल दुनिया दा दाता ए
इस दम दा की भरवासा ए......

याद जदों वी गुरूजी तेरी आवे

सन्त साधुराम

याद जदों वी गुरूजी तेरी आवे, ते रोंदे मेरे नैण रात नूँ......2
हर वेले तेरी दीद दे तिहाए, ए छम–छम बहण रात नूँ......2
याद जदों वी गुरूजी तेरी आवे..........

खोरे कद सुणेगां तूं, मेरी फरियाद वे,
दिल च आबाद सदा, रहदीं तेरी याद वे......2
यादां गुरूजी, चंगीया ने तेरीयॉ, ए कोल मेरे रहण रात नूँ
याद जदों वी गुरूजी तेरी आवे..........

तेरा ए बिछोड़ा मैत्थों, जांदा नईयो झलया,
हंजूऑ दा हड़ मैत्थों, जांदा नईयो ठलया......2
मर जावांगी जे, अजे वी ना आया, एहो गल कहण रात नूँ
याद जदों वी गुरूजी तेरी आवे..........

तेरे पिछे सोहणयां मैं, हो गयी फकीर वे,
हुण ते जगा दे आके, सुत्ती तकदीर वे......2
नित जाग–जाग तकदी हॉ रांवा, ते उठ–उठ बहण रात नूँ
याद जदों वी गुरूजी तेरी आवे..........

मसां–मसां तेरे नाल, होया साइयां मेल वे,
खत्म ना होजे कित्ते, प्यार वाला खेल वे......2
हथ जोड़ तैनूं, वास्ते मैं पावां, ना आवे नित चैन रात नूँ
याद जदों वी गुरूजी तेरी आवे.........

चंगीया तूं मेरे नाल, लाके निभाईयां वे,
तेरे बिना होई साईयां, वांग शुदाईयां वे......2
तेरे आऊण दी उडीका, साईयां, खुले रखां नैण रात नूॅ
याद जदों वी गुरूजी तेरी आवे..........

दिल दियां गल्ला मैं, अजायब जी, तैनूं कईया ना,
साधुराम दे प्यार दियां, खिचां तैनूं पईया ना......2
तेरे पैरां दियां मिट्टीयां, नूं चुम चुम के, ते पावां नित वैन रात नूॅ
याद जदों वी गुरूजी तेरी आवे..........

आ आके दातया तूं देजा वे दीदार

सन्त साधुराम

आ आके, दातया तूं, देजा वे दीदार......2
आई दर ते, निमाणी, असीं बाल हां निआणे......2
साडी सुन लै गरीबां दी पुकार......2
आ आके, दातया तूं..........

सचखण्ड विच, वसेरा तेरा, धरती ते आ, पा जा फेरा......2
रूहाँ अरज़ां, करण बार–बार......2
आ आके, दातया तूं..........

मुदद्ता तों असीं, विछड़े होये, ऐसे लई तेरे दर आ रोऐ......2
असीं डुबदे हां, अद्ध विचकार......2
आ आके, दातया तूं..........

खैर नाम दी, झोली पादे, जन्म मरण दा, चक्कर मिटादे......2
दाता नाम, बिना कोई ना आधार......2
आ आके, दातया तूं..........

गुरू अजायब जी तैनूं, वास्ते पावे, रो–रो के साधुराम बुलावे....2
साडा कोई नहीं, विच संसार......2
आ आके, दातया तूं...........

चेते करके गुरू जी तैनूं रोवां

सन्त साधुराम

चेते करके, गुरू जी तैनूं रोवां, हंजुआ दा हड़ वगदा......2
बैठा हंजुआ दे, हार परोवां
कुज्ज वी नई चंगा लगदा......2
चेते करके, गुरू जी तैनूं रोवां..........

तिल–तिल करके मैं, रोज जावां मुकदा
सुकियां रूखां दे वांगु, जावां नित सुकदा......2
भला तैत्थों की मैं, दातया लुकावां......2
तूं भेदी मेरी रग–रग दा......2
चेते करके, गुरू जी तैनूं रोवां..........

तेरीयां जुदाइयां मैत्थों, झल्लियां नहीं जांदिया,
कालीयां ए रातां, सप्पां वांगु मैनूं खांदियां......2
गिल्ले गोयां दी, अग्ग वांगु दातया
हर दम रैहंदा तुखदा......2
चेते करके, गुरू जी तैनूं रोवां..........

सतगुरू अजायब जी मैं, तेरा ही मुरीद हां,
साधुराम लैंदा, रब्ब तो वी पहलां तेरा नाम......2
तेरी याद दा, चिराग साईयां मेरया
हर वेले रैहदा जगदा......2
चेते करके, गुरू जी तैनूं रोवां..........

चढ़ियां सतगुरू चढ़ियां

सन्त साधुराम

चढ़ियां सतगुरू चढ़ियां, लोरां तेरे नाम दियां......2
मैं कमली नूं भुलीयां, (2) खबरां सुबह शाम दियां
चढ़ियां सतगुरू चढ़ियां.........

नाम दा अमृत ऐसा पीता, हो गईआं मस्तानी......2
मीरा वांगू सतगुरू सांईयां, मैं तेरी दीवानी......2
जिवें इकतारे ते गांईयां, (2) सिफता अपने श्याम दिया
चढ़ियां सतगुरू चढ़ियां.........

हर वेले मैं नाम तेरे दी, सतगुरू महिमा गावांगी......2
सेवा सिमरन कर दाता मैं, जीवन सफल बणावांगी.....2
भागा वालियां रूहां जो, (2) गुण तेरे गां दियां
चढ़ियां सतगुरू चढ़ियां.........

गुरू अजायब जी, दया करीं तूं, रखी मान निमाणे दा......2
फेर दुबारा मिलना औखा, ज्यों नदियों बिछड़े पानी दा......2
जिवें अपने हथ विच रखीयां, (2) तैं डोरां साधुराम दियां
चढ़ियां सतगुरू चढ़ियां.........

लोरां–मस्ती

चरणां विच रख दातया

सन्त साधुराम

चरणां विच रख दातया, असीं बच्चे हां गुरू जी तेरे......2
दया कर संगतां ते, कर मन दे दूर हनेरे......2
चरणां विच रख दातया.........

तेरे तों बगैर, दातया सानूं, दिसदा ना होर सहारा......2
तेरे बाजों किने पूछणा, पावें वसदा जहान ऐथे सारा......2
सानूं वी दे तार मालका, (2) तेरे दर तों तरे ने बथेरे
चरणां विच रख दातया.........

वाली तूं ऐं दो जहांन दा, तूं ही कुल दुनियां दा दाता......2
भगतां दी, लाज रखदा, तूं ही सतगुरू पुरख विधाता......2
तेरे दर खुशी मिलदी, (2) लाये ऐसे लई असां ने डेरे
चरणां विच रख दातया.........

की–की तेरी सिफत करां, मैनूं लफजां दी थुड़ रहंदी......2
तक नूरी, मुखड़े नूं, भुख ए, सारी मिट जांदी......2
हर वेले, रहण तकदे, (2) दो नैण ए गुरू जी मेरे
चरणां विच रख दातया.........

शहनशाह, गुरू अजायब जी, तेरे दर ते कमी ना कोई......2
साधुराम हथ जोड़दा, मैनूं दे दयो गरीब नूं ढोई......2
मेहरां कर मेहरां वालया, (2) सुत्ते भाग जगा दे मेरे
चरणां विच रख दातया.........

131

तेरी दया नाल सारे कम्म होई जांदे ने

सन्त साधुराम

तेरी दया नाल सारे, कम्म होई जांदे ने......2
नैण फेर वी, खुशी दे विच, रोई जांदे ने......2
तेरी दया नाल दाता, तेरी दया नाल दाता......2
तेरी दया नाल सारे..........

ऐसे तरह मेहरां, बरसाईयां मेहरांवालया,
कदरां गरीब दियां, पाईयां मेहरांवालया......2
जिवें ढुल–ढुल मुख, (2) वेख धोई जान्दे ने
तेरी दया नाल सारे...........

पहला रोये चन्दरे, जग दियां चीजां लई,
अज साईयां रोण बस, तेरीयां ही दीदां लई......2
कच्चे कोठेयां दे वांग, (2) किवें चोई जान्दे ने
तेरी दया नाल सारे...........

होंदीयां अजायब जी, जे तेरियां ना रहमतां,
कित्थों रंग लयोनियां सी, साधुराम दियां नेमतां......2
चारे पासे तेरे गुणगान होई जान्दे ने
तेरी दया नाल सारे...........

आजा सतगुरू प्यारे राहां तकदी खड़ी निमाणी

सन्त साधुराम

आजा सतगुरू प्यारे, राहां तकदी खड़ी निमाणी......2
ज्यों पानी बिना मछली तड़फे, तड़फे ए मरजाणी
आजा सतगुरू प्यारे, राहां..........

सुक्के रूःखां वांगू सुक गई, याद तेरी विच ज्योंदी, मुक गई.....2
ना कुझ खांवा ना कुझ पीवां, भावे अन्न ना पानी
आजा सतगुरू प्यारे, राहां..........

तैं जेहा मैनूं होर ना कोई, मेरे जहीयां तैनूं लखां......2
तेरे बाजों रूलदी साईयां, विच गलियां दे कःखां......2
आ सुलझा दे आके सतगुरू, उलझी होई ताणी
आजा सतगुरू प्यारे, राहां..........

गुरू अजायब जी छेती आजा, टुटया होया धीर बना जा......2
साधुराम सुणावे तैंनूं, अपनी दर्द कहानी......2
आजा सतगुरू प्यारे, राहां.........

सतगुरू जी आये ने

सन्त साधुराम

सतगुरू जी आये ने......2
मानस चोला धार प्यारयो, गुरू अजायब जी आये ने......2
सतगुरू जी आये ने.........

सोहणा नूरी मुखड़ा ए......2
वाली ऐह, संसार दा, सांई सुणदा दुखड़ा ऐ......2
सतगुरू जी आये ने.........

आवो दर्शन पा लईये......2
धूड़ी गुरू, चरणां दी, चुक मथ्थे नाल, ला लइऐ......2
सतगुरू जी आये ने.........

नाम अजायब जी है उसदा......2
लोकां भावें, बन्दा जाणया, पर मैनूं रब्ब दिसदा......2
सतगुरू जी आये ने.........

की सिफत करां उस दी......2
अखियां चों, हंजू वगदे, अगे कलम नहीं लिख दी......2
सतगुरू जी आये ने.........

हौका साधुराम लाया ए.....2
पापां तों, मुक्त होणगे, जिन्हां दर्शण पाया ऐ......2
सतगुरू जी आये ने.........

बन्दया जुबानों सदा गुरू गुरू बोल

सन्त साधुराम

बन्दयां जुबानों सदा, गुरू गुरू बोल
प्यारया जुबानों सदा, गुरू गुरू बोल
गुरू नइओं दूर तेरे, रहंदा कोल कोल
बन्दया जुबानों सदा.........

गुरू गुरू जेहड़ा मुखौ, हर वेले बोल दा,
दुखां ते मुसीबतां च, कदी नइओं डोलदा......2
अन्दर वसेंदा तेरे, बाहरों ना तूं टोल......2
बन्दया जुबानों सदा..........

गुरू गुरू जिन्हां मुखौ, सेवकां ने रट्टया,
ओन्हां ने ही फायदा, मानस जामें दा है खट्टया.....2
सच्चा, अते सुच्चा गुरू, नाम अनमोल......2
बन्दया जुबानों सदा..........

गुरू गुरू कंहदया ना, थकदी जुबान ए,
गुरू दी ना महिमा कित्ती, जांदी ब्यान ए......2
सच्च वाला सौदा कर, ना तूं कूड़ा टोल......2
बन्दया जुबानों सदा..........

गुरू गुरू कहणा ए, अजायब जी सिखा गया,
कःखां तो ए लखां दा, साधुराम नूं बणा गया......2
अज तक भुलया नहीं, मिट्ठे औदे बोल......2
बन्दया जुबानों सदा..........

जे सतगुरू नूं राजी करना

सन्त साधुराम

जे सतगुरू नूं राजी करना, सिमरन भजन करो
प्यारयो सिमरन भजन करो
जे मुरश्द नूं, राजी करना, सिमरन भजन करो
प्यारयो सिमरन भजन करो
जे सतगुरू नूं राजी करना......

दुनियां वल्लों ध्यान हटावो, चित गुरू चरणां, दे विच लाओ......2
प्रेम प्यार नाल बैहके सारे, गुरू नूं याद करो
प्यारयो सिमरन भजन करो
जे सतगुरू नूं राजी करना......

सिमरन भजन दा तीर, चलाओ, मन दुश्मन नूं, मार गिराओ......2
घेर घार के, राह ते लयाओ, मन दे नाल लड़ो
प्यारयो सिमरन भजन करो
जे सतगुरू नूं राजी करना......

ना गुरू रीझे, गल्लीं बातीं, ना नहाते ना धोते
काया विच जो, अमृतसर ए, इस विच लाओ गोते......2
तन मन कागां, वरगा जो ए, हंसा वांग करो
जे सतगुरू नूं राज़ी करना......

अजायब गुरू दी, शरण विच रहणा,
साधुराम ने सिख लया, गुरू गुरू कहणा......2
ऐ तन मन धन, अपना ए जो, गुरू नूं अर्पण करो
प्यारयो सिमरन भजन करो
जे सतगुरू नूं राजी करना......

लग गये गुरू दे चरणी

सन्त साधुराम

लग गये गुरू दे चरणी जो, निहाल हो गये.......2
बिना बोलया ही सारे हल, सवाल हो गये......2
लग गये गुरू दे चरणी जो..........

गल्लां दा मजबून नहीं ए, करणी पवे कमाई,
सच्ची तड़फ वेख के होवे, सतगुरू आप सहाई......2
तन मन गुरू नूं सौंप जो, (2) गुरू दे लाल हो गये
लग गये गुरू दे चरणी जो.........

रखया जिन्हा भरोसा ओना, सब कुज ही ए पाया,
दुख विच वी, ते सुख विच वी, सतगुरू दा नाम ध्याया......2
कल तक जो गरीब सी, (2) अज माला माल हो गये
लग गये गुरू दे चरणी जो..........

पूरे सतगुरू दा, संग कीता, नाम प्याला, साधुराम ने पीता,
गुरूबाणी ए कंहदी, जिसने, मन जीता जग जीता......2
गुरू अजायब जी इस गरीब ते, (2) दयाल हो गये
लग गये गुरू दे चरणी जो...........

137

ओ मन मेरे गा लै गुरू दे गीत

सन्त साधुराम

ओ मन मेरे, गा लै गुरू दे गीत.......2
मतलब दे, सब संगी साथी, सतगुरू सच्चा मीत
ओ मन मेरे, गा लै गुरू दे गीत...........

काल ने तैनूं है, भरमाया, सच दी राह तो, वी भटकाया.......2
गुरू चरणां विच, लग के, होए, मुर्दे वी सरजीत
ओ मन मेरे, गा लै गुरू दे गीत.........

अपने घर नूं, तूं भूलया ऐं, इस दुनियां विच, आ रूलया ऐं.......2
झूठे जग दे, रिश्ते नाते, झूठी जग दी प्रीत
ओ मन मेरे, गा लै गुरू दे गीत.........

जिवें सतगुरू, अजायब दी महिमा, साधुराम ने गाई, शब्दां राही
संगत दे विच, कर दित्ती वडियाई.......2
ऐसी ही, होनी चाहिदी गुरू सेवक दी प्रीत
ओ मन मेरे, गा लै गुरू दे गीत.........

भावें माला गल पा लै

सन्त साधुराम

भावें माला गल पा लै, भावें धूणियां तपा लै......2
भावें सिर मुंडवा लै, रब्ब नईओं मिलना
गुरू तो बगैर बन्दे, गुरू तो बगैर........

भावें घर बार छड, जाके जगलां च बैहजा,
भावें बण के पुजारी, किसे मन्दर दा बैहजा......2
भावें गुफा पट बैहजा, (2) रब्ब नईओं मिलना
गुरू तो बगैर बन्दे, गुरू तो बगैर........

गुरू ज्ञान बिना नईओं, हुंदी कदे भगती,
गुरू नाम विच होंदी, वखरी ही शक्ति......2
पढ़ वेद पुराण, (2) रब्ब नईओं मिलना
गुरू तो बगैर बन्दे, गुरू तो बगैर........

पढ़ी जा किताबां, किसे, कम्म नईओं आउणियां,
गुरू बिना नईओं किसे, राहां दिखाउणियां......2
भावें तीरथां ते नाह लै, (2) रब्ब नईओं मिलना
गुरू तो बगैर बन्दे, गुरू तो बगैर........

साधुराम वेखे सारे, कर परपच ओऐ,
मिलया अजायब गुरू, तां आया सच्च ओय......2
कदे माली बिना नईओं, (2) ऐह बाग फलना
गुरू तो बगैर बन्दे, गुरू तो बगैर........

असीं बच्चे हां गुरू अजायब दे

सन्त साधुराम

असीं बच्चे हां, गुरू अजायब दे, साडा सतगुरू ए सरदार......2
सानूं करना प्रेम सिखा गया, असीं उस दा ही परिवार......2
असीं बच्चे हां, गुरू अजायब दे...........

गुरू नाम दे बूटे ला गया, जो महकां रहे ने मार......2
ऐसी महक खिलारी नाम दी, गई सत्त समुंदरो पार......2
असीं डुबदे अद्ध विचकार सी, बाहों फड़ दित्ता तार
असीं बच्चे हां, गुरू अजायब दे...........

सानूं नाम शब्द नाल, जोड़ के, सब कट दित्ते जंजाल......2
ओ वाली दो जहान दा, रखे सब दा आप ख्याल......2
रहमत नाल भर गया झोलियां, ऐसी कित्ती दया अपार
असीं बच्चे हां, गुरू अजायब दे...........

तेरे जेहा कोई ना दातया, तेरे गुण गाईये दिन रात......2
जे, तूं चरणी ना, लांवदा किने पूछणी सी साडी बात......2
साधुराम करे हथ जोड़ के सोहणे सतगुरू दा सत्तकार
असीं बच्चे हां, गुरू अजायब दे.........

रंग गुरां दे प्यार वाला चढ़या

सन्त साधुराम

रंग गुरां दे प्यार वाला चढ़या,
होर कोई रंग ना चढ़े.......2
पल्ला जदों दा गुरू दा असीं फड़या
कदे वी कोई कम्म ना अड़े.......2
रंग गुरां दे प्यार वाला चढ़या..........

औगणा दे भरया नूं, चरणां नाल ला लया,
भुल्ले होये राहीयां नूं, सीधे राहे पा लया.......2
हुण जांदिया नहीं, खुशीयां, सम्भालियां
पहले दुख जरे सी बड़े.......2
रंग गुरां दे प्यार वाला चढ़या..........

पापीयां दे उत्ते दया, कर–ती दयाल ने,
पता नहीं सी कित्थे, सानु सुटणा सी काल ने.......2
सानूं दया कर गुरू ने बचा लया
पापां विच्च जांदे सी हड़े.......2
रंग गुरां दे प्यार वाला चढ़या..........

मिलया अजायब गुरू, हुण कोई थोड़ ना,
साधुराम मंगे कदे, लख ते करोड़ ना.......2
मेरा सतगुरू, शहनशाहां दा शहनशाह,
कीते उपकार ने बड़े.......2
रंग गुरां दे प्यार वाला चढ़या..........

गुरू दाता दीनदयाल दया ही करदा ए

सन्त साधुराम

गुरू दाता दीनदयाल, दया ही करदा ए........2
रखे सब दा आप ख्याल, ते कझदा परदा ए
गुरू दाता दीनदयाल..........

उस दी वखरी शान निराली, कुल दुनियां दा है, ओ वाली......2
सब कारज पूरण आप, साईं करदा ऐ
गुरू दाता दीनदयाल........

सतनाम दा जाप करावे, भुलयां नूं जो राहे पावे........2
सदा दया मेहर नाल, सब दी झोली भरदा ए
गुरू दाता दीनदयाल..........

गुरू अजायब जेहा ना कोई, दित्ती साधुराम नूं ढोई........2
ऐसे लइ हर वेले ही, याद औनूं करदा ए
गुरू दाता दीनदयाल..........

मेरे विच मैं कदे ना आवे

सन्त साधुराम

मेरे विच मैं, कदे ना आवे, बोलां तूं ही तूं,
नाम तेरा, रच जावे साईयां, मेरे विच लूं लूं......2
मेरे विच मैं, कदे ना आवे...........

होमें हंगता दी, अग माड़ी, अन्दरो अन्दरी, जावे साड़ी......2
मैं वी, इस विच, सड़ जाणा सी, जे ना मेहर करेंदां तूं
मेरे विच मैं, कदे ना आवे...........

मैं मेरी विच, फस गये जेहड़े, लाउंदे विच, चौरासी गेड़े......2
तेरे लड़, लग के, साईयां, मैनूं हुण आइ ए सू
मेरे विच मैं, कदे ना आवे...........

मैं दे मारे लखां मर गये, काम क्रोध दी आग विच सड़ गये......2
हर बन्दे विच साईयां तूं ते, आप करे हूं हूं
मेरे विच मैं, कदे ना आवे...........

साधुराम, करे अरदासां,
गुरू अजायब जी, रख लई लाजां......2
हर शैह दे विच, वास है तेरा, जिवें कपड़े दे विच रूं
मेरे विच मैं, कदे ना आवे...........

पंच तत्वां दा पुतला ए तूं

सन्त साधुराम

पंच तत्वां दा, पुतला ए तूं, गन्दगी भरया गुथला ए तूं........2
सतगुरू बाजों, की बन्दया, (2) औकात ए तेरी
पानी देया बुलबलया, की मुनियाद वे तेरी

कम धन्दयां विच, दिन लंग जावे, सौं के रात गुजारी,
रब्ब नूं कदे न, चेते कीता, विष्यां ने मत मारी........2
जिसदे सदके, ज़िन्दगी बन्दयां, (2) आबाद ऐ तेरी
पानी देया बुलबलया, की मुनियाद वे तेरी.........

इक दिन पौणा, बन्दया तैनूं, आण जमा ने घेरा,
मंदी हालत होणी तेरी, जद दम निकलूगा तेरा........2
रोंवेगा, ओदों किसी ना सुणनी, (2) फरियाद वे तेरी
पानी देया बुलबलया, की मुनियाद वे तेरी.........

लभ लै गुरू अजायब, जेहा कोई, जो राहे तैनूं पा दे,
साधुराम दे, वांगु तेरा, जीवन सफल बना दे........2
ओ दीन दुखी दा, वाली ऐ, (2) सुणू आवाज ए तेरी
पानी देया बुलबलया, की मुनियाद वे तेरी.........

तेरे नाम दा अमृत मैं

सन्त साधुराम

तेरे नाम दा, अमृत मैं, गुरू जी, पी सरजीवन होया.......2
नवीं मिली ऐ जिन्दगी मैनूं, पहला सी मैं मोया
तेरे नाम दा अमृत मैं...........

थां थां ते फिरदा सी रूलदा, पाया ऐ मुल, मेरी जिंद दा.......2
पहला सी मैं विच हनेरे, अज जा चानण होया
तेरे नाम दा अमृत मैं,...........

विषय विकारां सी मत मारी, फसया सी विच दुनियांदारी.......2
अज जा के ओ, सब कुछ मिलया, पहला सी जो खोया
तेरे नाम दा अमृत मैं...........

इस पापी दे पाप बक्श के, चरणां दे नाल लाया.......2
सड़दी बलदी रूह ते सतगुरू, नाम दा मींह वरसाया
इस मैले चोले नूं दाता, नाम शब्द नाल धोया
तेरे नाम अमृत दा मैं...........

दया करी, सतगुरू अजायब जी सानूं, भुलयां नूं राहे पाया.....2
स्वास स्वास नाम जपाया, इक पल ना मनो भुलाईये
चरणी लग के साधुराम दा, तन मन शीतल होया
तेरे नाम दा अमृत मैं...........

145

गुरू अजायब जी सच दा हौका ला गये

सन्त साधुराम

गुरू अजायब जी, सच दा हौका ला गये.......2
नाम बिना मुक्ति नहीं, फरमा गये.......2
गुरू अजायब जी..........

नाम दा ही दित्ता, ओना सन्देश जी.......2
वंडे नाम खजाने, देश विदेश जी.......2
ऐसे लई ओ, परमसन्त अखवा गये
गुरू अजायब जी..........

नाम दे के, लखां ही, रूहां तारियां.......2
काम क्रोध हौमें दियां, कटियां बिमारीयां.......2
काले कावां, नूं, ओ हंस बणा गये
गुरू अजायब जी..........

कर किरपा जिन्दगी, बणा ती गरीब दी.......2
हर थां गावां, वडियाई, गुरू अजायब दी.......2
इस लाधु नूं साधुराम बणा गये
गुरू अजायब जी..........

होया नाम जपण दा वेला

सन्त साधुराम

होया नाम, जपण दा वेला, उठ नींदों जाग प्यारया........2
ऐ समां है, बड़ा सुहेला, उठ नींदों जाग प्यारया........2
उठ नींदों जाग प्यारया..........

उठ जा प्यारे, ऐह, वेला नईओं सौण दा.......2
अमृत वेला होन्दा नाम ध्यौण दा.......2
तेरे हत्थों न खुंज, जाये वेला
उठ नींदों जाग प्यारया..........

कई जन्मा दा सुत्ता, सुत्ता रह जावीं ना.......2
काल वस पै के हीरा, जन्म गवावीं ना.......2
ऐ जग, चार दिनां दा मेला
उठ नींदों जाग प्यारया..........

इक दिन ऐसा सौणा, किसे वी जगौणा ना.......2
फिर तैनूं मूर्खा ओये, पै जाये पछतौणा ना.......2
मौत आवेगी, हवा दा बन रेला
उठ नींदों जाग प्यारया..........

गुरू बिना जीव नूं ना, किसे ने बचाया ए.......2
साधुराम जेना नाम, गुरू अजायब दा ध्याया ए.......2
पैजा शरणी, गुरू दा बन चेला
उठ नींदों जाग प्यारया..........

की करनी असां अमीरी

सन्त साधुराम

की करनी, असां अमीरी, मेरा, सतगुरू यार गरीबां दा.......2
जद नजर, दया दी कर दे, ताला खोल देंदा नसीबां दा.......2
की करनी, असां अमीरी...........

फल नींवे, रूःखां नूं लगदे, ऊच्चे नईओं, किसे वी कम्म दे......2
ओही गुरूमुख, है अखवौंदे, दम दम गुरू दा, जो नाम ध्यौंदे......2
ओथे वसदी, आप खुदाई, जित्थे होवे जिकर हबीबा दा
की करनी, असां अमीरी...........

अन्दर ही, अरदास करी दी, बिन बोले सब जाणे.......2
नीचो ऊंच, करे मेरा दाता, बन के रईये निमाणे.......2
ईक सतगुरू, उत्ते भरोसा ऐ, मेरीआं ते सब्बे उमीदां दा
की करनी, असां अमीरी...........

देरी ऐ, अन्धेर नहीं, सतगुरू सांई, दे द्ववारे.......2
वक्त औण ते, सेवकां दे, भर देंदा भंडारे.......2
जद गुरू खजाना, कोले है, की करना जग दिया चीजां दा
की करनी, असां अमीरी...........

सतगुरू तेत्थों, ऐहो मंगा, रंग जावां, विच नाम दे रंगां.......2
नाम खुमारी, चढ़ी रवे ते, उडदा रहा, मैं वांग पंतगां.......2
साधुराम ते, हर दम भुखा ए, गुरू अजायब जी तेरीयां, दीदां दा
की करनी, असां अमीरी...........

पी के गुरू कोलों नाम वाला जाम

सन्त साधुराम

पी के गुरू कोलों, नाम वाला जाम........2
तूं गुरू गुरू बोल प्यारया........2
पी के जाम कई, पुहंचे निजधाम
तूं गुरू गुरू बोल प्यारया.........

नाम कट देंदा, सारीयां, बिमारीयां,
रूह फिर दी ए, मार दी उडारीयां........2
ऐहो सतगुरू दित्ता ए पैगाम
तूं गुरू गुरू बोल प्यारया.........

नाम एत्थे वी, ते ओत्थे वी, सहाई ए,
सारे दुःखा दी ए, नाम ही, दवाई ए........2
लै श्रद्धा नाल, रोज सुबह शाम
तूं गुरू गुरू बोल प्यारया.........

दसीं सतगुरू, अजायब जी ए, युक्ति,
हुंदी नाम तो बगैर, नईओं मुक्ति........2
महिमा साधुराम, कर दा ब्खान
तूं गुरू गुरू बोल प्यारया.........

सचखण्ड चों गुरू जी आये

सन्त साधुराम

सचखण्ड चों, गुरू जी आये, कर लो दीदार संगतो
बेड़े डुबदे, गुरूां ने, बन्ने लाये, कर लो दीदार संगतो
सचखण्ड चों, गुरू जी आये...........

चिट्टी पग्ग, चिट्टी दाढ़ी, चिट्टा पाया चोला ए
मुखड़े दा नूंर वेखो, बड़ा अलबेला ए........2
तर गये जिनां, दर्शन पाये
कर लो दीदार संगतो...........

मत्थे विच जगदी, गुरूां दे रब्बी जोत जी
नमन करो जी अज, कोटी कोटी कोट जी........2
वेखो अम्बरों वी, फुल्ल वरसाये
कर लो दीदार संगतो...........

धरती ते आया सच्चा, सुच्चा भगवान जी
महिमा गुरू अजायब जी दी, कीती जांदी ब्यान नहीं........2
हथ जोड़, साधुराम शीश झुकावे
कर लो दीदार संगतो...........

तेरे चरणां दे विच साडी थां दातया

सन्त साधुराम

तेरे चरणां दे विच, साडी थां दातया
सिर रखी सदा, मेहरांवाली, छां दातया
तेरे चरणां दे विच............

रहिये पल वी ना दूर, दया कर दयीं जरूर
कदे भुल्ल के ना आवे, इस मन च गुरूर......2
तूं ही, भाई भैण पिता, तूं ही मां दातया
तेरे चरणां दे विच............

गुरू अते संगत दा, रिश्ता है गूढ़ा
तेरे बाजों साईयां, असीं गलियां दा कूड़ा......2
मसां तेरे दर मिली ए, पनाह दातया
तेरे चरणां दे विच............

सतगुरू अजायब जी तूं, माफी दा खजाना ए
अपना ना कोई सारा, जग ही बेगाना ए......2
माफ करी साधुराम दे, गुनाह दातया
तेरे चरणां दे विच............

151

नाम जपो ते मुक्ति पावो

सन्त साधुराम

नाम जपो ते मुक्ति पावो, ऐह सतगुरू दा सन्देश
ऐ ते देश, बेगाना बन्दया, तूं आया विच परदेश.......2

सब सन्तां ने, आके ऐत्थे, ऐहो, होका लाया,
नाम बिना नहीं, मुक्ति पाई, जिस नाम जपा, सुख पाया.......2
इस जग, दे विच, दुख बथेरे, ओ सुखां दा, देश
ऐ ते देश, बेगाना बन्दया..........

कम्म नहीं, ओणी जोड़ी माया, जे ना गुरू दा, नाम ध्याया,
नाम दवाई, कट देंदी ए, सारे दुःख कलेश.......2
ऐ ते देश, बेगाना बन्दया..........

सन्त दा मार्ग, धर्म दी पौड़ी, को वड भागी पावे,
जिसने गुरू दा, पल्ला फड़या ओ भवसागर तर जावे.......2
गुरूमुख होवे, जो रखदा कदे ना, मन विच भाव द्वेश
ऐ ते देश, बेगाना बन्दया..........

गुरू अजायब जी, हर सतसंग विच, ऐहो ही, फरमाया,
की फायदा, मानस जामें दा, जे ना रब्ब दा, नाम ध्याया.......2
साधुराम, कहे बाहर की लभदा, तूं अन्दर कर परवेश
ऐ ते देश, बेगाना बन्दया..........

वेखण नूं ते बन्दा ही लगदा

सन्त साधुराम

वेखण नूं ते, बन्दा ही लगदा
पर सतगुरू दाता, वाली जग दा.......2
जो अन्दर रूप पछाणो, (2) गुरू नूं रब्ब जाणो
रब्ब जाणो रब्ब जाणो, गुरू नूं रब्ब जाणो

कर्ता करे न कर सके, गुरू करे सो होऐ,
पापी जीवां दा बोझा, जो अपने सिर ते ढोए.......2
गुरू बिना ना कोई साडा, (2)ऐहो मन विच ठाणो
गुरू नूं रब्ब जाणो...........

देंदा दाता ऐक है, सब नूं देवनहार,
दैदंया टोट न आवंदी, उस दे भरे भण्डार.......2
पूरे गुरू दा पल्ला फड़ के, (2) सारे ही सुख माणो
गुरू नूं रब्ब जाणो...........

जो गुरू करदा ओ ना करीये, जो कहंदा सो करीये,
मिट्ठा भाणा मन गुरू दा, चरणां विच सिर धरीये.......2
भरम भुलेखे मन चों कढ के, (2) की ऐ असल स्याणो
गुरू नूं रब्ब जाणो...........

गुरू अजायब जी दा ए कहना, साधु दी शरणां विच रहना,
सौ हथ रस्सा गंढ सिरे ते पाठी वार वार नहीं कहना.......2
गुरू याद विच इंज रोवो, (2) जिवें रोवे बाल न्याणो
गुरू नूं रब्ब जाणो...........

स्याणो—पहिचानो

153

तेरे दर का भिखारी हूॅ दाता

सन्त साधुराम

तेरे दर का भिखारी हूॅ दाता, अब और कहां जाऊं.......2
दुनिया के आगे क्यूं, (2) यह झोली फैलाऊं
तेरे दर का भिखारी.........

तूं सब का दाता हैं, सब को ही देता है
जो मांगो, मिलता हैं, हर कोई कहता है.......2
किसी और के, आगे क्यों, (2) इस सर को झुकाऊं
तेरे दर का भिखारी........

कुछ और, नहीं मांगू, तेरी दया ज़रूरी है
प्यासे इन, नैनों को, दीदार, ज़रूरी है.......2
तेरे नाम सहारे मैं, (2) भवसागर तर जांऊं
तेरे दर का भिखारी........

गुरू अजायब, दयालू तूं, दया सब पे, करता है
फरियाद तूं, सुनता हैं, तुझे याद जो, करता है.......2
साधुराम यह कहता हैं, (2) मैं तेरा, हो जाऊं
तेरे दर का भिखारी.........

राहें जुदा जुदा हैं मंजिल एक है

सन्त साधुराम

राहें जुदा जुदा हैं, मंजिल एक है
सारी ही, दुनियां का, वो मालिक एक है......2
राहें जुदा जुदा हैं, मंजिल एक है............

हिन्दू मुस्लिम, सिख इंसाई, सब में उसकी जोत समाई......2
वो तो, ऐक है, मगर, (2) नाम अनेक है
राहें जुदा जुदा हैं, मंजिल एक है............

गौड वाहेगुरू, अल्लाह राम, सब उसके ही है यह नाम......2
रब्ब को पाने, के लिऐ, (2) अपना अपना विवेक है
राहें जुदा जुदा हैं, मंजिल एक है...........

गुरू अजायब जी, है यह कहते, मालिक सब के, अन्दर रहते......2
इसीलिये तो, साधुराम ने, (2) लगाई गुरू की टेक है
राहें जुदा जुदा हैं, मंजिल एक है.............

155

नाम दी कमाई कर

सन्त साधुराम

नाम दी कमाई कर नाम दी कमाई
बन्दे, नाम दी कमाई कर कमाई
विच दरगाह दे जेहड़ी, होणी ए सहाई
नाम दी कमाई कर...........

बन्दा होके जे तूं बन्दे, नाम ना ध्यावेंगा,
होणा नईओं, फायदा कोई, मूल वी गवावेंगा........2
हर वेले नाम जप, जोड़ पाई पाई
नाम दी कमाई कर...........

गुरू दी दया नाल तेरे, सारे कम्म होंणगे,
दुनियां दे सुख तेरी, झोली विच पैणगे.........2
वसदा ए निरकांर सबनी ही थाई
नाम दी कमाई कर...........

मन चो गरूर कड्ड, नींवा होके चल ओए,
लोभ मोह हनकार दे ना, जाई कदे वल ओऐ........2
सच्चे मनों जिस ने वी, अर्जी है लाई
नाम दी कमाई कर...........

गुरू जी अजायब इस, धरती ते आ गया,
आप नाम जपया ते, सब नूं जपा गया........2
साधुराम सेवादार, होका जावे लाई
नाम दी कमाई कर............

सन्त साधुराम जी

बाबा सावन सिंह जी महाराज

सतगुरू दा ढाड्डी हां

सन्त साधुराम

सतगुरू दा ढाड्डी हां, महिमा सतगुरू दी ही गांवा.......2
चरणां विच थां दित्ती (3) हर दम लख लख शुकर मनांवा
सतगुरू दा ढाड्डी हां.......

यश अपना लिखवा के, दित्ती सेवक नूं वड़याई
मैं रूलदा फिरदा सी, सेवा अपने दर, ते लाई.......2
कीते उपकार बड़े, (3) मैं इस मुंह तो किवें गिणावां
सतगुरू दा ढाड्डी हां.......

जद शब्द सुनावां जी, बड़े गौर नाल है सुणदा
कोई गल्ल पुरानी ए, नहीं रिश्ता कोई हुणदा.......2
तक नूरी मुखड़े नूं, (3) गुरू तो वारे वारे जावां
सतगुरू दा ढाड्डी हां.......

सेवा नूं ही मेवा, लगदा कंहदी ए गुरबानी
करो सेवा गुरूंआ दी, हो जाऐ जग विच अमर कहाणी.......2
ऐसे गुरू पूरे नूं, (3) मैं नित नित नींव सीस झुंकावा
सतगुरू दा ढाड्डी हां.......

इस गरीब निमाणे ते, अजायब जी ऐसा करम कमाया
पहला जो लाधु सी गुरां ने साधुराम बणाया.......2
मिट्टी गुरू चरणां दी, (3) चुक चुक मत्थे दे नाल लांवा
सतगुरू दा ढाड्डी हां.......

तूं रोंवेंगा कुरलावेंगा

सन्त साधुराम

तूं रोंवेंगा कुरलावेंगा, रो रो के वासते पावेंगा......2
गुरू बिना भला सेवक, (2) किवें अखवांवेंगा बन्दया
कर बीतया वेला याद तूं फिर पछतावेंगां बन्दया.....2
कर बीतया वेला याद..........

मोह माया दा नशा है तैनूं, कदे ना नाम ध्यांवे......2
बन्दे नूं बन्दा ना समझे, लुट लुट खाई जांवे......2
मुड़ मुड़ गेड़े, विच चौरासी, लांवेगां बन्दया
कर बीतया वेला याद.........

करदा फिरदा मेरी मेरी, काल ने तेरी मत है फेरी......2
मन दे पीछे लगया फिरदा, ओदो ऐहने वी सुणनी नहीं तेरी.....2
फिर गुरू बिना दस किहनूं, (2) हाल सुणावेंगा बन्दया
कर बीतया वेला याद.........

गुरू बिना, दरगाह दे विच ना, मिले किसे नूं ढोई......2
कच्चयां दे, लड़ लगण वाले, अध विच जांदे रोई......2
पूरे सतगुरू तो बिन किवें, (2) रब्ब पावेंगा बन्दया
कर बीतया वेला याद.........

साधु वी, भुलया राही सी, गुरू अजायब ने राह दिखाया......2
मेहर गरीब ते कीती ऐसी अपणा नाम जपाया......2
पल्ला फड़ ले सतगुरू दा, (2) तूं तर जावेंगा बन्दया
कर बीतया वेला याद.........

इस कोझे नीच निमाणे ते

सन्त साधुराम

इस कोझे, नीच निमाणे ते, सतगुरू दया करो
मैं अनाथ हां, कोई ना मेरा, (2) सिर ते हथ धरो
सतगुरू दया करो.............

रहमत भरे भंडारे तेरे, दाता थोड़ न कोई
दीन हीन ते, दुखियां नूं तेरे, दर तों मिलदी ढोई........2
जन्म–जन्म दा रोगी हां, (2) दुखड़े आप हरो
सतगुरू दया करो...........

सुणया तूं यार गरीबां दा, बस तैनूं दुख सुणाईए
ऐ दुनिया मतलब खोरी, कि इस ते, आस लगाईए........2
तेरे दर दे मंगते हां, (2) तुसी झोली आप भरो
सतगुरू दया करो...........

राजे राणे, वी आके, गुरू दवारे तेरे, झुकदे
साधुराम दे अखियों, बहंदे नीर नहीं हुण रूकदे........2
गुरू अजायब जी गल नाल लाके, (2) तन मन शीतल करो
सतगुरू दया करो.........

159

सतगुरू दाते ने पति परमेश्वर लड़ लाई

सन्त साधुराम

सतगुरू दाते ने, पति परमेश्वर, लड़ लाई......2
जिस तो अज तक, विछड़ी सी मैं, (2) औसे नाल आण मिलाई
सतगुरू दाते ने पति.......

सतगुरू दाते, जन्म, दवाया, आपे नाम धराया,
आपे ही वर, लभ के, मैनूं, सोहणे नाल मिलाया......2
सखीयो अज तों, ए जिंद मैं वी, (2) नाल पिया दे लाई
सतगुरू दाते ने पति........

बन के गुरू विचौला, आपे, सब दे मेल करौंदा,
जिस दे जित्थे, लिखे होण, ओ, ओथे संजोग मिलौंदा......2
गुरू विचौले, ने ही अज ए, (2) जोड़ी आप बणाई
सतगुरू दाते ने पति.......

गुरू अजायब जी, काज रचाया, अपणी मेहर कराई,
साधुराम तो, पूर्ण करवाया, सब उसदी वडयाई......2
आपे ही सतगुरू, बाबुल बन के, (2) डोली विच बिठाईं
सतगुरू दाते ने पति.......

गुरू जी थ्वाडे दर्शन नूं

सन्त साधुराम

गुरू जी थ्वाडे, दर्शन नूं, चल सगंता दवारे उत्ते आईयां
जी करण उडीकां तेरीयां, आसां सब ने दर्श दीयां लाईयां
गुरू जी थ्वाडे दर्शन नूं.......

आ नैना दी, प्यास बुझाओ, मोईयां जिंदा, आप जिवाओ.......2
हथ जोड़ सगंता ने, थ्वाडे चरणां च अरजां, लाईयां
गुरू जी थ्वाडे दर्शन नूं.......

खैर दया दी, झोली पादो, नूरी मुखड़ा, आण विखादो.......2
अपणयां बच्चयां ते, मेहरा कर दे, मेहरा देया साईयां
गुरू जी थ्वाडे दर्शन नूं.......

क्यों अज ऐनी, देरी होई, माफी दयो जे, गलती कोई.......2
बख्शनहारा आप तूं, सानूं बख्श दे, सतगुरू साईयां
गुरू जी थ्वाडे दर्शन नूं.......

आ कृपाल, गुरू दे बेटे, संगत तेरी, राह पई वेखे.......2
हथ जोड़, गुरू अजायब जी, साधुराम ने अरजां लाईयां
गुरू जी थ्वाडे दर्शन नूं.......

161

जे सतगुरू मल्लाह ना हुंदा

सन्त साधुराम

जे सतगुरू, मल्लाह ना हुंदा, इस बेड़ी, ने डुब जाणा सी
जे ना, हथ विच, फड़दा चाप्पू, खौरे किधर मुड़ जाणा सी
जे सतगुरू मल्लाह ना हुंदा.......

जिन्दगी दी ए, बेड़ी सतगुरू, अजायब जी, आप चलावे,
सतगुरू दी ही, मरज़ी है, जिस पासे ओ लै जावे......2
काल दी झखड़, हनेरी दे विच, कःखा वांग रूल जाणा सी
जे सतगुरू मल्लाह ना हुंदा.......

खान्दी सी बेड़ी हिचकौले, मुख चों नाम, अजायब दा बोले,
रो–रो के जद, ओसीयां पाईयां, दुख वेले आया सी कोले......2
जे ना दया, मेहर वरताऊंदा, (2) अज्ज नूं, मर मिट जाणा सी
जे सतगुरू मल्लाह ना हुंदा.......

पार लगाती, डुबदी नईया, बणया सतगुरू आप खवईया,
लड़ लग के, रूंह होई सुहागन, ऐसा मिलया, सतगुरू साईयां......2
साधुराम दी, अरदास सुणी ते, (2) लाया आप टिकाणे सी
जे सतगुरू मल्लाह ना हुंदा.......

गुरू बिना ज्ञान नहीं

सन्त साधुराम

गुरू बिना ज्ञान नहीं, ज्ञान बिना नहीं भगती
गुरू से ज्ञान मिले, (2) तो जागे आत्मशक्ति
गुरू बिना ज्ञान नहीं.......

गुरू भगती का मार्ग, जीना, (2) गुरू बिन गोविन्द, मिले कहीं ना.....2
गुरू मांझी ही, भवसागर से, (2) पार लगाये, किश्ती
गुरू बिना ज्ञान नहीं.......

सतसंग में तूं, जाके प्राणी, सुत्ते भाग जगा ले......2
गुरू के वचन, बड़े अनमोल है, उन पर अमल, कमा ले
गुरू बिना तूं, मिट्टी जैसा, (2) क्या है, तेरी हस्ती
गुरू बिना ज्ञान नहीं.......

जब से गुरू, अजायब जी मिला है......2
साधुराम रहता खिला खिला है
आठ पहर चौंसठ घड़ी, (2) रहे नाम की मस्ती
गुरू बिना ज्ञान नहीं.......

तेरे तो बलिहारे सतगुरू प्यारया

सन्त साधुराम

तेरे तो बलिहारे, सतगुरू प्यारया, बन्दा बण के आया, तैं जग तारया
सतगुरू प्यारया, सतगुरू प्यारया, सतगुरू प्यारया
तेरे तो बलिहारे सतगुरू प्यारया बन्दा बण के आया तैं जग तारया

जुगां जुगां तो सुतीयां रूहां, आपे आण जगावे,
कदे कबीर कदे नानक, स्वामी जैमल तूं बण आवें.......2
सावन बण के सब, दा हिरदा ठारया
बन्दा बण के आया तैं जग तारया.......

रूंहा दे नाल कीता वादा, सतगुरू तुसां निभाया,
कर कृपा, कृपाल गुरू जी तुसीं, चरणां दे नाल लाया.......2
लखां ही जीवां नूं दाता तारया
बन्दा बण के आया तैं जग तारया.......

जित्थे जावां हर थां, तेरी महिमा सतगुरू गावां,
तेरे जेहा कोई नहीं, तैनूं दिल दा हाल सुणावां........2
सब कुछ हुंदया रूप, फकीरी धारया
बन्दा बण के आया तैं जग तारया........

गुरू अजायब जी जग विच तेरी, वेखी शान निराली,
मंगता बण के आया दर ते, साधुराम सवाली.......2
हर इक कम्म तैं ऐसे गरीब दा सारया
बन्दा बण के आया तैं जग तारया........

काल देश विच रूहां रोण दातया

सन्त साधुराम

काल देश विच रूहां रोण दातया,
तेरे तो बगैर साडा कौण दातया........2
दया दी नजर, दाता, ऐसी मार दे,
बच्चे हां यतीम साईयां, सानूं प्यार दे........2
हथ जोड़ वास्ते, पौण दातया........2
तेरे तो बगैर साडा कौण दातया........

चारे पासे दाता, झुल्लीयां, हनेरीयां,
छेती छेती आजा तूं, ना लांवी देरीयां........2
बाड़ लगी खेत नूं ए खाण दातया........2
तेरे तो बगैर साडा कौण दातया........

हर वेले काल रहंदां, है वंगारदा,
टुट्ट जाये बन्न, होमैं ते हन्कार दा.........2
चक्कर चौरासी दा, मुकौण दातया........2
तेरे तो बगैर साडा कौण दातया........

पंज चोरां ऐसा जाल, च फसां लये,
दुखड़े हजारां जिन्दड़ी नूं, ला लये........2
ऐनां कोलो आजा तूं, बचौण दातया........2
तेरे तो बगैर साडा कौण दातया........

हथ जौड़ साधुराम, वी पुकार दा,
गुरू अजायब जी, प्यासा है, तेरे दीदार दा........2
छम छम रोण, मेरे, नैन दातया........2
तेरे तो बगैर साडा कौण दातया........

आया सचखण्डो पुत्र प्यारा

सन्त साधुराम

आया सचखण्डो, पुत्र प्यारा, गुरू नूं असां, रब्ब मनया........2
भावें बन्दा ऐनूं जाणे जग सारा, गुरू नूं असां रब्ब मनया.......2
आया जीवां दा, ओ करण उद्धार जी,
हर इक नाल, करदा प्यार जी........2
चारे पासे ओहदे, नाम दा पसारा........2
गुरू नूं असां रब्ब मनया.......

चोला बन्दे दा, है आके ऐत्थे पा लया,
इस चोले विच, खुद नूं छुपा लया........2
नूरी मुखड़े चों, पैंदा चमकारा........2
गुरू नूं असां रब्ब मनया.......

महकां नाम दिया, ऐसीयां खिलारीयां,
रूहां पार जा, समुन्द्रा तों तारीयां........2
बेटा गुरू कृपाल, दा न्यारा........2
गुरू नूं असां रब्ब मनया.......

लाल सिंह, हरनाम कौर, धन्न जी,
जिन्हा जाया ए, अजायब जया चन्न जी........2
सारे जग विच, कीता उजयारा........2
गुरू नूं असां रब्ब मनया.......

किवें भुल जां, गुरू अजायब जी, दे नाम नूं,
गले लाया आ के, रोन्दे साधुराम नूं........2
ओदे नाम दा, भरोसा बड़ा भारा........2
गुरू नूं असां रब्ब मनया.......

सच्चा है सतगुरू का नाम

सन्त साधुराम

सच्चा है सतगुरू का नाम, जपले बन्दे सुबह शाम......2
गुरू नाम में ऐसी शक्ति, बन जाते सब बिगड़े काम
सच्चा है सतगुरू का नाम.......

क्युं करता है, मेरी मेरी, जीवन है ज्यों मिट्टी की ढेरी......2
कर्म कान्ड और जप तप तेरे, (2) बिना गुरू सारे निष्काम
सच्चा है सतगुरू का नाम.......

मोह माया ने, तुझे भरमाया, खुद में खुदा नजर ना आया......2
चाहे उसको राम तूं कह ले, (2) चाहे कह ले उसको श्याम
सच्चा है सतगुरू का नाम.......

राम मिलाए, गुरू विचोला, पहन के आए मानस चोला......2
गुरू अजायब, बिना नहीं कोई, (2) कहता है यह साधुराम
सच्चा है सतगुरू का नाम.......

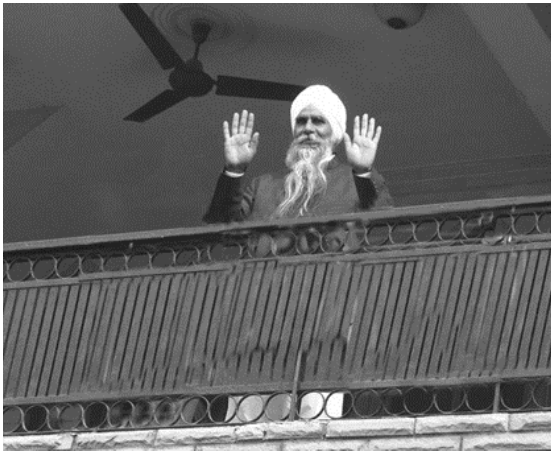

167

जित्थे जित्थे वी मैं जावां वडयाई तेरी गावां

सन्त साधुराम

जित्थे जित्थे वी मैं जावां, वडयाई तेरी गावां......2
उच्चा रूतबा गुरू दा, ऐह सबनूं सुणावां
आया जीवां दा तूं करण उद्धार गुरू जी......2
तेरे नाम ने है दित्ता सानूं तार गुरू जी......2

इस कलयुग विच इक, नाम ही आधार,
जिनूं मिल जावे, होवे भवसागर तो पार......2
औणा पेंदा नइयों ऐत्थे, (2) बार बार गुरू जी
तेरे नाम ने है दित्ता सानूं तार गुरू जी......

तेरा नाम ही ऐ दाता, सब दुःखां दी दवाई,
विच धुर दरगाह दे होवे, नाम ही सहाई......2
सुख नाम विच बड़े, (2) बेशुमार गुरू जी
तेरे नाम ने है दित्ता सानूं तार गुरू जी

महिमा नाम दी ही सारे, साधु संता ने गाई,
बिना नाम ना किसे ने ऐत्थे, मुक्ति है पाई......2
तेरे नाम ने है दित्ता सानूं तार गुरू जी......

तेरे नाम ने ही दित्ता, साधुराम नूं सहारा,
तेरा हो गया अजायब जी, मैं छड जग सारा......2
कोटी कोटी करां तैनूं, (2) नमस्कार गुरू जी
तेरे नाम ने है दित्ता सानूं तार गुरू जी......

रब्ब भुल जावे पर गुरू

सन्त साधुराम

रब्ब भुल जावे पर, गुरू नहीं भुलाई दा.......2
गुरू बिना रब्ब नाल, नइयों मिल पाई दा
रब्ब भुल जावे पर गुरू.......

जिसने वी पाया रब्ब, गुरू राहीं पाया ए........2
गुरू बिना नइयों किसे, रस्ता दिखाया ए.......2
गुरू नूं ही रब्ब मन, हिरदे वसाई दा
रब्ब भुल जावे पर गुरू.......

गुरू दा कहया तां, सच्चा रब्ब वी नहीं मोड़दा.......2
गुरू हत्यारयां, नूं रब्ब वी नहीं लोड़दा.......2
गुरू सेवा बिना, नइयों सेवक कहाईदा
रब्ब भुल जावे पर गुरू........

पूरा गुरू नइयों, वहमा, भरमा च पौंदा ए.......2
आप नाम जपदा, ते सब नूं जपौंदा ए.......2
हत्थां नाल किरत कर, चित यार वल लाईदा
रब्ब भुल जावे पर गुरू........

छड बंदे छड तेरा, दुनियां नाल कम्म की........2
गुरू अजायब जी दा नाम रट, हर दम दम ही.......2
साधुराम वांगू यश, गुरू दा ही गाईदा
रब्ब भुल जावे पर गुरू........

दुःख हो चाहे सुख हो हरि यश गा ले रे बन्दे

सन्त साधुराम

दुःख हो, चाहे सुख हो, हरि यश गा ले रे बन्दे.....2
गुरू बिना गत नहीं, गुरू बना ले रे बन्दे......2
दुःख हो चाहे सुख..........

हरि नाम ही सब दुःख काटे, सारे कष्ट मिटाए......2
प्रेम भाव से जो कोई सिमरे, विनती सुन के आए.....2
मन के भेद भ्रम तूं, सभी मिटा ले रे बन्दे
दुःख हो चाहे सुख...........

हरिनाम की कर लै भक्ति, जागे तेरी आत्मशक्ति......2
हरिनाम ही, भवसागर से, पार लगाए डूबी किश्ती......2
इक मन इक चित्त होके, ध्यान लगाले रे बन्दे
दुःख हो चाहे सुख..........

हरि–हरि जो मुख, से बोले, वो जीवन में, कभी ना डोले......2
स्वार्थ के लिए तूं रोता है, थोड़ा गुरू की, याद में रो ले.......2
इन आंखो से, गुरू याद में, अश्क बहा ले रे बन्दे
दुःख हो चाहे सुख..............

अपने गुरू अजायब जी को जैसे, साधुराम ने ध्याया.......2
कमी नहीं किसी चीज की, गुरू भक्ति का फल पाया.......2
रोना धोना छोड़ दे, मुस्करा ले रे बन्दे
दुःख हो चाहे सुख.............

गुरू जेहा ना दाता कोई जो मंगीए सो देवे

सन्त साधुराम

गुरू जेहा ना दाता कोई, जो मंगीए सो देवे........2
जाए ना अरदास व्यर्थी, जे श्रद्धा सच्ची होवे.......2
गुरू जेहा ना दाता कोई............

नाम शब्द, अनमोल खजाना, झोली दे विच पाया.......2
उसनूं अन्दर दर्शन होए, जिसने नाम ध्याया.......2
जे ना लैंदा नाम दवाई रोगी जन्म जन्म दा होवे
गुरू जेहा ना दाता कोई...........

पापां दी पंड सिर तों ला के, जीवन पाक बणौंदा.......2
सच्च दी राह ते, चलण दा, मार्ग आप दिखौंदा.......2
धोबी बन के हर सेवक दे, मन मैले नूं धोवे
गुरू जेहा ना दाता कोई.........

तन मन दे नाल, कर सेवा, भक्ति जो प्रगट कर लैंदा.......2
सारियां बरकतां, लै के सतगुरू, सेवक दे अन्दर बैंदा.......2
ज्यों पाणी दे, विच पतासा, इंज अन्दर घुल जावे
गुरू जेहा ना दाता कोई...........

दातां छड के, दाता मंगीए, थोड़ कदे ना आवे......2
गुरू अजायब जी, है जग दाता, झोली खैरां पावे......2
साधुराम दे वांगु जे कोई, गुरू याद विच रोवे
गुरू जेहा ना दाता कोई..........

171

आजा दातया वे दर्श दिखा ए अरजां ने मेरीयां

सन्त साधुराम

आजा दातया वे दर्श दिखा, ए अरजां ने मेरीयां......2
रही वास्ते गरीब रूह ए पा, गुरू जी पाओ फेरीयां.......2
आजा दातया वे दर्श दिखा.........

तेरे बिना कुछ मैनूं चंगा नइयों लग दा......2
मिट्टी जेया जापे मैनूं रंग राग जग दा......2
धुन अन्दर ही दे सुणा–ए अरजां ने मेरीयां
आजा दातया वे दर्श दिखा.........

मैनूं ते सहारा ए, गुरू जी तेरे नाम दा......2
कद होवे सुबहा कोई, पता नईओं शाम दा......2
मैं ते हर वेले, तक्कां तेरी राह, ए अरजां ने मेरीयां
आजा दातया वे दर्श दिखा............

धन अते दौलतां दी मैनूं कोई लोड़ ना.......2
गुरू होवे कोल किसे गल दी वी थोड़ ना.......2
खैर झोली च निमाणे दे नाम दी तूं पा, ए अरजां ने मेरीयां
आजा दातया वे दर्श दिखा...........

तेरी ओट तेरा ही ए, आसरा, अजायब जी......2
दया कर बख्श, दयो जो मेरे ऐब जी......2
साधुराम तेरे गुण रेहा गा, ए अरजां ने मेरीयां
आजा दातया वे दर्श दिखा............

मेरे हाल दा महरम तूं सतगुरू

सन्त साधुराम

मेरे हाल दा महरम तूं, सतगुरू.........2
अन्दर तूं है, बाहर तूं है,(2) रोम रोम विच तूं
मेरे हाल दा महरम तूं, सतगुरू.........

तूं ही ताना तूं ही बाना........2
सब कुछ मेरा तूं, गुरू जी, सब कुछ मेरा तूं
मेरे हाल दा महरम तूं, सतगुरू.........

तूं ही कबीर तूं ही नानक........2
गुरू गोविन्द वी तूं, गुरू जी, गुरू गोविन्द वी तूं
मेरे हाल दा महरम तूं, सतगुरू.........

तूं ही स्वामी, तूं ही जैमल........2
सावन किरपाल वी तूं, गुरू जी, सावन किरपाल वी तूं
मेरे हाल दा महरम तूं, सतगुरू.........

कहे यह साधुराम निमाणा मैं नहीं सब कुछ तूं.........2
गुरू अजायब जी मैं नहीं सब कुछ तूं
मेरे हाल दा महरम तूं, सतगुरू.........

173

आओ जी रल के सब संगतों

सन्त साधुराम

आओ जी रल के सब संगतों, सतगुरू दी याद मना लईए.......2
जो कह गऐ वचन अजायब गुरू, ओना ते अमल कमा लईए.......2
आओ जी रल के सब संगतों..........

गुरू चोला भावें बदल लया, पर शब्द रूप विच कोले ने.......2
कईयां ने है पहचाण लिया, कईयां दे मन विच रौले ने.......2
जेहड़ा पल डावां डोल, ओनूं सिध्धे रस्ते पा के
गुरू जी सिमरन विच ला देयो
आओ जी रल के सब संगतों..........

भागां नाल मौका मिलया, ए अज्ज घड़ी सुलखणी आई ए.......2
साडे जहे कलयुगी जीवां ते, दाते ने मेहर वरसाई ए.......2
छड के सब गल्ला बाता नूं, चित्त सिमरन भजन विच ला लईऐ
आओ जी रल के सब संगतों..........

थां थां तों कुछ वी मिलना नहीं, इक नूं ही मीत बणा लईए....2
मन के ओहदे मिठे भाणे नूं, जित्थे रखीए ओत्थे रह जाइए.......2
जो रास्ता दसया सतगुरू ने ओसे रास्ते पै जाइऐ
गुरू जी सिमरन विच ला देयो
आओ जी रल के सब संगतों..........

सतगुरू ही आप बलौंदा ऐ, साधुराम की गावण जोगा सी.......2
संगता दे चरणां दी धूड़ी, मत्थे नूं लावण जोगा सी.......2
इक गरीब साधुराम हथ जोड़ के अरज करी
सतगुरू ने लेखे ला लईऐ
आओ जी रल के सब संगतों..........

गुरू तो बगैर किसे पुछणी ना बात ओए

सन्त साधुराम

गुरू तो बगैर किसे पुछणी ना बात ओए......2
काल अगे किसे दी, चलदी ना बात ओए......2
गुरू तो बगैर किसे पुछणी.........

गुरू ने ही तैनूं इस काल तों बचोणा ए,
जन्म मरण दा चक्कर तेरा, बंदया मुकौणा ए......2
करना उजाला तेरी, कट काली रात ओए
गुरू तो बगैर किसे पुछणी.........

पावे नाल बद्धा सी जिना ओना नूं ही खा गया......2
मौका वेख ऐ ते दाव अपणा चला गया......2
गुरू दे नाम बिना, खाणी, पैणी तैनूं मात ओए
गुरू तो बगैर किसे पुछणी.........

इक पल वी ना साधुराम ने विसारया......2
रात दिन नाम मुखों गुरू दा उच्चारया......2
सतगुरू अजायब जी दित्ती, नाम दी सौगात ए
गुरू तो बगैर किसे पुछणी.........

आजा आजा वे अजायब जी मैं रो रो वाजां मारा

सन्त साधुराम

आजा आजा वे अजायब जी, मैं रो रो वाजां मारा
तेरे दर ते खलोके दाता, अरजा गुजारा
इस दुंखी आत्मा, दियां सुन लो पुकारां
आजा आजा वे अजायब जी.........

मैत्थों तेरियां जुदाइयां, सहियां नहीं जान्दीयां,
आजा आजा छेत्ती, मित्तर प्यारया......2
हौल उठदे कलेजे, हुण किवें जाण सहारे......2
आजा आजा वे अजायब जी.........

तैनूं दुखड़े सुणावां रो रो के,
मर जावांगा मैं वक्ख तैत्थों हो के......2
ऐत्थे कोई नईओं मेरा, लोक वसदे हजारां......2
आजा आजा वे अजायब जी.........

दाता बख्श देया मैंनूं, होई जे कोई भुल वे......2
तेरे बिना जिन्दगी विरान, आजा बन के बहारां......2
आजा आजा वे अजायब जी.........

आजा दया दी नजर आके मार दे,
बेड़ी डुबदी नूं लादे साईयां पार वे......2
बिना तेरे तो सत गुरू प्यारे अजायब जी
साधु किसी नहीं कम्म दा
आजा आजा वे अजायब जी.........

तेरी मौज दातया तेरी मौज दातया

सन्त साधुराम

तेरी मौज दातया, तेरी मौज दातया
दाणे भुज्जे होये, कल्लर उगावें,
जे हो जाये तेरी मौज दातया........2

आप ही तूं राजयां तों, भीख मंगवोना ए
आप ही भिखारीयां नूं, तख्त बिठाउना ए
चुक्क पिंगला पहाड़ ते, चढ़ावें
जे हो जाये तेरी मौज दातया........

कोड़ियां दी काया नूं वी, कंचन बणौना ए
पापी अपराधिया नूं, चरणां नाल लाउना ए
आपे कागां तो तूं हंस बणावें
जे हो जाये तेरी मौज दातया........

पंज प्यारया नूं, आप अमृत छकाया जी
फेर आप छक, भेद भाव तूं मिटाया जी
आपे गुरू आपे चेला अखवावें
जे हो जाये तेरी मौज दातया........

जित्थे आके बैठा लगे, धरती नूं भाग जी
दया मेहर तेरी नाल होये, सुक्के हरे बाग जी
विच जंगला दे मंगल लावें
जे हो जाये तेरी मौज दातया.......

सच्चे मन नाल जदों, कोई वी बुलौंदा ए
नंगे पैरी आ वे पैरी, जुत्ती वी ना पौंदा ए
लाज सेवकां दी हर थां बचावें
जे हो जाये तेरी मौज दातया.......

महिमा ना तेरी कित्ती, जांदी ब्यान ए
तेरे तों अजायब जी साधुराम, कुर्बान ए
आपे दया कर नाम जपावें
जे हो जाये तेरी मौज दातया........

आवेगा ज़रूर गुरू आस रखीऐ

सन्त साधुराम

आवेगा ज़रूर गुरू आस रखीऐ,
मन विच पक्का विश्वास रखीऐ......2
आवेगा ज़रूर गुरू आस रखीऐ......

सेवकां नूं सदा ही उडीक हुंदी ए.....2
पर गुरू नूं मंजूर जो तरीख हुंदी ए
कद आ जावे, ए विड़क रखीऐ
आवेगा ज़रूर गुरू आस रखीऐ......

अपणे ही आप नूं मिटौंणा पैदां ए.....2
गुरू वाली याद विच रोणा पैंदा ए....2
नैणा विच सुरत बसा के रखीऐ
आवेगा ज़रूर गुरू आस रखीऐ.......

हत्थ जोड़ गुरू नूं अरदासा करीए.....2
नीवें हो के सिर कदमा च धरीए......2
हर वेले नाम नूं ही चेते रखीऐ
आवेगा ज़रूर गुरू आस रखीऐ......

मौज जदों होई गुरू आप्पे चल आ गया......2
सेवकां दे घर आके फेरा गुरू पा गया......2
सदा ओदे औण दी उडीक रखीऐ
आवेगा ज़रूर गुरू आस रखीऐ.......

होवे जे तड़फ दिल विच गुरू प्यार दी....2
ओदों ही दया होवे, ओसे दातार दी.........2
राहां विच नैणा नूं, विछा के रखीऐ
आवेगा ज़रूर गुरू आस रखीऐ.......

गुरू अजायब नूं अरदासां कर, साधुराम ने बुला लया......2
बाबू गुरजन्ट घरे, सत्संग रखा लया......2
26 जनवरी होई तारीख पक्की ए
आवेगा ज़रूर गुरू आस रखीऐ........

मेरीयां ते दातेया तेरे ते डोरां ने

सन्त साधुराम

इक तूं ना करे ते होर करे केहड़ा, मेरीयां सबे जरूरतां पूरीयां नूं
लोकी तकदे ऐब गुनाह मेरे, ते मैं तकदा रहमत तेरीयां नूं

मेरीयां ते, दातेया, तेरे ते डोरा ने,
कुछ होर नहीं मंगदा, मैंनू तेरीयां लोड़ां ने......2
मेरीया ते दातेया तेरे ते..........

बिन तेरे, तो साईयां, वे मैं कखां वरगा हां......2
इक तेरे हुंदिया मैं, ते लखां वरगा हां......2
तैत्थों बिन, लुट लैणा, मैनूं पंज चोरां ने
मेरीयां ते दातेया तेरे ते...........

तेरी नजर सवल्ली ही, मेरे लई काफी ए......2
पापी अपराधीयां नूं, तेरे दर ते माफी ए......2
गुरू दीन दयालू तूं, तेरे दर की थोड़ा ने
मेरीयां ते दातेया तेरे ते........

कर दया मेहर दाता, तैं लखां तारे ने......2
कई भवसागर तर गऐ ने, तेरे भगत प्यारे ने.......2
जिस जिस नूं वी नाम दिया, चढ़ गईयां लोरां ने
मेरीयां ते दातेया तेरे ते..........

तेरी ओट, आसरा तेरा, ए सतगुरू अजायब जी......2
तुंसी बख्शणहारे हो, मेरे बख्शो ऐब जी......2
साधुराम नूं, तैत्थों बिन, देणा की होरां ने
मेरीयां ते दातेया तेरे ते.......

179

प्यार गुरू नाल जिस जिस ने वी पाया ए

सन्त साधुराम

प्यार गुरू नाल जिस जिस ने वी पाया ए
ओना पहला इस झूठे जग नूं भुलाया ऐ

गुरू प्यार विच जिनां सब कुछ वारया.....2
दुनियां भुलाई पर गुरू ना विसारीया......2
गुरू विचों ओना ने ही रब्ब पाया ए
प्यार गुरू नाल जिस.........

गुरू प्यार दियां गल्लां कोई कोई करदा.....2
ओही रब्ब जाणे जिहदा खुल जावे परदा.....2
तन मन जिस गुरू दे ही लेखे लाया ए
प्यार गुरू नाल जिस..........

दुनियां च रहके वी ना दुनियां दे होए ओ.....2
जिउंदे ही शब्द विच हर रोज मोए ओ.....2
हर श्वास नाल गुरू दा ध्याया ए
प्यार गुरू नाल जिस..........

रब्ब भुल जावे पर गुरू भुलाईए ना.....2
जग दियां चीजां पिछे चित नूं लाईए ना.....2
सहजो बाई ने वी जिवें सच फरमाया ए
प्यार गुरू नाल जिस..........

गुरू वाले नईयो लोक लाज पिछे लगदे.....2
ताने मेहणे सह लेंदे हस हस जग दे.....2
गुण हर वेले ओना गुरू दा ही गाया ए
प्यार गुरू नाल जिस..........

लगजे लगन जिहनूं गुरू दे प्यार दी.....2
साधुराम आखे ओनूं परवाह ना संसार दी.....2
गुरू होके दयाल ज्यों अजायब जी आया ए
प्यार गुरू नाल जिस..........

ऐना अखीयां विच सतगुरू वसदा

सन्त साधुराम

ऐना अखीयां विच सतगुरू वसदा, क्यों जग वेखण लई खोलां
जद अन्दर सोहणा वसदा ए, क्यों बाहर उसनूं टोलां
ऐना अखीयां विच सतगुरू वसदा..........

तरस पया ते रहमत होई, सतगुरू सज्जन मिलया.......2
मुद्दतां दा मुरझाया होया, हुण जाके फुल खिलया......2
तपदी रूंह नूं शीतल कीती, गुरू दे मिठड़े बोलां
ऐना अखीयां विच सतगुरू वसदा..........

नाम दी जोत जगाई, ऐसी कर ता दूर हनेरा......2
मेरे लई रब्ब तो वदके, सतगुरू साईं मेरा......2
सतगुरू दी बख्शी ए, जिन्दगी कखां विच क्यों रोलां
ऐना अखीयां विच सतगुरू वसदा..........

दया करी मेरी सतगुरू दाते, अपणा नाम जपाया......2
रूलदे फिरदे साधुराम नूं, अपणे चरणां नाल लाया......2
गुरू अजायब जी नाल मेरे जद, फिर काहतों डोलां
ऐना अखीयां विच सतगुरू वसदा..........

181

जिस हाल च रखें दाता तूं

सन्त साधुराम

जिस हाल च रखें दाता तूं, उस हाल च रह लैणा
दुःख होवे या सुख होवे, (2) तेरा नां लैंदे रहणा.....2
जिस हाल च रखें दाता तूं, उस हाल च रह लैणा

तेरी मर्जी, अग्गे साड्डा, जोर नहीं कोई
तेत्थों वद के साडा, साइयां, होर नहीं कोई......2
पर तैनूं नहीं भुलना, (2) हर दुःख हस के सह लैणा
जिस हाल च रखें दाता.......

तेरी मर्जी, तों बिन कुझ वी, हो नहीं सकदा
हसना ते, गल दूर दी, कोई रो नहीं सकदा......2
तेरा भाणा, मिठ्ठा करके, मनदे ही रहणा......2
जिस हाल च रखें दाता.......

तूं चाहवें तां, पल विच राजयों, रंक बणा देवें
तूं चाहवें तां, कोड्डी दा मूल, लखां पा देवें......2
नाम तेरा तां, मेरे लई, उमरां भरदा गहणा......2
जिस हाल च रखें दाता.......

चरण धूल कर, राखो मेरे सतगुरुजी प्यारे
ऐसी दया करो दाता, जावां मैं बलिहारे......2
गुरु अजायब जी, साधुराम कुझ होर नहीं कहणा
जिस हाल च रखें दाता...

नित उठ रोज सवेरे

सन्त साधुराम

नित उठ रोज सवेरे, जो नाम दी माला फेरे
ऐसा होए उजाला, हो जावण दूर हनेरे......2
नित उठ रोज...

अमृत वेला सबतों चंगा, ऋषि मुनी वी लोचण
ओणा पल्ले कुझ नहीं पैंदा, जो इस वेले सोवण......2
अंत वेले फिर आके इक दिन, (2) पौंदे ने जम घेरे......2
नित उठ रोज...

फुल्लां वांगु, खिलया रहंदा, जो गुरु दा नाम ध्यावे
दया मेहर दी, दात गुरु वी, उसदी झोली पावे......2
बिना गुरु तों रुल दे वेखे, (2) इस जग विच बथेरे......2
नित उठ रोज...

नाम दी जिनां, करी कमाई, सारी दुनियां यश गौंदी
ओणा भगतां, दी बाणी गुरबाणी दे विच औंदी......2
गुरबाणी दा इक इक अखर, (2) नाम दी महिमा उच्चारे......2
नित उठ रोज...

इस वेले उठ, साधु वी, गुरु अजायब अजायब पुकारे
दया गरीब ते, कर दयो जावां, गुरु तों बलिहारे......2
सतगुरु दाते, पूरण कित्ते सब्बे कारज मेरे......2
नित उठ रोज...

183

बदियाँ तों मन मोड़

सन्त साधुराम

बदियाँ तों मन मोड़, ओ बंदया बदियाँ तो मन मोड......2
नाम शब्द नाल जोड़, ओ बंदया, नाम शब्द नाल जोड......2
बदियाँ तों मन मोड़...

पूरा कर जो कीता वादा, मानस जनम दा उठाले फैदा......2
ऐ तेरे किसे कम्म नहीं ओणे, (2) जोड़े लख करोड़
ओ बंदया, जोड़े लख करोड़
बदियाँ तों मन मोड़...

खाली हथ आया, खाली जाणा, भावें राजा, ते कोई राणा......2
माया किसे दे हथ नहीं आई, इस पिच्छे ना दौड़
ओ बंदया, इस पिच्छे ना दौड़......2
बदियाँ तों मन मोड़...

क्यों करी जांदा ऐं पाप, कर लै कोई नेक कमाई......2
पैसे पिच्छे निर्दोशां दी (2) ना तूं गर्दन मरोड़
ओ बंदया, ना तूं गर्दन मरोड़......2
बदियाँ तों मन मोड़...

गुरु अजायब जी, हर सत्संग दे विच ऐहो ही फरमाया......2
इक वारी जो, हथ चों खुंज जांदा, वेला हथ नहीं आया......2
जग दे झूठे, बंधना नू तूं, साधुराम दे तोड़
ओ बंदया नाम शब्द नाल जोड़...

असीं मंगदे हाँ एहो

सन्त साधुराम

असीं मंगदे हाँ एहो, बार बार दातया......2
रब्ब वरगा ऐ तेरा, दीदार दातया......2

तेरे बाजों लगदा ऐ सारा, जग सखणा दातया......2
चरणा दे विच ला दयो दाता, साडा इक तेरे नाल ही प्यार दातया......2
रब्ब वरगा ऐ तेरा, दीदार दातया......2
असीं मंगदे हाँ...

सच्ची तेरी प्रीत दाता, सच्चा तेरा नाम जी......2
हर वेले जप दे हाँ, असीं सुबह शाम जी......2
तुसां साडे उत्ते कीता, उपकार दातया
रब्ब वरगा ऐ तेरा दीदार दातया......2
असीं मंगदे हाँ...

तेरे जेहा नहीं कोई, सतगुरु अजायब जी......2
दया कर, बक्श दयो साडे ऐब जी......2
आखे साधुराम एहो सेवादार दातया
रब्ब वरगा ऐ तेरा दीदार दातया......2
असीं मंगदे हाँ...

मैं तेरे रखण दी दातया

सन्त साधुराम

मैं सतगुरु विछड़ी आत्मा, तूं ही पूरण परमात्मा
काल देश विच दुःख बथेरे, कर दुखां दा खात्मा

मैं तेरे रखण दी दातया, वे मैनूं किते ना टोही
हाथ जोड़ के सतगुरु, रूह करदी अरजोई......2
मैं तेरे रखण दी दातया, वे मैनूं किते ना टोही

जुगां जुगां तों बिछड़ी दाता, मेल सबबी होया
अज्ज मैनूं ओ, सब कुझ मिलया, पहलां सी जो खोया......2
भुल्ली भटकी फिरदी हाँ, राह पा दयो कोई......2
मैं तेरे रखण दी दातया...

तैथों बिछड़ के, साईयां वे मैं, झल्ले दुःख बथेरे
दया मेहर कर, सतगुरु साईयाँ, आ गयी हाँ दर तेरे......2
गुरु बिना, इस जग विच मैं, ज्योंदी ही मोई
मैं तेरे रखण दी दातया....

दीन हीन ते दुखियां नूं, तूं अपनी चरणी लावें
निचो ऊंच करे दाता जद नजर दया दी पावें......2
तेरी नजर सवल्ली दातया, किसे विरले ते होई
मैं तेरे रखण दी दातया...

गुरु अजायब जी, तूं बक्शणहारा, बक्श लवें जे मैनूं
तेरे बाजों कौण ए मेरा, साधुराम कहे तैनूं......2
चरणी लालै दातया, वे मैनूं देदे टोही
मैं तेरे रखण दी दातया वे मैनूं किते ना टोही

असीं गुनाहगार हाँ जी

सन्त साधुराम

असीं गुनाहगार हाँ जी, तुसीं बक्शन हार हों
असीं मंगते हाँ दाता, तुसीं दाता दातार हों
असीं गुनाहगार हाँ जी, तुसीं बक्शन हार हों

दुखिये दर ते अरजां करदे, सतगुरु दुखड़े हर देवो
दया मेहर नाल खाली झोली, हर सेवक दी भर देवो......2
जिस दा नहीं आकार कोई, तुसी निरंकार हों
असीं गुनाहगार हाँ......

कलयुग विच नाम जपना औखा, शरणी पै जाना सौखा ए
जुगां जुगां तों भटक रहे जीवां, नूं मिलया मौका ऐ......2
कुल दुनियां नूं, साजन वाले सर्जनहार हों
असीं गुनाहगार हाँ......

शरण पयां दी लाज रखो, असीं ड़ुबदे सतगुरु तर जाईए
जिस घर दा असीं रस्ता भुल गए, ओसे रस्ते पै जाईए......2
कुल मालिक प्रतिपालक सबदे पालन हार हों
असीं गुनाहगार हाँ......

जिस्ते नजर करे तूं दाता, भवसागर तों तर जावे
साधुराम दे वांगु, ओ फिर हर थां तेरा गुण गावे......2
सतगुरु अजायब जी तुसीं रहमत दा भंडार हों
असीं गुनाहगार हाँ........

187

रख गुरु ते भरोसा

सन्त साधुराम

क्यों दुनिया ते आसां लाइयाँ, ऐने कुझ नहीं देणा
मंग लईए उस मालक कोलों, जिनें सब कुझ देणा

रख गुरु ते भरोसा, ना तूं डोल प्यारया......2
हर वेले मुंहों, गुरु गुरु बोल प्यारया
रख गुरु ते भरोसा...

गुरु माफी दा खजाना, माफ करदा गुनाह
सारे छड्ड के सहारे, लईए चरणी पनाह......2
छड्ड झूठ वाले सौदे, सच बोल प्यारया
रख गुरु ते भरोसा...

गुरु नाम दे सहारे, करी चल तूं गुजारा
ऐसी करेगा दया, सोहणा सतगुरु प्यारा......2
गुरु नाम दा खजाना, तेरे कोल प्यारया
रख गुरु ते भरोसा...

गुण अपणे गुरु दे जिवें, साधुराम गावे
देंदा सतगुरु अजायब, ओसे दा ही दित्ता खावे......2
सब गुरु दा ही दित्ता, (2) मेरे कोल प्यारया
रख गुरु ते भरोसा...

बक्शो गुरु जी मै हाँ औगुणा दा भरया

सन्त साधुराम

बक्शो गुरु जी, मै हाँ, औगुणा दा भरया
ऐसे लई आके, सिर चरणा विच धरया......2

तेरी दया ने दाता, लखां ही तारे
जो वी चल आए, गुरु तेरे द्वारे......2
इंज लग्गे, जिवें मैं हाँ, ज्योंदा ही मरया
बक्शो गुरु जी......

ना मैं चंगा, ना गुण पल्ले
बेबस हाँ, कोई पेश ना चल्ले......2
तेरी दया ने दाता, (2) सोना मिट्टी नूं करया
बक्शो गुरु जी......

सतगुरु मैं ते, कर्म कमावां
भुलया जीव हाँ राहे पावो......2
मेहर कीती जिसते तैं, भवसागर तों ओ तरया
बक्शो गुरु जी......

दीन दयाल, गुरु अजायब प्यारे
साधु, चल आया तेरे द्वारे......2
तेरे बिना ना दाता, पल वी ऐ सरया
बक्शो गुरु जी......

तेरा दर छड दातया

सन्त साधुराम

तेरा दर छड दातया, हुण होर, केहड़े दर जावां.....2
सारा जग घुम वेखया, मैनूं, किते ना मिलियां थावां......2
तेरा दर...

अपना ना कोई जिहनु, दुखड़े सुणावां जी.....2
गुरु दा प्यार हुंदा, जिवें लखां मावां जी......2
ऐसे लई हथ जोड़ के, थ्वानुं अरजां, गुरु जी लावां
तेरा दर...

नाम देके तुसीं दाता, लखां रूहां तारियाँ.....2
जन्म–जन्म दियां, कटियां बीमारियाँ......2
डुब्बी बेड़ी वांगु दातया, कर दया तूं, मैं वी तर जावां
तेरा दर...

तेरे तों बगैर, ना कोई आसरा, गुरु अजायब जी.....2
बक्श दो जेड़े, साधुराम दे ने ऐब जी......2
गुरूजी तेरे चरणा विच मैं, नित नित शीश झुकावां
तेरा दर...

सन्त साधुराम जी

सन्त साधुराम जी

आजा दातया फेरा पाजा दातया

सन्त साधुराम

आजा दातया, फेरा पाजा दातया......2
दर्श गरीबां नूं, वखाजा दातया.....2
आजा दातया...

चरणा दी धूल जान, रख लो कोल जी.....2
वचन तुसां दे, सतगुरु अनमोल जी......2
मेहरां वाला मींह, वरसा जा दातया
आजा दातया...

इक वारी आणके, दिखावो नूरी मुखड़ा.....2
उमरां दे रोगियाँ दा, टुट जावे दुखड़ा......2
दुखियां दे दर्द, मिटा जा दातया
आजा दातया...

मुख जों अजायब गुरुजी अजायब गुरुजी पुकारदा.....2
आजा मेरे साइयां, साधु रो–रो वाजां मारदा......2
इक वारी गल नाल ला जा दातया
आजा दातया...

191

दया करो दया करो

सन्त साधुराम

दया करो, दया करो, दयाल दया करो......2
कोई नहीं, जहाँ में मेरा, तेरो ही आसरो
दया करो दया करो.......

किस को, दिल का हाल सुनाऊं
छोड़ तेरा दर, कहाँ मैं जाऊं......2
दया मेहर से, खाली झोली, सतगुरु आप भरो
दया करो दया करो.......

तेरी दया बिना दाता, कुछ भी हो नहीं सकता
बिन तेरी मर्जी के, पत्ता भी नहीं हिलता......2
इस दीन दुखी के दाता, सब दुःख आप हरो
दया करो दया करो........

गुरु अजायब जी, तूं शहनशाह, मैं तेरे दासों का दास......2
तेरे नाम के सिवा, भला क्या साधु के पास......2
तुझ पर ही तो, आस है मेरी, पूरी आप करो
दया करो दया करो.......

बच्चे हाँ अनभोल दातया

सन्त साधुराम

बच्चे हाँ अनभोल दातया
सानूं रख चरणा दे कोल, दातया
नाम तेरा अनमोल, दातया
सानूं रख चरणा दे कोल, दातया
बच्चे हाँ अनभोल दातया

ऐसी दया करो दाता गुण, तेरे गाईए,
तेरे दस्से रस्ते ते असीं, चलदे जाईए......2
जावे ना मन डोल, दातया
सानूं रख चरणा दे कोल, दातया
बच्चे हाँ अनभोल दातया

काल देश विच काल ने अपना, जाल बिछाया,
भोले भाले जीवां नूं इसने, भरमाया......2
रिहा पापां विच रोल, दातया
सानूं रख चरणा दे कोल, दातया
बच्चे हाँ अनभोल दातया

चाल बाज ऐ मन वी काल दी, करे गुलामी,
लख समझाईए फिर वी, करदा ऐ मनमानी......2
साडे अवगुण ना फरोल, दातया
सानूं रख चरणा दे कोल, दातया
बच्चे हाँ अनभोल दातया

गुरु अजायब जी सानूं, इक सहारा तेरा,
काया माया झुठी, सच्चा नाम है तेरा......2
सुन साधु दे बोल दातया
सानूं रख चरणा दे कोल, दातया
बच्चे हाँ अनभोल दातया

मिट्टी दे खिलौनया वे टुट जावेंगा

सन्त साधुराम

मान करें, किस, गल दा बंदया, की तेरी मुनयाद
मौत फरिश्ता, कद आ जावे, रख मौत नू याद

मिट्टी दे खिलौनया वे, टुट जावेंगा
पल दी खबर नईयों, मुक जावेंगा......2
मिट्टी दे खिलौनया.....

पता नईयों कदों, ऐहे, साह रुक जाणगे
फेर आके तैनूं, भैड़े, जम घेरा पाणगे......2
पंज चोरां हत्थों, जदों, लुट जावेंगा
मिट्टी दे खिलौनया.....

करलै भजन बन्दे, सुण सत्संग ओऐ
गुरु कोल मंग जाके, नाम वाली मंग ओऐ......2
बीत गया वेला फिर, पछतांवेंगा
मिट्टी दे खिलौनया.....

करदां ऐ मान कानूं, कोठीयां ते कारां दा
निकल दिवाला जावे, वड्डे शाहुकारां दा......2
भैड़ियां जूनां दे विच, फंस जावेंगा
मिट्टी दे खिलौनया.....

तन नहीं नीवोंणा कर, मन दी नीवाण ओए
अन्दरे ही रब्ब कर, ओसदी पछाण ओए......2
गुरु वाला बन सब, सुख पावेंगा
मिट्टी दे खिलौनया.....

अजे वी ऐ वेला कोई, पूरा गुरु लब्ब लै
साधुराम वांगु नाम, गुरु अजायब जी दा जपलै......2
औने लवेंगा नजारे जिन्ना, झुक जावेंगा
मिट्टी दे खिलौनया.....

गुरु मेहरबां ने आके मेरी जिन्दगी बनाती

सन्त साधुराम

गुरु मेहरबां ने आके, मेरी जिन्दगी बनाती......2
मुद्दतां तों सुत्ती होई, रूह नाम ने जगाती......2

अपने वी होए बेगाने, जग मारदा सी ताने......2
कोई ना लबया अपना, विच ढूँढया जमाने......2
बुझया चिराग सी जो, सतगुरु ने लौ जगाती
गुरु मेहरबां ने आके.....

जद नहीं सी कोई सहारा, चल आ गया गुरु अजायब प्यारा......2
पुछदा नहीं सी कोई, फिर दा सी मारा मारा......2
औजड़ विच पऐ राही नूं, सतगुरु ने राह दिखाती
गुरु मेहरबां ने आके.....

आसां मुरादाँ सब्बे, सतगुरु ने आ पुगाइयाँ......2
उठदी सी हूक अंदरों, वे तूं कद मिलेंगा साईयां......2
मझदार विच सी बेड़ी, सतगुरु ने बन्ने लाती
गुरु मेहरबां ने आके.....

रोंदे गरीब नूं आ, सतगुरु ने गल नाल लाया......2
आपे हथ रखके सर ते, सी होसला बनाया......2
आके गुरु ने मेरे, हंजुँआ दी कीमत पाती
गुरु मेहरबां ने आके.....

सतगुरु अजायब जी ने, साधु ते करम कमाया......2
दुनिया नूं भुल गया सी, जद नाम दा अमृत पिलाया......2
यश अपना गौण दी जो, सेवा गुरु ने लाती
गुरु मेहरबां ने आके.....

195

पल्ला फड़या वे साइयां तेरा

सन्त साधुराम

पल्ला फड़या वे साइयां तेरा ना छड्ड के जांवीं, ना छड्ड के जांवीं
ओखा झलना ऐ दर्द विछोड़ा विछड़ नां जांवीं, विछड़ नां जांवीं
पल्ला फड़या वे साइयां तेरा.......

तेरे बिन साड्डा कौण सहारा तेत्थों बिन, नहीं होणा गुजारा......2
एस कश्ती दा तूंहीं हैं मांझी, तूं पार लन्घावीं, तूं पार लन्घावीं......2
पल्ला फड़या वे साइयां तेरा.......

पैहलां रुले बथेरे वे साइयां, होर नी रुलया जाना
नाल सबब दे, मिलया मौका, मुड़के हथ नहीं औंणा......2
तेरे दर्शन कर कर जीवां, ना मुखड़ा छुपावीं, ना मुखड़ा छुपावीं
पल्ला फड़या वे साइयां तेरा.......

तुहीं ऐ एस बाग दा माली, कौन करु एस दी रखवाली......2
जेड़े नाम दे बुट्टे लाऐ, तूं पाणी पावीं, तूं पाणी पावीं
पल्ला फड़या वे साइयां तेरा......

होवीं ना, कदे अखियों ओले, तेरे कोले, दुखड़े फोले......2
साडा दुखियां दा तूं हमदर्दी, तूं दर्द वंडावीं, तूं दर्द वंडावीं
पल्ला फड़या वे साइयां तेरा.......

सानुं ते साइयां वे तेरियां लोड़ाँ, तरले पावां, दोंवे हथ जोड़ाँ......2
गुरु अजायब जी साधु दी बिनती, तूं लेखे लांवीं, तूं लेखे लांवीं
पल्ला फड़या वे साइयां तेरा.......

साईं सबदे सिरां दे उत्ते हथ रखदा

सन्त साधुराम

भज भज वड़दां ऐ मंदर मसीती, ते कदे अपणे अंदर वड़या ई नहीं
नित असमानी उडदियां फड़दा ऐं, ते जेड़ा घर बैठा ओणूं फड़या ई नहीं

कातों पथराँ नूं ऐवें बन्दे फिरें पूजदा
कर अन्दरों दीदार, सोणे महबूब दा......2
कौण कैंदा तेत्थों दूर, (3) ओ ते तेरे विच वसदा
साईं सबदे सिरां दे, उत्ते हथ रखदा,
ओ दाता सबदे सिरां दे उत्ते हथ रखदा
कातों पथराँ नूं........

जेड़े हथां दे बनाए, झाड़ू पोचे मारदा
काया हरी दा मंदर, ऐनूं क्यों नहीं सवार दा......2
नित विश्यां विकारां वाले, विश्यां विकारां वाले रस चखदा
साईं सबदे सिरां दे, उत्ते हथ रखदा,
ओ दाता सबदे सिरां दे उत्ते हथ रखदा
कातों पथराँ नूं........

मोह माया ने है ऐसा, बन्दे तैनूं भरमाया
काम क्रोध ते हंकार, तैनूं सब कुछ भुलाया.......2
की ऐ चंगा, की ऐ मंदा, (2) ना पहचान करदा
ओ दाता सबदे सिरां दे उत्ते, हथ रखदा
कातों पथराँ नूं..........

बाहरी मंदराँ नूं रोज, लाके धूफां महकावें
जेड़ा हरी दा मंदर, ओदे विच गंद पांवें.......2
तेरा मन बदनीता, (2) ऐनूं क्यों नी डकदा
ओ दाता सबदे सिरां दे, उत्ते हथ रखदा
कातों पथराँ नूं..........

कोई पूरा गुरु लब्ब, कर नाम दी कमाई
जेड़ी ऐत्थे वी ते ओत्थे, होवे दोवें थां सहाई.......2
की ऐ चंगा की ऐ मंदा, (2) ना पहचान करदा
ओ दाता सबदे सिरां दे, उत्ते हथ रखदा
कातों पथराँ नूं..........

गुरु मिलया अजायब जी, जीनें बक्श ते ऐब
सुख साधु चोली पाए, दुःख हो गए सारे गैयब.......2
भला की सी गरीब, (2) जे नां लाज रखदा
ओ दाता सबदे सिरां दे, उत्ते हथ रखदा
कातों पथराँ नूं...........

सुत्ता सी मैनुं जगा गया

सन्त साधुराम

मिट्टी सी मैं, ते सोना बणा गया
की सी मैं, ते की बणा गया

सुत्ता सी मैनुं जगा गया, मेरे सोहणे गुरुजी तेरा नाम.......2
भुल्या सी राहे पा गया, मेरे दाता जी तेरा नाम
मेरे रब्ब जी, मेरे प्रभ जी, मेरे दाता जी, तेरा नाम
तेरा नाम दातया, तेरा नाम मालका
सुत्ता सी मैनुं जगा गया, मेरे सोहणे गुरुजी तेरा नाम

इस पापी दे पापां दी पंड, अपने सिर ते लै लई
धुर दरगाह दी, जिम्मेवारी, अपने जुम्मे लै लई.......2
ऐने ने उपकार वे साईयाँ, (2) कीत्ते ना जांदे ब्यान.......2
सुत्ता सी मैनुं जगा गया, मेरे सोहणे गुरुजी तेरा नाम
मेरे रब्ब जी, मेरे प्रभ जी, मेरे दाता जी, तेरा नाम
तेरा नाम दातया, तेरा नाम मालका
सुत्ता सी मैनुं जगा गया.......

इस निर्गुण विच, गुण ना कोई, फिर वी चरणी लाया
होई तेरी मौज दातया, अपना दास बणाया.......2
जित्थे जावां, ओत्थे गांवां, (2) तेरे ही गुणगान.......2
सुत्ता सी मैनुं जगा गया, मेरे सोहणे गुरुजी तेरा नाम
मेरे रब्ब जी, मेरे प्रभ जी, मेरे दाता जी, तेरा नाम
तेरा नाम दातया, तेरा नाम मालका
सुत्ता सी मैनुं जगा गया........

दर दर रुल्दा, फिरदा सी, इक बेचारा लाधु
सिर उत्ते रख हथ, तुसीं जद, कह दित्ता सी साधु.......2
मैं ओसे दिन तों, हो गया, (2) गुरु अजायब जी तेरा गुलाम
सुत्ता सी मैनुं जगा गया, मेरे सोहणे गुरुजी तेरा नाम
भुल्या सी राहे पा गया, मेरे सोहणे गुरूजी तेरा नाम
मेरे रब्ब जी, मेरे प्रभ जी, मेरे दाता जी, तेरा नाम
तेरा नाम मालका, तेरा नाम दातया

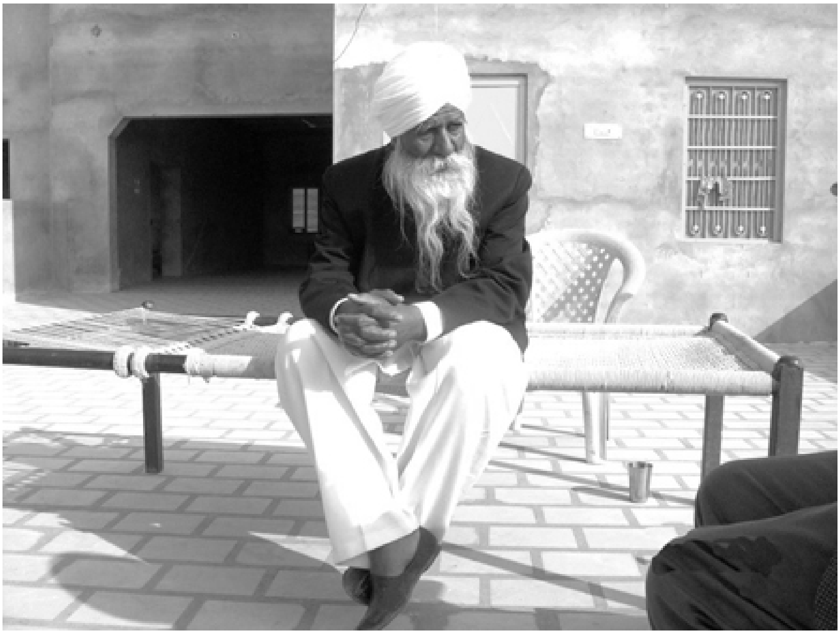

तूं बंदया कुझ ते सोच विचार

सन्त साधुराम

तूं बंदया कुझ ते सोच विचार, तैं इक दिन छड्डु जाणा संसार
भला की तेरी औकात, (2) तूं इक मिट्टी दी ढेरी ऐं
क्यों मन दे पिच्छे लगके, करदा मेरी मेरी ऐं.......2
तूं बंदया कुझ ते सोच विचार.......

नित उठ रोज सवेरे लांवें, लम्बियां लम्बियां आसां
पता नहीं ऐ कद मुक जाणा, गिनती दे ऐ स्वासां.......2
जद सिर उत्ते आ झुलणा, (2) चंदरी मौत हनेरी ने
क्यों मन दे पिच्छे लगके, करदा मेरी मेरी ऐं.......2
तूं बंदया कुझ ते सोच विचार.......

ऐ जग इक मुसाफिरखाना, इक दिन छड्डुके जाणा
सदा लई कोई, बैठ नहीं रैहंदा, भावें राजा ते कोई राणा.......2
बड़ा वक्त कीमती बंदया, (2) हुण तूं ना कर देरी ऐ
क्यों मन दे पिच्छे लगके, करदा मेरी मेरी ऐं.......2
तूं बंदया कुझ ते सोच विचार.......

रख भरोसा सतगुरु ते, जीवें बै गया सी ऐ साधु
किसे वी गल दी थोड़ नहीं, गुरु अजायब दा दित्ता वाधू.......2
बस सतगुरु दे ही, नाम दी माला, (2) जावां फेरी ऐ
क्यों मन दे पिच्छे लगके करदा मेरी मेरी ऐं.......2
तूं बंदया कुझ ते सोच विचार.......

बै–बैठ

गुरु जेहा ना कोई जग विच

सन्त साधुराम

किस मुख गुरु सलाईए, गुरु करण कारण समरथ
हर मुश्किल नूं, हल कर देवे, रख सेवक दे सिर हत्थ

गुरु जेहा ना कोई जग विच, गुरु जेहा ना कोई.......2
जेड़ा मुर्शिद दा हो जावे, जेड़ा सतगुरु दा हो जावे, ऐ गल्ल जाने सोई
गुरु जेहा ना कोई जग विच.........

खुद परमेश्वर गुरु रूप विच, इस धरती ते आवे
तड़फदियां रूहां ते आके, नाम दा मीह वरसावे.......2
मैं मैली चादर, सतगुरु लड़ लग, (2) आपे उज्जल होई
गुरु जेहा नां कोई जग विच, गुरु जेहा ना कोई
जेड़ा सतगुरु दा हो जावे, जेड़ा मुर्शिद दा हो जावे, ऐ गल्ल जाने सोई
गुरु जेहा ना कोई जग विच..........

बनके जे कोई नीच निमाणा, आ जाए गुरु द्वारे
नाम शब्द दा साबुन लाके, मन दी मैल उतारे.......2
धोबी बनके, मैलियां रूहां, (2) आपे जावे धोई
गुरु जेहा नां कोई जग विच, गुरु जेहा ना कोई
जेड़ा सतगुरु दा हो जावे, (2) ऐ गल्ल जाने सोई
गुरु जेहा ना कोई जग विच..........

बिना गुरु तों, रब्ब नहीं मिलदा, भावें लख कोई मत्था मारे
बिन गुरु तों पक्के तारु वी, डुबदे अद्ध विचकारे.......2
बिना गुरु तो भुल्ले सेवक नूं, (2) गल ना लांदा कोई
गुरु जेहा ना कोई जग विच.........

गुरु चाहवे तां सेवक नूं, फरशां तों अशर पुचावे
कर देवे जे नजर सवल्ली, कखों लख बनावे.......2
गुरु वडयाई, ओही गावे, (2) जिसते किरपा होई
गुरु जेहा नां कोई जग विच, गुरु जेहा ना कोई
जेड़ा सतगुरु दा हो जावे, जेड़ा मुर्शिद दा हो जावे, ऐ गल्ल जाने सोई
गुरु जेहा ना कोई जग विच..........

धन धन गुरु, अजायब जी जिसने, गुरु–भक्ति विच लाया
ऐस गरीब निमाने, साधु नूं आ, सिद्धे रस्ते पाया.......2
गुरु बाणी वी ऐहो कैंदी, (2) गुरु बिना मुक्त ना होई
गुरु जेहा ना कोई जग विच..........

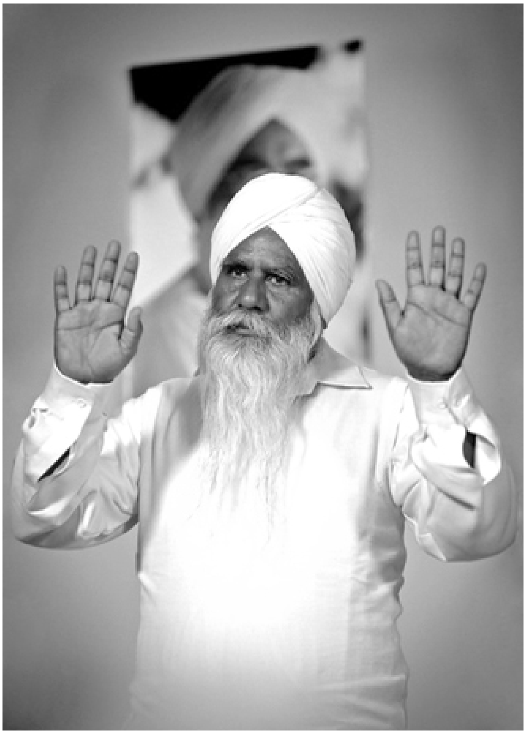

200

जो चरणा दे नाल ला रखया

सन्त साधुराम

नां मैं चंगा, ना गुण पल्ले, बस सब तेरी वडयाई
दाता इस नीच निमाने दी तैं, हर थां लाज बचाई

जो चरणा दे नाल ला रखया, उपकार गुरुजी तेरा ऐ
ऐबां ते पर्दा, पा छडया, (2) उपकार गुरूजी तेरा ऐ
जो चरणा दे नाल ला रखया..........

मैं पापी हाँ, अपराधी हाँ, कोई गुण ना, ओगुण हारा हाँ.......2
हाँ ऐब गुनाहां, दा भरया, (2) पर फिर वी तैनूं प्यारा हाँ.......2
जो सेवा दे विच, ला रखया, (2) उपकार गुरुजी तेरा ऐ
ऐबां ते पर्दा पा छडया, (2) उपकार गुरूजी तेरा ऐ
जो चरणा दे नाल ला रखया...........

मैं मिट्टी तों वी, मिट्टी सी, तैं फिर वी कदरां पाईयां ने.......2
तेरे दर ते आए मंगते दी, झोली विच खैरां पाईयां ने.......2
मैनूं अपना दास बना छडया, (2) उपकार गुरु जी तेरा ऐ
ऐबां ते पर्दा पा छडया, (2) उपकार गुरूजी तेरा ऐ
जो चरणा दे नाल ला रखया.........

नजरां नाल नजरां जद मिलियाँ, ओसे दिन ही पहचान लया.......2
लोकां भांवे बंदा होणा ऐ, पर में तैनूं रब्ब जान लया.......2
गुरु अजायब जी, साधु हर वेले, (2) करे शुकर दातया तेरा ऐ
ऐबां ते पर्दा पा छडया, (2) उपकार गुरूजी तेरा ऐ
जो चरणा दे नाल ला रखया..........

तेरे बिना मैं गुरू जी फिरदा सी रुल्दा

सन्त साधुराम

दीन हीन के दाते, मेरे सतगुरु पुरुख विधाते.......2

तेरे बिना मैं गुरू जी, फिरदा सी रुल्दा
तेरे उपकार दाता, कदे वी नहीं भुलदा.......2
ऐसी दया दी नजर, (3) दित्ती मार दातया
मैनुं दित्ता, ऐ गरीब नूं, तूं तार दातया.......2
तेरे बिना मैं गुरू जी.........

रखीं हर थां ते लाज, सुण गरीब दी आवाज.......2
लाके चरणा नाल मैनुं, कित्ती जिन्दगी आबाद
प्यार मिलया ऐ तेरा, (3) बेशुमार दातया
मैनुं दित्ता ऐ गरीब नूं, तूं तार दातया.......2
तेरे बिना मैं गुरू जी........

सुण रोंदे दियां हूक्कां, आके गल नाल लाया.......2
होल पैंदे सी कलेजे, तैं ही होंसला बनाया
आया सुण के गरीब दी, (2) पुकार दातया
मैनुं दित्ता ऐ गरीब नूं तूं, तार दातया.......2
तेरे बिना मैं गुरू जी.........

201

तेरे भरे ने खजाने, किसे गल दी ना थोड़.......2
दोंवे हत्थी तूं लुटावें, जे कोई मंगे हत्थ जोड़
दया रहमतां दा तूं ते, (2) भण्डार दातया
मैनुं दित्ता ऐ गरीब नूं तूं, तार दातया.......2
तेरे बिना मैं गुरू जी..........

मेरी की सी औकात, जे ना पुछदा तूं बात.......2
लैके पाप सिर मेरे, दित्ती नाम दी सौगात
डुबदा सी मझदार, (2) लाया पार दातया
मैनुं दित्ता ऐ गरीब नूं तूं, तार दातया.......2
तेरे बिना मैं गुरू जी..........

हत्थ जोड़ साधु करे, तैनूं सजदा सलाम.......2
सदा रखयो बना के, अजायब जी अपना गुलाम
लख लख तेरा शुक्र, (2) गुजार दातया
मैनुं दित्ता ऐ गरीब नूं तूं तार दातया.......2
तेरे बिना मैं गुरू जी..........

कर रब्ब नाल बंदया प्यार

सन्त साधुराम

कर रब्ब नाल बंदया प्यार, किसे तों की लैणा
इस जिन्दड़ी दे दिन चार, (2) किसे तों की लैणा
कर रब्ब नाल बंदया प्यार..........

लड़ना सी तैं, मन अपने नाल, फिरें लोकां नाल लड़दा
दूजयाँ दे सुख वेख–वेख के, अंदरों अंदरी सड़दा.......2
कदे बैह के, सोच विचार, किसे तों की लैणा
कर रब्ब नाल बंदया प्यार, किसे तों की लैणा
ऐ ते मतलब दा संसार, (2) किसे तों की लैणा
कर रब्ब नाल बंदया प्यार..........

बन्दे नूं, बंदा ना समझें, कित्थों रब्ब नूं पावेंगा
नीतां नूं सब, मिलण मुरादाँ, नीवां होके पावेंगा.......2
कड्ढ मन विचों अहंकार, (2) किसे तों की लैणा
कर रब्ब नाल बंदया प्यार, किसे तों की लैणा
इस जिन्दड़ी दे दिन चार, (2) किसे तों की लैणा
कर रब्ब नाल बंदया प्यार..........

लोक लाज ते, छडनी पैणी, सब दी तैनूं सुननी पैणी.......2
तेरा दुश्मन तेरा ही परिवार,(2) किसे तों की लैणा
कर रब्ब नाल बंदया प्यार..........

कद कोई खावे कदों पकावे, दस भला तैं की लैणा.......2
उठदे बैंदे हर वेले ही, सिख लै गुरु गुरु कैहणा
अैत्थे गरजां दा सब प्यार, (2) किसे तों की लैणा
कर रब्ब नाल बंदया प्यार...........

छड्डु दुनियां दा खैड़ा साधु, मन मोहनी कर देवे जादू.......2
गुरु अजायब, तेरा सरदार, (2) किसे तों की लैणा
कर रब्ब नाल बंदया प्यार, किसे तों की लैणा
ऐते मतलब दा संसार..........

बड़ा सोहणा बड़ा ही मन मोहणा

सन्त साधुराम

की की सिफत करां सोहणे दी, ओदे वरगा होर ना कोई
दर्शन करके संगतों नी, रूह गद गद गद गद होई

बड़ा सोहणा बड़ा ही मन मोहणा, सईओं नी सोहणा रूप रब्ब दा
गुरु अजायब जेहा नहीं कोई होंणा, सईओं नी सोहणा रूप रब्ब दा, (3)
बड़ा सोहणा बड़ा ही मन मोहणा.......

नूरी मुखड़ा चमका मारे, ढुल ढुल पैंदी लाली
धरती उत्ते चलके आया, कुल दुनिया दा वाली......2
मसां मिलया ऐ मुड़ नहीं थिओणा, सईओं नी सोहणा रूप रब्ब दा, (3)
बड़ा सोहणा बड़ा ही मन मोहणा..........

मत्थे दे विच जोत इलाही, जग मग जग मग जगदी......2
ओदियाँ तां बस, ओही जाने, सिफत करां की रब्ब दी
नी सईओं सिफत करां की रब्ब दी
जग भुल जावे पर गुरु नहीं भुलोणा, सईओं नी सोहणा रूप रब्ब दा
गुरु अजायब जेहा नहीं कोई होंणा, सईओं नी सोहणा रूप रब्ब दा, (3)
बड़ा सोहणा बड़ा ही मन मोहणा..........

उसदी इक नजर ने कीता, अड़ियो ऐसा जादू,
सोहणा मुर्शिद मन विच वसया, ओसे दा हो गया साधु......2
रब्ब मिल गया, होर की पोंणा, सईओं नी सोहणा रूप रब्ब दा (3)
बड़ा सोहणा बड़ा ही मन मोहणा........

दातया तेरीयाँ तूं जाणे

सन्त साधुराम

थापया ना जाए, कीता ना होए, आपे आप निरंजन सोए

दातया तेरीयाँ तूं जाणे, तेरा पार किसे नहीं पाया
आप बन्दे दा तूं रूप बना के, आपे विच समाया......2
मौज तेरी जद हो जावे ते, कल्लर बीज उगा देवें
भट्ठी दे विच भुज्जे दाने, हरे बूटयां विच बदला देवें
हर शह दे विच आप बसें तूं, कण कण दे विच समाया
दातया तेरीयाँ तूं जाणे...........

तूं हर बन्दे विच वसेंदा, बंदा बाहर लब्ब दा तैनुं
तेरी दया बिन दाता नहीं समझां औनियाँ एनूं......2
अपने अंदरो तैनूं दाता, किसे विरले ने ही पाया
दातया तेरीयाँ तूं जाणे...........

जिसने पाया उसने छुपाया, पर तेरा ही गुण गाया
सच कदे वी छुप नहीं सकदा, भावें झूठ ने पर्दा पाया......2
पल विच राजयों रंक बना देवें, तेरी अजब निराली माया
दातया तेरीयाँ तूं जाणे...........

कदे कबीर कदे नानक, स्वामी जैमल तूं बन आया
सावन ते किरपाल कदे, कदे अजायब जी नाम धराया......2
अपने मुर्शिद विचों साधु, रूप तेरा ही पाया
दातया तेरीयाँ तूं जाणे...........

जदों टुट जाणी साहां वाली डोर बंदया

सन्त साधुराम

की मान करें तन दा, ऐ वी ते मिट्टी ऐ
सब संत फकीराँ ने, एहो गल्ल लिक्खी ऐ

जदों टुट जाणी, साहां वाली डोर बंदया
उड् जाणा ऐ, वजूद विचों भोर बंदया......2
जदों टुट जाणी.........

ऐत्थे ही रह जाणीयां ने, धन अते दोलतां,
मुक जाणीयां ने जदों, साहां दियां मोहलतां......2
चक्को चक्को पैजू, चारे पासे शोर बंदया
उड् जाणा ऐ, वजूद विचों भोर बंदया......2
जदों टुट जाणी........

पहलां कई आए ऐत्थे, कई चले गये ने,
खाली हत्थ लैके आये, खाली हत्थ गए ने......2
लुट लैणगे ऐ, तैनूं पंज चोर बंदया
उड् जाणा ऐ, वजूद विचों भोर बंदया......2
जदों टुट जाणी........

मेरी मेरी करदा ऐं, मै च मर जावेंगा,
मानस चोले नूं ऐवें, दाग तूं लवावेंगा......2
नईंयों काल अग्गे, चलणा कोई जोर बंदया
उड् जाणा ऐ, वजूद विचों भोर बंदया......2
जदों टुट जाणी........

सतगुरु अजायब, जिवें साधु नूं ऐ तारया,
पैजा तूं शरण, तर जावेंगा प्यारया......2
नइयों गुरु बिना तेरा, (3) कोई होर बंदया,
उड् जाणा ऐ, वजूद विचों भोर बंदया......2
जदों टुट जाणी........

जे रब्ब नूं मिलणा ए प्यारया

सन्त साधुराम

जे रब्ब नूं मिलणा ऐ प्यारया, कर लै सतगुर नाल प्यार......2
फिर गुरु विचों ही होणे, तैनु रब्ब दे दीदार......2
जे रब्ब नूं मिलणा ऐ प्यारया..........

कड्ड दे मन चों भरम भुलेखे, जिंदगी लादे गुरु दे लेखे......2
जगत भगत दा, रस्ता वखरा, (2) छड्ड झूठा संसार
जे रब्ब नूं मिलणा ऐ प्यारया..........

जिसने प्यार गुरु नाल कीता, ऐहो ही बस जाण लया
गुरु गोविन्द गोविन्द गुरु, रब्ब दा रूप पछाण लया......2
रब्ब गुरु नु मनके कर लै, (2) उसदा ही सत्कार
जे रब्ब नूं मिलणा ऐ प्यारया..........

रब्ब वी ओनूं नेड़े नहीं लौंदा, जिसनूं गुरु नकार देवे
दो जहाँ दी खुशी मिले जे, सतगुरु नजरां मार देवे......2
नाम जहाज दे विच बह के, तूं हो भवसागर तों पार......2
जे रब्ब नूं मिलणा ऐ प्यारया..........

रब्ब गुरु नूं मन साधु ने, तन मन धन सब्ब वार दित्ता
गुरु अजायब जी दया करी, ते ऐस गरीब नूं तार दित्ता......2
ऐ मन सब्ब इलतां दी जड़, लै इसनु तूं नत्थमार......2
जे रब्ब नूं मिलणा ऐ प्यारया..........

मैं ते मंगदा दीदार दाता तेरा

सन्त साधुराम

औसियां पा पा दिन लंघदे ने, ते जाग जाग के रातां
दो नैनां चों हर पल हर दम, हुंदियां ने बरसातां....2

मैं ते मंगदा दीदार दाता तेरा, (2) मैं होर कुझ नईयों मंगदा....2
सुण दुखड़ा दातया मेरा, (2) मैं होर कुझ नइयों मंगदा....2
मैं ते मंगदा दीदार दाता तेरा..........

दर्श बगैर तेरे अखियाँ प्यासियाँ, देके दीदार कर दूर ऐ उदासियाँ...2
भला तेरे बिन कौण ऐत्थे मेरा, (2) मैं होर कुझ नईयों मंगदा
मैं ते मंगदा दीदार दाता तेरा, मैं होर कुझ नईयों मंगदा
सुण दुखड़ा दातया मेरा, (2) मैं होर कुझ नइयों मंगदा
मैं ते मंगदा दीदार दाता तेरा........

ना मैं मंगदा सोना चाँदी, ना हीरे ना मोती....2
इस मन मंदर विच जगा दे, अपने नाम दी ज्योति
तूं मालक मैं नौकर तेरा, (2) मैं होर कुझ नईयों मंगदा
मैं ते मंगदा दीदार दाता तेरा, मैं होर कुझ नईयों मंगदा
सुण दुखड़ा दातया मेरा, (2) मैं होर कुझ नइयों मंगदा
मैं ते मंगदा दीदार दाता तेरा..........

तूं मर्जी दा मालक दाता, (2) अग्गे मर्जी तेरी.....2
कर लईं वे मंजूर दातया, (2) ऐस गरीब दी अर्जी
तूं दाता मैं मंगदा तेरा, (2) मैं होर कुझ नईयों मंगदा
मैं ते मंगदा दीदार दाता तेरा.........

रो रो साधु अरज गुजारे, (2) आ मिल गुरु अजायब प्यारे.....2
कदे पादे तूं गरीब घर फेरा, (2) मैं होर कुझ नईयों मंगदा
मैं ते मंगदा दीदार दाता तेरा..........

सन्त साधुराम जी

आजा वे हुण रह नहीं हुँदा
सन्त साधुराम

आजा वे हुण, रह नहीं हुँदा, होर विछोड़ा, सह नहीं हुँदा
किसनूं अपणा दुःख सुणावां, (2) एह जग ताने मेहणे देंदा

आ वे सोणया आ, वे मेरे दिल दे वेहड......2
गुरु अजायब जी फेरा पा, वे मेरे दिल दे वेहड़े
आ वे सोणया आ, वे मेरे दिल दे वेहड़े

एह दिल कमला डुब डुब जावे, याद तेरी विच रोई जावे......2
आ इसनूं समझा, वे मेरे दिल दे वेहड़े
आ वे सोणया आ, वे मेरे दिल दे वेहड़े
गुरु अजायब जी फेरा पा, वे मेरे दिल दे वेहड़े

बिन तेरे हुण जी नईयों हुँदा, जहर जुदाई दा पी नईयों हुँदा......2
वे मैंनु नाम दा अमृत पिला, वे मेरे दिल दे वेहड़े
आ वे सोणया आ, वे मेरे दिल दे वेहड़े
गुरु अजायब जी फेरा पा, वे मेरे दिल दे वेहड़े

राहां तक तक थक गईयां अखियाँ, फिर वी लाके आसां रखियां.......2
अखियाँ दी प्यास बुझा, वे मेरे दिल दे वेहड़े
आ वे सोणया आ, वे मेरे दिल दे वेहड़े
गुरु अजायब जी फेरा पा, वे मेरे दिल दे वेहड़े

दिल दे वेहड़ेयों उठ दियां हूकां, मैं कमली पई मारां कूकां......2
कूकां सुन के आ, वे मेरे दिल दे वेहड़े
आ वे सोणया आ, वे मेरे दिल दे वेहड़े
गुरु अजायब जी फेरा पा, वे मेरे दिल दे वेहड़े

बड़े चिरांदी फिरदी रूल्दी, अज जा गल सुणाई दिल दी......2
वे मेरी अर्जी लेखे ला, वे मेरे दिल दे वेहड़े
आ वे सोणया आ, वे मेरे दिल दे वेहड़े
गुरु अजायब जी फेरा पा, वे मेरे दिल दे वेहड़े

याद तेरी विच मुकदा जांदा, सुक्यां रुखां वांगु सुकदा जांदा......2
आ साधु नू गल ला, वे मेरे दिल दे वेहड़े
गुरु अजायब जी फेरा पा, वे मेरे दिल दे वेहड़े
आ वे सोणया आ, वे मेरे दिल दे वेहड़े

जदों दे गुरु जी मैनूं अजायब मिले ने

सन्त साधुराम

सारी वनस्पति दी कलम होवे, ते सब धरती दा कागज होवे
होवे सबे समुद्रां दी स्याही, फेर वी लिख ना हुंदी ऐ
सोहणे सतगुरु दी वडिआई

जदों दे गुरु जी, मैनूं अजायब मिले ने......2
दर्दां तों, दुःखां तों, आराम मिले ने......2

गुरु दे हुंदयां, फिकर ना फाका, सतगुरु मेरा हर थां राखा......2
सुखां दे, सुखां दे, सुखां दे, पैगाम मिले ने
जदों दे गुरु जी, मैनूं अजायब मिले ने...........

कल तक नहीं सी, पुछदा कोई......2
सतगुरु ने ही, दित्ती ढोई......2
पिछले ही कोई, पिछले ही, पिछले ही कोई,
पिछले ही, ईनाम मिले ने
जदों दे गुरु जी, मैनूं अजायब मिले ने...........

ऐसी नजर, दया दी पाई......2
साधु नूं एह, सेवा लाई......2
गावण नूं, गावण नूं, गावण नूं, गुण गाण मिले ने
जदों दे गुरु जी, मैनूं अजायब मिले ने...........

अन्दर तूं ऐं बाहर तूं ऐं

सन्त साधुराम

तुध आगे अरदास हमारी, जियो पिंड सब तेरा
मेरा मुझमें कुछ भी नांही, जो किछ है सो तेरा

अन्दर तूं ऐं बाहर तूं ऐं, (2) कण कण विच समाया तूं ऐं.......2
जेहड़े पासे वेखां मैनूं, (2) नजरी आंवें तूं, मैं ते कुझ वी नहीं
मेरे सतगुरु तूं ही तूं, मैं ते कुझ वी नहीं
मेरे दाता तूं ही तूं, मैं ते कुझ वी नहीं
अन्दर तूं ऐं बाहर तूं ऐं..........

आप बणावें आप ही ढावें, आप ही खेडां खेडी जांवें.......2
हर बन्दे दे विच वसें तूं, (2) जिवें विच कपड़े दे रूं
मैं ते कुझ वी नहीं, मेरे सतगुरु तूं ही तूं, मैं ते कुझ वी नहीं
मेरे दाता तूं ही तूं, मैं ते कुझ वी नहीं
अन्दर तूं ऐं बाहर तूं ऐं..........

मिट्टी तों वी मिट्टी सी मैं, तैं ही साह विच पाये ने.......2
तेरे ही गुण गाई जांवां, तैं ही आप गवाये ने.......2
ऐ गूंगा की बोलण जोगा सी, तूं विच आप करे हूं हूं
मैं ते कुझ वी नहीं, मेरे सतगुरु तूं ही तूं, मैं ते कुझ वी नहीं
मेरे दाता तूं ही तूं, मैं ते कुझ वी नहीं
अन्दर तूं ऐं बाहर तूं ऐं..........

गुरु अजायब जी, तूं उच्चा सुच्चा, मैं हाँ नीच निमाणा.......2
दया करी तूं साधु ते, जाण के बाल न्याणा.......2
इस बेसमझ नूं दया तेरी नाल, (2) आई थोड़ी सूह
मैं ते कुझ वी नहीं, मेरे सतगुरु तूं ही तूं, मैं ते कुझ वी नहीं
मेरे दाता तूं ही तूं, मैं ते कुझ वी नहीं
अन्दर तूं ऐं बाहर तूं ऐं..........

बदल जाएगी तेरी ज़िंदगानी

सन्त साधुराम

यह जगत मुसाफिरखाना है, कोई आता है कोई जाता है
माया झूठी काया झूठी, पर साथ तो कुछ नहीं जाता है

बदल जाएगी......3
तेरी ज़िंदगानी, सत्संग में प्यारे, आ कर तो देखो.......2
यह भूला हुआ मन समझ जाए शायद.......2
गुरु चरणों में इसे झुका कर तो देखो.......2
बदल जाएगी तेरी ज़िंदगानी...........

कर्मकांड जप तप से बढ़कर है सत्संग.......2
बड़े भाग्यवानों को मिलता है सत्संग.......2
अंधेरों में क्यों तूं भटकता है प्यारे.......2
गुरु नाम की ज्योति जला कर तो देखो.......2
बदल जाएगी तेरी ज़िंदगानी...........

नहीं कुछ भी लेता, है देता ही देता,
गुरु से बड़ा जग में नहीं कोई होता.......2
चींटी से लेकर हाथी तक की सुनता.......2
जरा तुम भी दिल की सुना कर तो देखो.......2
बदल जाएगी तेरी ज़िंदगानी...........

नहीं कुछ भी होता तो विश्वास कर ले,
जो कहता है सतगुरु अम्ल उस पर कर ले.......2
नहीं करता देरी चला आए दौड़ा......2
तुम आवाज दिल से लगा कर तो देखो.......2
बदल जाएगी तेरी ज़िंदगानी...........

जैसे बेर भिलनी के श्रीराम खाऐ......2
जूठे थे फिर भी खाऐ मुस्कुराए 2
प्रेम भाव के ही भूखे हैं सतगुरु......2
जरा प्रेम से कुछ खिला कर तो देखो.......2
बदल जाएगी तेरी ज़िंदगानी...........

मुझे जो भी मिला है गुरु से मिला है......2
उन्हीं की रहमतों से फूल यह खिला है.......2
महिमा अजायब जी की गाये ये साधु......2
तुम महिमा गुरू की गा कर तो देखो.......2
बदल जाएगी तेरी ज़िंदगानी...........

212

तूं पिता मैं बालक तेरा

सन्त साधुराम

तूं पिता मैं बालक तेरा, तूं मालक मैं नौकर तेरा.......2
दया तेरी नाल जिन्दगी दे विच, हो जाये नवां सवेरा
तेरे बिना कौण गुरू जी मेरा, तेरे बिना कौण दातया मेरा
तेरे बिना कौण गुरू जी मेरा...........

मैं हां गुनहगार दाता, तूं बक्शणहारा ऐं.......2
कुल दुनियां दा वाली, सब दा पालनहारा ऐं.......2
मैं किस गल्लों फिकर करां, (2) जद फिकर करें तूं मेरा
तेरे बिना कौण गुरू जी मेरा, तेरे बिना कौण दातया मेरा
तेरे बिना कौण गुरू जी मेरा...........

एह मन दगेबाज तों दाता, आप बचावीं.......2
भुलया होया राही हां, सीधे राहे पावीं.......2
दया करीं तूं सदा गुरू जी, (2) बण के रहां मैं तेरा
तेरे बिना कौण गुरू जी मेरा, तेरे बिना कौण दातया मेरा
तेरे बिना कौण गुरू जी मेरा...........

मंगता बण के आया दर ते, झोली खैरां पावीं.......2
गुरू अजायब जी, इस साधु नूं, चरणा दे नाल लावीं.......2
तेरे चों रब्ब दिसदा मैनूं, (2) शुकर करां मैं तेरा
तेरे बिना कौण गुरू जी मेरा, तेरे बिना कौण दातया मेरा
तेरे बिना कौण गुरू जी मेरा...........

जदों तक मैं नहीं मर दी

सन्त साधुराम

जदों तक मैं, नहीं मर दी, ते रब्ब वी दूर रैहंदा ऐ.......2
बिना मुरशद, नहीं राह मिलदी......2
जीव भुलया ही रैहंदा ऐ......2
जदों तक मैं नहीं मर दी...........

मैं मैं करदा बकरा इक दिन, गर्दन नूं कटवा लैंदा.......2
हौमे हंगतां दे विच बंदा, सब कुछ हत्थों, गवा लैंदा.......2
दया सतगुरु वी कर देवे, (2) जो नीवां बण के रैहंदा ऐ
जदों तक मैं नहीं मर दी...........

मैं नूं मार हमेशा पैंदी, मैं नूं मार मुका बंदया.......2
काम क्रोध हंकार नूं छडके, मन नूं लै समझा बंदया.......2
एह फुलया मन नरम पैंदा (2) जदों आ सतसंग विच बैंदा ऐ
जदों तक मैं नहीं मर दी...........

होई गुरु अजायब जी दी किरपा, ते सुत्ते भाग जगाये ने.......2
की सी भला गरीब दे कोले.......2
ते एह सब सुख झोली पाये ने.......2
गुरु रब्ब है गुरु सब है, (2) एह साधुराम कैहंदा ऐ
जदों तक मैं नहीं मर दी...........

रज्ज रज्ज गुरां दा दीदार कर लौ

सन्त साधुराम

रज्ज रज्ज गुरां दा दीदार कर लौ.......2
रहमतां दे नाल झोलियां नूं भर लौ
भागां वालड़यो, मिलणा नहीं मौका बार बार
कर्मा वालड़यो, मिलणा नहीं मौका बार बार
रज्ज रज्ज गुरां दा दीदार कर लौ...........

मुददतां तों बाद एह, मिलाप होया ऐ.......2
सोहना रब्ब मेहरबान आप होया ऐ.......2
छड देयो सोच ते विचार.......2
भागां वालड़यो, मिलणा नहीं मौका बार बार
कर्मा वालड़यो, मिलणा नहीं मौका बार बार
रज्ज रज्ज गुरां दा दीदार कर लौ...........

जदों होवे कोल कोई, कदर नहीं पौंदा ऐ.......2
तुर जान पिछों फेर, रोंदा कुरलोंदा ऐ.......2
रोवे फिर वाजां मार मार.......2
भागां वालड़यो, मिलणा नहीं मौका बार बार
कर्मा वालड़यो, मिलणा नहीं मौका बार बार
रज्ज रज्ज गुरां दा दीदार कर लौ...........

पिछों पछतायां भला की हुन्दा ऐ.......2
जदों सोणे यार तों, विछोड़ा पैंदा ऐ.......2
होणा पैंदा, खजल खवार.......2
भागां वालड़यो, मिलणा नहीं मौका बार बार
कर्मा वालड़यो, मिलणा नहीं मौका बार बार
रज्ज रज्ज गुरां दा दीदार कर लौ...........

पूरा गुरु अजायब जी मिलया, गीत गुरु दे गा लो जी
साधु राम वांगु चित्त, गुरु चरणा विच ला लो जी.......2
कर लो गुरु दा सतकार.......2
भागां वालड़यो, मिलणा नहीं मौका बार बार
कर्मा वालड़यो, मिलणा नहीं मौका बार बार
रज्ज रज्ज गुरां दा दीदार कर लौ...........

रज्ज रज्ज वेखण दो

सन्त साधुराम

रज्ज रज्ज वेखण दो, बड़े चिरां तों दीदार संईयो होऐ.......2
अज्ज जाके मिली जिंदगी, (2) गुरु बिना सी जियोंदे वी मोये
रज्ज रज्ज वेखण दो, बड़े चिरां तों दीदार संईयो होए

अखियां भांवें जावण रोई, (2) पर अन्दरों रूह गद्‌गद्‌ होई.......2
कच्यां मकाना वांग ने, (2) नैन टिप टिप कर के चोऐ
रज्ज रज्ज वेखण दो, बड़े चिरां तों, दीदार संईयो होऐ

आया सोहणा अज्ज मेरे वेहड़े, (2) दूर हो गये दुःख सी जेहड़े.......2
अज्ज तक मैले सी, (2) दर्शन कर उजले होऐ
रज्ज रज्ज वेखण दो, बड़े चिरां तों, दीदार संईयो होऐ

अज्ज जागी ऐ किस्मत मेरी, (2) गुरु सतगुरु ने पाई फेरी.......2
अस्सीं निरभागे सी, (2) अज्ज भागां वाले होऐ
रज्ज रज्ज वेखण दो, बड़े चिरां तों, दीदार संईयो होऐ

सदा रहां चरणा विच तेरे, (2) कुछ वी नहीं मैं गुरु बिन तेरे.......2
एहो अरदास करां, (2) गुरु अखियों ना ओले होवे
रज्ज रज्ज वेखण दो, बड़े चिरां तों, दीदार संईयो होऐ

जाग जाग के कटियां रातां, (2) तां जाके होइयां मुलाकातां 2
गुरु मिलया अजायब आण के, (2) दोवें नैन जदों साधु दे रोऐ
रज्ज रज्ज वेखण दो, बड़े चिरां तों, दीदार संईयो होऐ

देके नाम दी दवाई सानूं दातया
सन्त साधुराम

देके नाम दी दवाई सानूं दातया, तैं सारे दुःख दूर कर ते.......2
हुण जांदियां नहीं खुशियां सम्भालियां.......2
तैं सारे गम चूर कर ते.......2

जन्मा जन्मा दे असीं रोगी भोगी सी, कामी क्रोधी कपटी ते,
लालची ते लोभी सी.......2
सानूं दे के दीदार नूरी दातया, (2) सानूं वी नूरो नूर कर ते.......2
देके नाम दी दवाई सानूं दातया, तैं सारे दुःख दूर कर ते

विषयां विकारां साडी ऐसी मत मारी सी.......2
गुरु जी निमान्यां ते, तुसां कीती दया भारी जी.......2
ऐसी मेहर कीती मेहरांवाले दातया.......2
पलां च दुःख दूर कर ते.......2
देके नाम दी दवाई सानूं दातया..........

मौज विच होवें जदों पत्थरां नूं तार दा.......2
कर दे निहाल दाता, जिसनूं निहार दा.......2
तेरे बिना सी अधूरे साईयां मेरेया.......2
तैं आपे सिर हत्थ धर ते.......2
देके नाम दी दवाई सानूं दातया..........

विछड़े चिरां दे सी आ अजायब जी तूं मिलया.......2
कर के दीदार साधु फूल वांगु खिलया.......2
मान रखया गरीब दा तूं दातया.......2
तूं मेरे खाली पल्ले भर ते.......2
देके नाम दी दवाई सानूं दातया..........

संता ने दस्सी युक्ति
सन्त साधुराम

नाम जपो ते सब सुख पावो, एह सब संता दा कहना
नाम बिना इस, भवसागर चों, बेड़ा पार नहीं होना

संता ने दस्सी युक्ति, नहीं नाम बिना ए मुक्ति.......2
जे भवसागर तरना ऐ, गल्ल पल्ले बन्न प्यारे
शब्द नाल प्यार कर प्यारे, गुरु नाल प्यार कर प्यारे.......2
संता ने दस्सी युक्ति..........

हर इक पल ए बड़ा कीमती, हत्थों खुंझ ना जावे.......2
गुरु कदे ना मन चो विसरे, रब्ब भावें भुल जावे.......2
लाऊ जोर बथेरा, ना इस काल तों डर प्यारे.......2
शब्द नाल प्यार कर प्यारे, गुरु नाल प्यार कर प्यारे
संता ने दस्सी युक्ति..........

गुरु तेरे लई, ऐना कुझ कीता, तूं की गुरु लई कीता.......2
नाम जपण दे वेले तेरा, मन होया बदनीता.......2
इस बदनीते मन नाल, रोज रोज तूं लड़ प्यारे.......2
शब्द नाल प्यार कर प्यारे, गुरु नाल प्यार कर प्यारे
संता ने दस्सी युक्ति..........

गुरु अजायब जी नू साधु ने, कर सिमरन खुश कीता.......2
दया मेहर कीती दाते ने, सिर ते हत्थ धर दित्ता.......
गुरु बिना नहीं सेवक दा, इक पल वी सरदा प्यारे.......2
शब्द नाल प्यार कर प्यारे, गुरु नाल प्यार कर प्यारे
संता ने दस्सी युक्ति..........

तेरी दया मेहर दाता डुबदे पत्थरां नूं तार दी

सन्त साधुराम

तेरी दया मेहर दाता, डुबदे पत्थरां नूं तार दी.......2
तेरा भेद किसे नां पाया, तूं जाणे कुल संसार दी.......2
तेरी दया मेहर दाता.......

तूं चाहवें तां, मंगते नूं वी, पल विच राज बिठा देवें.......2
तूं चाहवें तां, राज्यां तों वी, दर दर भीख मंगा देवें.......2
हो जावे जद दया तेरी ते, (2) किस्मत पलटा मार दी.......2
तेरी दया मेहर दाता.......

तेरी दया मेहर भगतां नूं, नीचों उंच बनावे.......2
सत्संग दे विच आके हर इक, पापी वी तर जावे.......2
तेरी अमृत बाणी दाता, (2) तपदे हिरदे ठार दी.......2
तेरी दया मेहर दाता.......

गुरु अजायब जी रब्ब बनके तूं, धरती उत्ते आया.......2
ऐस गरीब साधु नूं आके, अपने गल नाल लाया.......2
ऐह रूह मेरी हर दम दाता, (2) तेरा शुकर गुज़ार दी.......2
तेरी दया मेहर दाता.......

तेरे दर्शन कर कर जीवां

सन्त साधुराम

तेरे दर्शन कर कर जीवां, मेरे प्रीतमां जीओ.......2
मेरे प्रीतमां जीओ, मेरे प्रीतमां जीओ.......2

तेरे नाम दा अमृत पीवां, (2) मेरे प्रीतमां जीओ
तेरे दर्शन कर कर जीवां, मेरे प्रीतमां जीओ
मेरे प्रीतमां जीओ, मेरे प्रीतमां जीओ.......2
तेरे दर्शन कर कर जीवां...........

मैं हाँ मान–निमाणी दाता तूं साहब गुणी निधाण.......2
तुध आगे अरदास हमारी, करयो जी परवाण.......2
ऐह सदा रहे मन नीवां, (2) मेरे प्रीतमां जीओ.......2
तेरे दर्शन कर कर जीवां...........

चोवी हजार स्वास ने दाता इक इक लेखे लांवीं.......2
ऐहना सावां दा की भरवासा, तूं अपना नाम जपावीं.......2
इक पल नां दिलों भुलावां, (2) मेरे प्रीतमां जीओ.......2
तेरे दर्शन कर कर जीवां...........

नाम तेरा सुख देवे दाता, इस जग विच दुःख बथेरे.......2
दया तेरी ने कित्ते सतगुरु, इस मन दे दूर हनेरे.......2
तैनूं रब्ब मन ह्रदय वसावां, (2) मेरे प्रीतमां जीओ.......2
तेरे दर्शन कर कर जीवां...........

गुरु अजायब जी आसरा तेरा, तुम बिन और ना कोई मेरा.......2
इस साधु दा होवे सतगुरु, तेरे चरणा विच वसेरा.......2
तेरे नाम सहारे जीवां, (2) मेरे प्रीतमां जीओ.......2
तेरे दर्शन कर कर जीवा...........

सतगुरु मेहर करीं

सन्त साधुराम

लोकीं तकदे ऐब गुनाह साडे
असीं तकदे रहमतां तेरियां नूं.......2

सतगुरु मेहर करीं, मेहर करीं दर आए, सतगुरु मेहर करीं
मेहर करीं दर आए, सतगुरु मेहर करीं
तेरे चरणां दे विच बच्चयां.......2
आके सीस झुकाए, सतगुरु मेहर करीं
मेहर करीं दर आए, दाता मेहर करीं

मेहराँ वालया सिर साडे ते, हत्थ मेहराँ दा रखीं.......2
साड्डे ऐब गुनाहां ते तूं, (2) पर्दा पाके रखीं
तूं दाता दीनदयाल, (2) दातया दया करीं
मेहर करीं दर आए, सतगुरु मेहर करीं
तेरे चरणां दे विच बच्चयां...........

तेरी दया मेहर नाल दाता, असीं पापी वी तर जाईए.......2
सिमर सिमर के नाम तेरा, जीवन सफला कर जाईए.......2
खाली पल्ले हर सेवक दे, (2) खुशियां नाल भरीं
दातया मेहर करीं, मेहर करीं दर आए, दाता मेहर करीं
तेरे चरणां दे विच बच्चयां...........

तेरी दया मेहर नाल दाता, पत्थर वी तर जांदे.......2
श्रद्धा ते विश्वास नाल जो, गुरु दा नाम ध्योंदे.......2
मन विच वस जाए नाम तेरा ऐ, (2) ऐसी दया करीं
सतगुरु मेहर करीं, मेहर करीं दर आए, दाता मेहर करीं
मेहर करीं दर आए, दाता मेहर करीं

सतगुरु जी वरसा दयो, अज्ज मेहराँ दियां बरसातां.......2
गुरु अजायब जी संगतां नूं, दयो नाम दियां सौगातां.......2
खाली झोली साधु दी वी, (2) मेहराँ नाल भरीं
सतगुरु मेहर करीं, मेहर करीं दर आए, दाता मेहर करीं
तेरे चरणां दे विच बच्चयां...........

मेरा सोहणा सतगुरु सांईं

सन्त साधुराम

मेरा सोहणा सतगुरु सांईं, संगतो रहमत दा भंडार.......2
जिस दी रहमत सदके चलदा, (2) ऐ सारा संसार
मेरा सोहणा सतगुरु सांईं...........

ना कोई छोटा ना कोई वड्डा, सब ते नजर सवल्ली.......2
आप ही खेडां खेड्डी जावे, इसदी खेड अवल्ली.......2
तरस पवे ते, रहमत होजे, (2) लावे भवसागर तों पार
मेरा सोहणा सतगुरु सांईं...........

नजरी नजर निहाल करे जिसते वी नजराँ मारे.......2
जन्माँ जन्माँ दे पापी वी, इक पल दे विच तारे.......2
गुरु दया नाल तरदा सेवक, (2) जे बन जाऐ सेवादार
मेरा सोहणा सतगुरु सांईं...........

नीचों ऊंच करे मेरा दाता, फर्शों अरश बिठावे.......2
रब्ब गुरु नूं मनन वाला, गुरु विचों रब्ब पावे.......2
गुरु बिना कोई बांह नहीं फड़दा, (2) झूठा सब संसार
मेरा सोहणा सतगुरु सांईं...........

गुरु अजायब दी रहमत दे नाल, ऐह साधु वी तरया.......2
हर पल हर दम हर साह दे नाल, याद गुरु नूं करया.......2
ऐस गरीब नूं लाके चरणी, (2) करता बेड़ा पार
मेरा सोहणा सतगुरु सांईं...........

जाग जा मुसाफिरा सफर कर लै

सन्त साधुराम

जाग जा मुसाफिरा सफर कर लै.......2
अमृत वेला ऐ भजन कर लै.......2

सुतयां दे रहंदे सदा, सुत्ते ही ऐ भाग ओए.......2
जग वलों सों जा, तूं शब्द विच जाग ओए.......2
गुरु वचनां ते, तूं अमल कर लै.......2
जाग जा मुसाफिरा...........

पैंडा बड़ा लम्बा तेरी, मंजिल बड़ी दूर ऐ.......2
भजन बिना नहीं तैनूं, मिलना हजूर ऐ.......2
नाम वाला तोशा, पल्ले नाल बन्न लै.......2
जाग जा मुसाफिरा...........

की कम्म आया सी तूं, की कम्म लगया.......2
पंज चोरां सारा तेरा, धन माल लुट्टया.......2
नाम वाली पूंजी दी, संभाल कर लै.......2
जाग जा मुसाफिरा...........

जदों दा अजायब गुरुजी, मेहरबान हो गया.......2
गुरु दी दया नाल, रस्ता आसान हो गया.......2
साधुराम वांगुं गुरु दा, ध्यान धर लै.......2
जाग जा मुसाफिरा...........

मेरी जिंदगी गुरूजी तेरी अमानत है

सन्त साधुराम

मेरी जिंदगी गुरूजी, तेरी अमानत है.......2
जब तक है, दया तेरी, (2) तब तक सलामत है

मुझमें मेरा कुछ भी नहीं है, जो कुछ है सो तेरा.......2
हाथ जोड़ बिनती करूँ रे, सिर पर सदा हाथ तेरा.......2
मेरी क्या औकात है, (2) सब तेरी इनायत है
मेरी जिंदगी गुरूजी...........

और भला अब, क्या मांगूँ मैं, सब कुछ ही तो पाया.......2
मुझ जैसे पापी अपराधी, को भी गले लगाया.......2
ना गिला, ना शिकवा कोई, (2) ना कोई शिकायत है
मेरी जिंदगी गुरूजी...........

तूहीं सब की, सुनने वाला, तुम बिन किसे सुनाऊँ 2
मेरा अल्लाह राम भी तूं है, मैं तो तुझे ध्याऊँ 2
गुरु नाम तेरा, मेरे लिऐ, (2) अनमोल दौलत है
मेरी जिंदगी गुरूजी...........

अब तो यही तमन्ना मेरी, दिल में याद रहे बस तेरी.......2
गुरु अजायब जी तुम बिन साधु, ज्यों है इक मिट्टी की ढेरी......2
स्वास स्वास तेरा, नाम जपुं मैं, (2) यही है इबादत मेरी
मेरी जिंदगी गुरूजी...........

ऐनां तेरी याद ने रवाया सोहण्या

सन्त साधुराम

सब तों बुरा विछौड़ा होवे जेड़ा रोज रोज तड़फावे
इस नालों तां मौत ही चंगी, जेड़ी इक वारी ही तड़फावे

हंजुआं दा हड़ नैंणों, हंजुआं दा हड़.......2
हंजुआं दा हड़ ही वगाया, सोहण्या वे, सानूं ऐनां तेरी याद ने,
ऐनां तेरी याद ने, रवाया सोहण्या वे सानूं, ऐनां तेरी याद ने.......2

वसों बाहर होई नईयों, गल मेरे वस दी.......2
हुण सारी दुनियां ऐ, मेरे उत्ते हसदी.......2
वे तूं जदों दा, विछोड़ा मैथों पाया, सोहण्या वे, सानूं ऐनां तेरी याद ने
ऐनां तेरी याद ने, रवाया सोहण्या वे सानूं, ऐनां तेरी याद ने

दुनिया दिवानयाँ नूं, ताने मेंहणे मार दी.......2
सच्चा तेरा प्यार साईयाँ, झूठी रीत संसार दी.......2
केहा रोग ऐ इश्क वाला लाया, सोहण्या वे सानूं, ऐनां तेरी याद ने
ऐनां तेरी याद ने, सताया सोहण्या वे सानूं, ऐनां तेरी याद ने

इक वारी बस तेरा, हो जाए दीदार वे.......2
मैं ते सब कुझ दित्ता, तेरे उत्तों वार वे.......2
हुण केड़ी गल्लों, ऐनां तड़फाया, सोहण्या वे सानूं, ऐनां तेरी याद ने
ऐनां तेरी याद ने रवाया सोहण्या वे सानूं, ऐनां तेरी याद ने

तेरे हत्थ लाज मेरी, तूंही लज पा लवे.......2
सावन वी तूं मेरा, तूंही किरपाल वे.......2
मैं ते रब्ब वांगु तैनू ही ध्याया, सोहण्या वे मैनूं बड़ा तेरी याद ने
बड़ा तेरी याद ने रवाया सोहण्या वे सानूं
नैंणों हंजुआं दा हड़ ही वगाया, सोहण्या वे, मैनूं ऐनां तेरी याद ने

आजा वे अजायब जी, नहीं तेरे बिना सरदा.......2
साधु ने सुनाया हाल, तैनूं ही ए दिल दा.......2
मर जावांगा जे, हले वी ना आया सोहण्या वे, मैनूं बड़ा तेरी याद ने
बड़ा तेरी याद ने रवाया सोहण्या वे, मैनूं बड़ा तेरी याद ने
हंजुआं दा हड़ नैंणों, हंजुआं दा हड़
हंजुआं दा हड़ ही वगाया, सोहण्या वे, मैनूं ऐनां तेरी याद ने
ऐनां तेरी याद ने रवाया सोहण्या वे, मैनूं ऐनां तेरी याद ने

इक सोहणे यार दी खातिर
सन्त साधुराम

यार जिन्हांने राज़ी कित्ता, जित्त लई ओनां बाज़ी
नाले यार नूं, राज़ी कर लया, नाले रब्ब नूं कर लया राज़ी
रब्ब रुस्सदा ते रूस जावे असीं मुर्शद राज़ी करणा
साडा तां रब्ब सोहनां गुरु बिना, कोई होर नी दूजा होणा

इक सोहणे यार दी खातिर, की की करणा पैंदा ए.......2
यार मिलन लई, सीस तली ते धरना पैंदा ए.......2
इक सोहणे यार दी खातिर, की की करणा पैंदा ए.......2

देणी पैंदी ए कुर्बानी, लेखे लौणी पैंदी ए ज़िंदगानी.......2
राहां दे विच नैन बिछाके, बैणा पैंदा ए.......2
इक सोहणे यार दी खातिर, की की करणा पैंदा ए.......2

छड्डणी पैंदी दुनियादारी, तां जा चढ़दी नाम खुमारी.......2
तन मन धन अर्पण, गुरु नूं करणा पैंदा ए.......2
इक सोहणे यार दी खातिर, की की करणा पैंदा ए.......2

सैहणे पैंदे ताने मेहणे, पल पल पैंदे दर्द हंडोंणे.......2
कर कर चेते रातां नूं, उठ उठ रोणा पैंदा ए.......2
इक सोहणे यार दी खातिर, की की करणा पैंदा ए.......2

की की भेस वटोणा पैंदा, रूस्या यार मनौणा पैंदा.......2
बुल्लेशाह वांगु नच नच यार, मनौणा पैंदा ए.......2
इक सोहणे यार दी खातिर, की की करणा पैंदा ए,
यार मिलन लई, सीस तली ते धरना पैंदा ए

गुरु अजायब नूं पौंण लई, साधु वी की की कित्ता.......2
सुक्की रोटी खा के, ते सी तत्ता पानी पित्ता.......2
तन मन साध के अपना, आप मिटौंणा पैंदा ए,
इक सोहणे यार दी खातिर, की की करणा पैंदा ए.......2
ज्योंदे मरना पैंदा ए, सूली चड़ना पैंदा ए,
इक सोहणे यार दी खातिर, की की करणा पैंदा ए

चरणां दे नाल सदा लाई रखीं दातया

सन्त साधुराम

अज्ज जो वी हाँ, (2) इक दाता तेरे करके जी
तैनूं पाया ऐ, तैनूं खोना नहीं, मसां मिलया ऐं, मर मर के जी

चरणां दे नाल सदा, लाई रखीं दातया.......2
चंगे हाँ या मंदे हां, निभाई रखीं दातया.......2
चरणां दे नाल सदा, लाई रखीं दातया.......2
चंगें हाँ या मंदे हां, निभाई रखीं दातया

तेरे तों बगैर मेरा, होर नइयों कोई जी
तेरे बिना मैनूं किते, मिलनी ना ढोई जी.......2
सेवा विच अपनी, (2) लाई रखीं दातया.......2
चंगे हाँ या मंदे हां निभाई रखीं दातया, चरणां दे नाल

की ए औकात मेरी, की ए मेरी हस्ती
सदा ही चढ़ाई रखीं नाम वाली मस्ती.......2
डोर ए पतंग दी, (2) हिलाई रखीं दातया.......2
चंगे हाँ या मंदे हां निभाई रखीं दातया, चरणां दे नाल

मैं हाँ इक बेड़ी, दाता तूं ए मल्लाह जी
किते डुब जावां ना मैं बन्ने दयो ला जी.......2
झखड़ हनेरीयां तों, (2) बचाई रखीं दातया.......2
चंगे हाँ या मंदे हां निभाई रखीं दातया
चरणां दे नाल सदा लाई रखीं दातया

तेरे उपकार दाता कदे नां भुलावांगा
हर थां अजायब जी मैं तेरे गुण गावांगा.......2
साधु नूं तूँ अपना, (2) बनाई रखीं दातया.......2
चंगे हाँ या मंदे हां निभाई रखीं दातया, चरणां दे नाल

एह जग ए भवसागर बंदया

सन्त साधुराम

एह जग ए भवसागर बंदया, डुब जावेंगा अद्ध विचकार.......2
नाम बिना नहीं होणी मुक्ती, नाम बिना नहीं बेड़ा पार.......2

जिन्हां नूं तूं अपना समझें कोई नहीं ऐत्थे तेरा.......2
ऐस जगत विच है ओ बंदया, जोगी वाला फेरा.......2
कल्ला आया कल्ला जाणा, (2) छडके तूं इक दिन संसार
नाम बिना नहीं होणी मुक्ती, नाम बिना नहीं बेड़ा पार

किस कम्म लई तूं आया बंदया की कम्म आके लगया.......2
मन तैनूं भरमां विच पाया, मोह माया ने ठगया.......2
मन पिच्छे लग रब्ब नूं भुलया, (2) कदे नहीं कित्ती सोच विचार
नाम बिना नहीं होणी मुक्ती, नाम बिना नहीं बेड़ा पार

मानस जामा मिलया तैनूं, इसदा लाभ उठा बंदया.......2
ऐह मुड़के नहीं हथ विच औणा, ना तूं वक्त गवा बंदया.......2
ओदों अख खुलनी ए तेरी, (2) पैणी जदों जमां दी मार
नाम बिना नहीं होणी मुक्ती, नाम बिना नहीं बेड़ा पार

दो घड़ियां दी साध संगत तेरा, जीवन सफल बणा देणा......2
जिस मालक तों विछड़या तूं, ओसे नाल मिला देणा.......2
गुरु बिना ना किसे वी तैनूं, (2) लौणा ए इस भव तों पार
नाम बिना नहीं होणी मुक्ती, नाम बिना नहीं बेड़ा पार

नाम दी महिमा गुरु दी महिमा, सब वेद ग्रन्थां गाई.......2
ताइयों गुरु अजायब दी महिमा साधु जावे गाई.......2
विच दरगाह दे आप सहाई, (2) होवेगा दाता दातार
नाम बिना नहीं होणी मुक्ती नाम बिना नहीं बेड़ा पार

पृष्ठ सख्या		भजन न०
1	बैठी तकदी गुरूजी तेरा राह	6
2	जीवन है अनमोल रे प्यारे	7
3	सेवक होवे सोई जिसचों महक गुरू दी आवे	8
4	असीं कुझ होर ना मंगदे जी	9
5	तूं सुख वेले शुकराना कर	10
6	सब जूनां दा तू ही ऐ सरदार बंदया	11
7	सिमरन भजन करावे मुक्ति	12
8	मैनूं नाम दे रंग विच रंग साईयां	13
9	पहलां आप बणावें, फेर आप ही तू ढावें	14
10	जो जन गुरू की शरणी लागे	15
11	जे कृपा हो जाये सतगुरू दी	16
12	असीं उठदे–बहदें हर वेल	17
13	गुरूजी तेरा प्यार सानूं मिलयां	18
14	अमृत वेले उठ जाग प्यारयो	19
15	ऐसा मिले गुरू से ज्ञान	20
16	गुरू द्वार चलो गुरू दवार चलो	21
17	इक अरजोई मेरी सबनू ए प्यारयो	22
18	सतगुरू मेरे हर था गावां मैं तेरी ही वडआई	23
19	छड देश बेगाने नूं बन्दया	24
20	जो मिला है तेरे द्वार से	25
21	किनां शब्दां विच ब्यान करा	26
22	सत्संग विच है ऐनी शक्ति	27
23	सतगुरू दी रहमत होइ	28
24	जिनां प्रीत गुरू नाल पा लई ए	29
25	रहमत तेरी हुई गुरूजी	30
26	पाके चोला इंसानी	31
27	ओए तूं करया कर बंदेया	32
28	अजब अनोखी तेरी माया	33
29	पा लया गुरूजी तेरे नाम वाला चोला	34
30	गुरू जी में तेरे लड़ लगी हां	35
31	गुरू बिना ज्ञान नहीं मिलता है बन्दे	36

पृष्ठ सख्या		भजन न०
32	जो भी दीन दुखिया, ओदे दर उत्ते आवे	37
33	मेरा तन मन चश्मा होवे करां दीदार मुरशद दा	38
34	जिस दे सदके तूं है बंदेया	39
35	रूलदे ही फिरदे सी ना कीते ढोई सी	40
36	तेरी रहमतों ने गुरूजी	41
37	छम छम रोंदे नैण मेरे	42
38	सतगुरू आखे सोई करीए	43
39	गीत गुरू दे गा लयो जी	44
40	यादां तेरीया गुरू जी मैनूं आईयां	45
41	तन दे मकान विच बैठा भगवान	46
42	ना लख चौरासी भोगां मै	47
43	रहां चरणा तो दूर ए नी मैनूं मंजूर गुरूजी	48
44	गुण गावां गुरूजी तेरे	49
45	पलकां बंद कर लैंदा हां	50
46	वारे जावां वारे जावां	51
47	जागो होया अमृत वेला	52
48	सतगुरू दा दरबार	53
49	नैणा दी जोत जगा बंदया	54
50	वैद गुरू गोविंदा	55
51	दर्शन गुरां दा करके	56
52	मेरा सब कुछ तूहीं सतगुरू	57
53	करदा सब ते दया है, दयालु गुरू	58
54	आजा वे अजायब जी	59
55	तेरे हुक्म दी करां उडीक	60
56	आवीं सतगुरू प्यारया मैं तकदी राहां	61
57	याद तेरी कीती बुरा हाल सोहणया	62
58	करां अरजां ऐहो ही, बार बार	63
59	फेरा पा जावीं सतगुरू प्रीतम प्यारे	64
60	सिर ते मोत खड़ी ऐ	65
61	मन लै मना मेरी गल	66
62	अमृत वेले जो सेवक	67

पृष्ठ सख्या		भजन न०
63	आओ गुरू अजायब जी	68
64	तन सड़ जावे भावें गल जावे	69
65	26जनवरी दा दिन आया	70
66	करदा अरदास गुरू जी	71
67	गुरू दर्शन को लोचे नैना	72
68	सत्संग दी ए महिमा संगतो	73
69	तन तेरा हरि मन्दिर बन्दया	75
70	चल्लीयां जी चल्लीयां जी	76
71	चिट्ठिए नी चिट्ठिए हंजूआं नाल लिखीए	77
72	असॉ नैणा च वसाया ए बड़ा ही मन मोहणा	79
73	मैनूं दया बक्श दो दाता मंगता दर आया	80
74	मार मन मार बंदे मार मन मार	81
75	जे मेहर करें तूं साईयॉ मैं वी तर जावां	82
76	वे मैनूं गुरां दे दवारे जाके बहण दे	83
77	जित्थे सतगुरू आप बसे ओत्थे कमी कोई ना होवे	84
78	सानूं इक तेरे नाम दा सहारा गुरूजी	85
79	मैं सतगुरू मैला भांडा मैल उतारो जी	86
80	लख–लख शुकर मनावां तेरे दातेया	87
81	जे सतगुरू नूं याद करे तूं	88
82	घट–घट दे विच बस रहा इको सतकरतार	89
83	बण वैद गुरूजी आजा मै बिमार हॉ	90
84	अपणा अवल्ला मन मोड़ ते सही	91
85	मेरे विच मेरा कुझ वी नही जो कुछ है सो तेरा	92
86	ओ साहॉ विच साह लैदां ए	93
87	ऐसा पंज शब्दा ने सानूं तारया	94
88	सतगुरु अजायब जी सांइयाँ वे	95
89	आया जी दिन 11 सितम्बर	96
90	जिस थां रखे दाता ओथे रहणा चाहीदा	97
91	तेरे चरणां दे विच रहणा सतगुरू	98
92	जे गुरसिख नाम ध्यावे सतगुरू आऊंदा ए	99
93	तेरी याद गुरू जी आई रोंदे नैण मेरे	100
94	मैंनूं तन सोहणे दी लोड़ नहीं	101
95	आओ जी आओ, आओ जी	102

पृष्ठ सख्या		भजन न०
96	गुरू बिना गोविन्द दा मिलणा	103
97	मेरा रूस्से ना सतगुरू प्यारा	104
98	करी मंजूर दाता सेवक दी अर्जी	105
99	संगतो भरोसा जिनां करया गुरू ते	106
100	गुरू नूं अपणा बणा लै	107
101	तॅू दाता असीं मंगते तेरे	108
102	सुणो बेनती गुरूजी इक मेरी	109
103	मैनूं आपणे चरणा विच लाओ गुरूजी	110
104	गुरसिख दी ए खास निशानी	111
105	साहमणे गुरूजी होवे तकदा रहां	112
106	मैनूं सतगुरू सबर दिता ते कदे डोला ना	113
107	पल्ले इक नाम तेरा सतगुरू प्यारया	114
108	तीला–तीला होई सतगुरु	115
109	देके नाम गुरां ने संगतो हैं	116
110	अमृत वेला हो गया जी	117
111	गुरु जी सानूं नाम शब्द नाल जोड	118
112	सतगुरू–सतगुरू बोल प्यारया	119
113	बेनती कबूल साडी कर लयो गुरूजी	120
114	छड दु:खां दा देश ओ बंदया	121
115	सचखण्डों गुरूजी अजायब चल आ गया	122
116	आजो संगतो जी गुरॉ दा दिदार कर लो जी	123
117	तेरी याद च सतगुरू साईयां अखियां भर आईयां	124
118	मैं तेरा हो गया सतगुरू ते	125
119	हर थां लाज रखीं मेरे दाता	126
120	सेवकां दे कारज सवारदा	127
121	मन भटक–भटक कर हार गया	128
122	करयो कबूल साडी बेनती गुरू जी	129
123	रहण दे गरीब पर दूर ना करीं	130
124	सईयो नी मै सतगुर वर पाया	131
125	इस दम दा की भरवासा ए	132
126	याद जदों वी गुरूजी तेरी आवे	133
127	आ आके दातया तूं देजा वे दीदार	135
128	चेते करके गुरू जी तैनूं	136
129	चढ़ियां सतगुरू चढ़ियां	137

पृष्ठ सख्या		भजन न०

130	चरणां विच रख दातयां	138
131	तेरी दया नाल सारे कम्म होई जांदे ने	139
132	आजा सतगुरू प्यारे राहां तकदी खड़ी निमाणी	140
133	सतगुरू जी आये ने	141
134	बन्दया जुबानों सदा गुरू गुरू बोल	142
135	जे सतगुरू नूं राजी करना	143
136	लग गये गुरू दे चरणी	144
137	ओ मन मेरे गा लै गुरू दे गीत	145
138	भावें माला गल पा लै	146
139	असीं बच्चे हां गुरू अजायब दे	147
140	रंग गुरूां दे प्यार वाला चढ़या	148
141	गुरू दाता दीनदयाल दया ही करदा ए	149
142	मेरे विच मैं कदे ना आवे	150
143	पंच तत्वां दा पूतला ए तूं	151
144	तेरे नाम दा अमृत मैं	152
145	गुरू अजायब जी सच दा हौका ला गये	153
146	होया नाम जपण दा वेला	154
147	की करनी असां अमीरी	155
148	पी के गुरू कोलों नाम वाला जाम	156
149	सचखण्ड चों गुरू जी आये	157
150	तेरे चरणां दे विच साडी थां दातया	158
151	नाम जपो ते मुक्ति पावो	159
152	वेखण नूं ते बन्दा ही लगदा	160
153	तेरे दर का भिखारी हूँ दाता	161
154	राहें जुदा जुदा हैं मंजिल एक है	162
155	नाम दी कमाई कर	163
156	सतगुरू दा ढाड्डी हां	164
157	तूं रोवेगा कुरलावेंगा	165
158	इस कोझे नीच निमाणे ते	166
159	सतगुरू दाते ने पति परमेशवर लड़ लाई	167
160	गुरू जी थ्वाडे दर्शन नूं	168
161	जे सतगुरू मल्लाह ना हुंदा	169

पृष्ठ सख्या		भजन न०
162	गुरू बिना ज्ञान नहीं	170
163	तेरे तो बलिहारे सतगुरू प्यारया	171
164	काल देश विच रूहां रोण दातया	172
165	आया सचखण्डो पुत्र प्यारा	173
166	सच्चा है सतगुरू का नाम	174
167	जित्थे जित्थे वी मैं जावां वडयाई तेरी गावां	175
168	रब्ब भुल जावे पर गुरू	176
169	दुःख हो चाहे सुख हो हरि यश गा ले रे बन्दे	177
170	गुरू जेहा ना दाता कोई जो मंगीए सो देवे	178
171	आजा दातया वे दर्श दिखा ए अरजां ने मेरीयां	179
172	मेरे हाल दा महरम तूं सतगुरू	180
173	आओ जी रल के सब संगतों	181
174	गुरू तो बगैर किसे पुछणी ना बात ओए	182
175	आजा आजा वे अजायब जी मैं रो रो वाजां मारा	183
176	तेरी मौज दातया तेरी मौज दातया	184
177	आवेगा ज़रूर गुरू आस रखीऐ	185
178	मेरीयां ते दातेया तेरे ते डोरां ने	186
179	प्यार गुरू नाल जिस जिस ने वी पाया ए	187
180	ऐना अखीयां विच सतगुरू वसदा	188
181	जिस हाल च रखें दाता तूं	189
182	नित उठ रोज सवेर	190
183	बदियाँ तों मन मोड	191
184	असीं मंग दे हाँ एहो	192
185	मैं तेरे रखण दी दातया	193
186	असीं गुनाहगार हाँ जी	194
187	रख गुरु ते भरोसा	195
188	बक्शो गुरु जी मै हाँ औगुणा दा भरया	196
189	तेरा दर छड दातया	197
190	आजा दातया फेरा पाजा दातया	198
191	दया करो दया करो	199
192	बच्चे हाँ अनभोल दातया	200
193	मिट्टी दे खिलौनया वे टुट जावेंगा	201

पृष्ठ सख्या		भजन न०

194	गुरु मेहरबां ने आके मेरी जिन्दगी बनाती	202
195	पल्ला फड़या वे साइयां तेरा	203
196	साईं सबदे सिरां दे उत्ते हथ रखदा	204
197	सुत्ता सी मैनुं जगा गया	206
198	तूं बंदया कुझ ते सोच विचार	208
199	गुरु जेहा ना कोई जग विच	209
200	जो चरणा दे नाल ला रखया	211
201	तेरे बिना मैं गुरू जी फिरदा सी रुल्दा	212
202	कर रब्ब नाल बंदया प्यार किसे तों की लैणा	214
203	बड़ा सोहणा बड़ा ही मन मोहणा	215
204	दातया तेरीयाँ तूं जाणे	216
205	जदों टुट जाणी साहां वाली डोर बंदया	217
206	जे रब्ब नूं मिलणा ऐ प्यारया	218
207	मैं ते मंगदा दीदार दाता तेरा	219
208	आजा वे हुण रह नहीं हुँदा	221
209	जदों दे गुरु जी मैनूं अजायब मिले ने	223
210	अन्दर तूं ऐं बाहर तूं ऐं	224
211	बदल जाएगी तेरी ज़िंदगानी	225
212	तूं पिता मैं बालक तेरा	227
213	जदों तक मैं नहीं मर दी	228
214	रज्ज रज्ज गुरां दा दीदार कर लौ	229
215	रज्ज रज्ज वेखण दो	231
216	देके नाम दी दवाई सानूं दातया	232
217	संता ने दस्सी युक्ति	233
218	तेरी दया मेहर दाता डुबदे पत्थरां नूं तार दी	234
219	तेरे दर्शन कर कर जीवां	235
220	सतगुरु मेहर करीं	236
221	मेरा सोहणा सतगुरु सांई	238
222	जाग जा मुसाफिरा सफर कर लै	239
223	मेरी जिंदगी गुरूजी तेरी अमानत है	240
224	ऐनां तेरी याद ने रवाया सोहण्या	241

पृष्ठ सख्या		भजन न०
225	इक सोहणे यार दी खातिर	243
226	चरणां दे नाल सदा लाई रखीं दातया	245
227	एह जग ए भवसागर बंदया	246

साल 2019 में प्रकाशित

सतगुरू कहे करो तुम सोई, मन के कहे चलो मत कोई।
यह भव में गोते दिलवाये सतगुरु से बेमुख करवाये।

स्वामी जी महाराज।

सभी संत कहते हैं कि नाम में मुक्ति है, नाम सारे पापों का नाश करता है,बाकि और किसी के पास यह चीज़ नहीं है। जो नाम है वह पूरे सतगुरु से मिलता है। तो ओर सतगुरु इस युक्ति को प्राप्त करके, जिसमे वह रखता है तो खुद ही आकर वह उसका सन्देश देता है, आप जपता है और आप ही सन्देश देता है।

संत साधु राम